डाक पंजीयन नं. 99/2021-23

E-mail:-adhuniksamachar2014@gmail.com

website:www.adhuniksamachar.com

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

आधुनिक समाचार

प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

वर्ष -09 अंक -88 | प्रयागराज, शनिवार 10 जून,2023 | पृष्ठ- 8 | मूल्य : 2.00 रूपये

खेलःऐसे ही हालातों में एडिलेड में फंसी थी भारतीय...

सिनेमाः16 की उम्र में बॉलीवुड डेब्यू...

संक्षिप्त समाचार

मिजोरम के हचेक विधानसभा क्षेत्र से चुनाव लड़ेंगे रॉबर्ट रॉयटेः जोरमथंगा

आइजोल। मिजोरम के मुख्यमंत्री और सत्तारूढ़ मिजो नेशनल फ्रंट (एमएनएफ) के अध्यक्ष जोरमथंगा ने घोषणा की कि मंत्री रॉबर्ट रोमाविया रॉयटे इस साल के आखिर में होने वाले विधानसभा चुनाव में हचेक विधानसभा सीट से चुनाव लड़ेंगे। पश्चिम मिजोरम के मामित जिले में हचेक विधानसभा सीट के तहत जुआलनुआम गांव में बृहस्पतिवार को आयोजित पार्टी के एक सम्मेलन में उन्होंने यह घोषणा की। जोरमथंगा ने कहा कि पार्टी की नामांकन समिति ने फैसला किया है कि रॉयटे अगले विधानसभा चुनाव में अपनी मौजूदा आइजोल पूर्व-2 सीट की जगह हचेक सीट से चुनाव लड़ेंगे। मिजोरम की 40 सदस्यीय विधानसभा के लिए इस साल के अंत में चुनाव होने हैं। रॉयटे राज्य के खेल एवं पर्यटन मंत्री हैं। जोरमथंगा ने विश्वास जताया कि एमएनएफ आगामी विधानसभा चुनाव में सत्ता बरकरार रखेगा।

लापरवाही बरतने के आरोप में छह पुलिसकर्मी निलंबित

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ की एक अदालत के परिसर में गैंगस्टर नेता मुख्तार अंसारी के सहयोगी संजीव माहेश्वरी उर्फ जीवा की हत्या किए जाने के मामले में एक महिला कर्मी समेत छह पुलिसकर्मियों को लापरवाही बरतने के आरोप में निलंबित किया गया है। पुलिस ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। उत्तर प्रदेश पुलिस द्वारा एक विज्ञप्ति के अनुसार, ''पुराने उच्च न्यायालय परिसर में जनता और अधिवक्ताओं के लिए प्रवेश द्वारों पर उचित जांच और तलाशी नहीं लिए जाने के परिणामस्वरूप, अदालत परिसर में असलहे से की गई गोलीबारी में संजीव माहेश्वरी उर्फ जीवा की हत्या हो गई और कुछ अन्य घायल हो गए।'' समें बताया गया है कि कर्तव्यों के प्रति घोर लापरवाही बरतने और अनुशासनहीनता के आरोप में छह पुलिस कर्मियों को तत्काल प्रभाव से निलंबित किया जाता है। विज्ञप्ति के अनुसार, मुख्य आरक्षी सुनील दुबे, मोहम्मद खालिद, अनिल सिंह, एवं सुनील श्रीवास्तव और आरक्षी धर्मेन्द्र एवं निधी देवी को निलंबित किया गया है।

मीरा रोड हत्याकांड के आरोपी का दावा, महिला ने की आत्महत्या, गिरफ्तारी से बचने के लिए शरीर के अंगों को काटकर उबाला

मुम्बई। महाराष्ट्र में ठाणे जिले के एक फ्लैट से एक महिला का क्षत-विक्षत शव बरामद होने के बाद एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। अपनी लिव-इन पार्टनर की हत्या करने और फिर उसके शरीर के अंगों को काटने और उबालकर कुत्तों को खिलाने के आरोप में गिरफ्तार 56 वर्षीय मनोज साने ने पुलिस को बताया है कि उसने 36 वर्षीय सरस्वती वैद्य की हत्या नहीं की। पूछताछ के दौरान मनोज ने पुलिस को बताया कि तीन जून को सरस्वती ने जहर खा लिया और आत्महत्या कर ली। इसके बाद वह डर गया और उसने सोचा कि पुलिस उसे सरस्वती की हत्या के लिए फंसा देगी। इसलिए उन्होंने शरीर को कुकर में काटकर और उबाल कर ठिकाने लगा दिया।

सरस्वती वैद्य के कटे हुए शरीर के अंग महाराष्ट्र के ठाणे जिले के एक फ्लैट से बरामद किए गए, जहां मनोज साने महिला के साथ रहता था। गिरफ्तारी के बाद मनोज साने को 16 जून तक पुलिस हिरासत में भेज दिया गया। पूछताछ के दौरान, मनोज साने ने पुलिस को बताया कि 3 जून को जब वह घर लौटा, तो उसने अपनी लिव-इन-पार्टनर सरस्वती को फर्श पर पड़ा पाया, जिसके मुंह से थूक निकल रहा था। मनोज ने कहा कि उसने उसकी जांच की और पाया कि वह पहले ही मर चुकी थी, जिसने उसे हत्या के एक मामले में फंसाए जाने से बचने के लिए उसके शरीर के टुकड़े करने और उसे ठिकाने लगाने के लिए प्रेरित किया। यह खुलासा करते हुए कि उसने सरस्वती की हत्या कैसे की, मनोज ने पुलिस को बताया कि उसने पहले उसके शरीर को दो पेड़ काटने वालों से काटा और बाद में हड्डियों और मांस को अलग करने के लिए सभी हिस्सों को प्रेशर कुकर में उबाला, ताकि कोई दुर्गंध न आए। मनोज ने यह भी कहा कि वह पहले भी शरीर के कुछ अंगों का निस्तारण कर चुका है। आरोपी के एक बयान के अनुसार, उसने आत्महत्या करने की योजना बनाई और कहा कि उसे अपने किए पर कोई पछतावा नहीं है। कुछ टुकड़ों को मिक्सर में पीसकर प्रेशर कुकर में उबाला गया, जो श्रद्धा वाकर हत्याकांड की पुनरावृत्ति प्रतीत हुई। पड़ोसियों ने

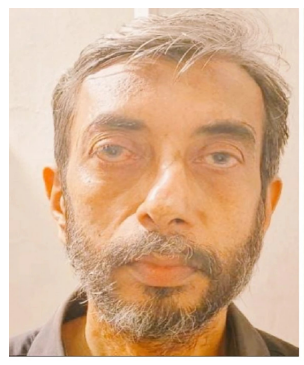

पुलिस को यह भी बताया कि साने पिछले कुछ दिनों से आवारा कुत्तों को खाना खिला रहा था, जो उसने पहले कभी नहीं किया था। इस बीच, वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने कहा कि मामले की जांच जारी है। उन्होंने कहा कि महिला के शरीर के जिन हिस्सों को पुलिस ने बरामद किया था, उन्हें पोस्टमॉर्टम के लिए जेजे अस्पताल भेज दिया गया। आरोपियों के बयान पर टिप्पणी करते हुए अधिकारियों ने कहा कि वे आश्वस्त नहीं हैं। एक अन्य पुलिस अधिकारी ने बताया कि एक पड़ोसी ने बुधवार को साने के फ्लैट से दुर्गंध आती देखी और उससे पूछताछ की। साने घबराया हुआ दिखाई दिया, एक काला बोरा लेकर आया और पड़ोसी से कहा कि वह रात 10.30 बजे तक वापस आ जाएगा। हालांकि, पड़ोसियों को लगा कि कुछ ठीक नहीं है और उन्होंने पुलिस को इसकी सूचना दी। अंदर से कोई जवाब नहीं मिलने पर पुलिस ने दरवाजा तोड़ा। अधिकारी ने कहा कि जब साने फ्लैट के अंदर थे, तो उसमें असहनीय गंध आ रही थी। बेडरूम में उन्हें एक प्लास्टिक बैग और खून से सनी आरी मिली। लेकिन अनुभवी पुलिस वाले जब रसोई में घुसे तो दंग रह गए। किचन के प्लेटफॉर्म पर पुलिस को प्रेशर कुकर और कुछ अन्य बर्तनों में उबला मानव मांस मिला, जबकि महिला के बाल फर्श पर पड़े मिले। अधिकारी ने कहा कि अधजली हड्डियों और मांस को सिंक और बाल्टियों और टब में रखा गया था। पड़ोसियों ने मीडिया को बताया कि दंपति ज्यादातर अपने आप में ही रहते थे और उन्होंने दोनों को झगड़ते नहीं सुना। अधिकारी ने बताया कि पड़ोसियों के मुताबिक, साने पिछले कुछ दिनों से आवारा कुत्तों को खाना खिला रहा था, जो उन्होंने उसे पहले कभी नहीं देखा था।

फडणवीस के बयान पर ओवैसी का पलटवार, पूछा नाथूराम गोडसे और आप्टे की संतान कौन है?

मुम्बई। महाराष्ट्र के कोल्हापुर में हाल में हुए तनाव को लेकर राजनीति लगातार जारी है। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने एक बयान देते हुए 'औरंगजेब की औलाद' कहकर कुछ लोगों पर निशाना साधा था। इसकी को लेकर अब असदुद्दीन ओवैसी की ओर से पलटवार किया गया है। ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने पलटवार में कहा कि नाथूराम गोडसे और वामन शिवराम आप्टे की संतान कौन हैं। ओवैसी ने कहा कि महाराष्ट्र के गृह मंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा 'औरंगज़ेब के औलाद।' क्या आप सब कुछ जानते हैं? मैं नहीं जानता था कि आप (फडणवीस) इतने विशेषज्ञ हैं। इसके साथ ही उन्होंने पूछा कि तो आपको पता होना चाहिए कि गोडसे और आप्टे की संतान कौन हैं, वे कौन हैं? ओवैसी की टिप्पणी महाराष्ट्र में कोल्हापुर हिंसा के मद्देनजर आई है, जहां कुछ युवाओं ने कथित तौर पर औरंगजेब और टीपू सुल्तान के संदर्भ में सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक पोस्ट किए थे। इसी के बाद कोल्हापुर में तनाव देखने को मिला था। कोल्हापुर मामले पर महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा था कि महाराष्ट्र के कुछ ज़िलों में औरंगज़ेब की औलादें पैदा हुई हैं। वे औरंगज़ेब की फोटो दिखाते, रखते और स्टेटस लगाते हैं। इस कारण समाज में दुर्भावना और तनाव पैदा हो रहा है। उन्होंने कहा था कि सवाल यह है कि अचानक औरंगजेब की इतनी औलादें कहां से पैदा हो गई हैं। इसका असली मालिक कौन है वह हम ढूंढेंगे। परिस्थिति नियंत्रण में है। लोगों से अपील है कि वे क़ानून अपने हाथ में न लें।

मैं भाजपा का नौकर नहीं हूं, ईडी ने समन के जरिए 13 जून को बुलाया, अभिषेक बनर्जी बोले- 9 जुलाई के बाद बात करना

कोलकाता (एजेंसी)। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के सांसद अभिषेक बनर्जी ने कहा कि पंचायत चुनाव संपन्न होने के बाद शिक्षक भर्ती घोटाले के संबंध में पूछताछ के लिए वह प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के सामने पेश होंगे। पंचायत चुनाव आठ जुलाई को होना है। अभिषेक बनर्जी मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के भतीजे हैं। उन्हें 13 जून को सुबह 11:30 बजे कोलकाता में सीजीओ कॉम्प्लेक्स में केंद्रीय जांच एजेंसी के सामने पेश होने के लिए कहा गया है।

अभिषेक बनर्जी ने अभी पूछताछ के लिए ईडी के सामने पेश होने में असमर्थता जताई क्योंकि वह समय बर्बाद नहीं करना चाहते थे क्योंकि वह पंचायत चुनावों के प्रचार में व्यस्त थे। उन्होंने कहा कि वह 9 जुलाई के बाद केंद्रीय जांच एजेंसी के सामने पेश होंगे, जब पंचायत चुनाव खत्म हो जाएंगे। उन्होंने कहा कि मैं 13 जून को ईडी के सामने पेश नहीं होऊंगा। मेरे पास महत्वपूर्ण पंचायत चुनावों से पहले बर्बाद करने का समय नहीं है। पंचायत चुनाव 9 जुलाई को खत्म हो

जाएंगे और मैं उसके बाद कभी भी पेश होऊंगा। उन्होंने आगे कहा आज मेरी पत्नी से पूछताछ की गई ईडी ने फिर मुझे 13 जून को पेश होने के लिए नोटिस भेजा। मैं यह स्पष्ट कर दूं कि मैं भाजपा का नौकर नहीं हूं, जब भी वे चाहें मुझे केंद्रीय एजेंसियों के सामने पेश होना होगा।

टीएमसी सांसद ने आरोप लगाया कि ईडी का समन उन्हें पंचायत चुनाव के प्रचार से दूर रखने के लिए भाजपा की एक सोची समझी चाल है। उन्होंने कहा कि यह मुझे अभियान से दूर रखने की सोची समझी चाल है क्योंकि भाजपा अच्छी तरह जानती है कि वे हमसे राजनीतिक रूप से नहीं लड़ सकते। पिछले महीने, शिक्षक भर्ती घोटाले में केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) द्वारा अभिषेक बनर्जी से आठ घंटे से अधिक समय तक पूछताछ की गई थी। कलकत्ता उच्च न्यायालय द्वारा केंद्रीय एजेंसियों को मामले में उनसे पूछताछ करने की अनुमति देने के बाद उनसे पूछताछ की गई।

नाबालिग से रेप के आरोप में भोजपुरी सिंगर बाबुल बिहारी गिरफ्तार सोशल मीडिया पर पोस्ट कीं तस्वीरें

पटना। अभिषेक जिसे बाबुल बिहारी के नाम से भी जाना जाता है भोजपुरी गायक को गुरुवार को एक नाबालिग लड़की से कथित तौर पर बलात्कार करने और सोशल मीडिया पर उसकी आपत्तिजनक तस्वीरें पोस्ट करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। आरोपी, बिहार का 21 वर्षीय मूल निवासी, उसके भदलऊल चैनल पर 27,000 से अधिक ग्राहकों के साथ अपनी वीडियो शेयर करता है और चैनल चलाता है। पुलिस के मुताबिक घटना दो साल पहले की है जब आरोपी राजीव नगर इलाके में रह रहा था। उसने कथित तौर पर एक 13 वर्षीय लड़की को दोस्ती के बहाने एक होटल के कमरे में बहला फुसला कर ले गया, जहाँ उसने उसके साथ बलात्कार किया और उसकी अश्लील तस्वीरें लीं। नाबालिग ने घटना के बाद खुद को आरोपी से दूर कर लिया था और खुद को ही परीक्षा दी थी। हालांकि कुछ दिन पहले आरोपी ने लड़की की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट की थीं। इंस्टाग्राम पर तस्वीरें देखने पर लड़की के परिवार वाले उससे भिड़ गए।

पहलवानों का विरोधः नाबालिग के बयान बदलने के बाद बोली विनेश फोगाट, कहा-टूट रही बेटियों की हिम्मत

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय कुश्ती महासंघ के अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ यौन शोषण और छेड़खानी के मामले में पहलवान जहां लंबे अर्से से सिंह की गिरफ्तारी की मांग कर रहे है। वहीं इस मामले में अब नया मोड़ आ गया है। इस मामले की सबसे अहम कड़ी नाबालिग युवती अपने बयान से पलट गई है।

नाबालिग युवती की शिकायत के बाद बृजभूषण शरण सिंह पर पॉक्सो एक्ट भी लगाया गया था मगर अब नाबालिग ने अपने बयान को बदल दिया है। इंसाफ मिलने में देरी होने और बयान बदले जाने के बाद अब विनेश फोगाट का भी दुख छलका है। बृजभूषण सिंह के खिलाफ आंदोलन की अगुवाई करने वाली विनेश फोगाट ने कहा कि इंसाफ मिलने में जिस तरह से देरी हो रही है उससे कहीं बेटियां हिम्मत ना हार जाएं।

इस संबंध में विनेश फोगाट ने ट्वीट कर कहा कि बेटियां एक एक कर हिम्मत ना हार जाएं। इंसाफ की लड़ाई में देरी होने का कारण? भगवान सभी को हिम्मत दे। इससे पहले भी

विनेश फोगाट ने ट्वीट कर कहा था कि डर और भय के माहौल में क्या बेटियों को इंसाफ मिल सकेगा?

बता दें कि नाबालिग पहलवान के पिता ने ये कबूल किया है कि उन्होंने डब्ल्यूएफआई प्रमुख के खिलाफ यौन उत्पीड़न की झूठी शिकायत दर्ज कराई थी। उन्होंने बताया कि इस झूठी शिकायत के पीछे कारण था कि वो अपनी बेटी के साथ हुई नाइंसाफी से नाराज थे। नाबालिग के पिता ने कहा कि यह बेहतर है कि सच अदालत में आने की बजाय अभी सामने आ जाये। गौरतलब है कि नाबालिग पहलवान के पिता के इस खुलासे के बाद बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ मामला कमजोर हो सकता है।

इस मामले को लेकर बीते छह महीनों से पहलवान यौन उत्पीड़न के मामले पर प्रदर्शन कर बृजभूषण सिंह की गिरफ्तारी की मांग कर रहे रहे है। नाबालिग पहलवान की शिकायत के बाद पोक्सो कानून के तहत जांच की जा रही थी। बता दें कि दिल्ली पुलिस ने इस मामले में 200 से अधिक लोगों के बयान दर्ज किये हैं और 15 जून तक आरोपपत्र दाखिल किया जायेगा। खेलमंत्री अनुराग ठाकुर ने प्रदर्शनकारी पहलवानों को यह आश्वासन दिया है। तब तक पहलवानों ने भी अपना प्रदर्शन स्थगित कर दिया है।

कर्नाटक में हनुमान की गदा काम नहीं आई, अब महाराष्ट्र में औरंगजेब की जरूरत, सामना के जरिए उद्धव ने साधा बीजेपी पर निशाना

नई दिल्ली (एजेंसी)। कोल्हापुर और अहमदनगर में कुछ लोगों द्वारा कथित रूप से जुलूसों के दौरान टीपू सुल्तान और

औरंगजेब के पोस्टर चमकाने को लेकर तनाव के बीच शिवसेना (यूबीटी) पार्टी के मुखपत्र सामना ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर निशाना साधते हुए कहा कि औरंगजेब महाराष्ट्र की राजनीति में एक नया उपकरण बन गया है। अपने संपादकीय में उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली पार्टी ने कहा कि भाजपा पिछले महीने कर्नाटक में भगवान हनुमान की गदा लहराने के बावजूद विधानसभा चुनाव हार गई और इसलिए, पार्टी को महाराष्ट्र में औरंगजेब की जरूरत है।

औरंगजेब महाराष्ट्र में एक नया हथियार बन गया है। यहां औरंगजेब की जरूरत है। लेकिन ये हिंदुत्व को विनाश के रास्ते पर ले जाने जैसा है। कोल्हापुर में दक्षिणपंथी संगठनों द्वारा कुछ लोगों द्वारा सोशल मीडिया स्टेटस पर आपत्तिजनक ऑडियो क्लिप के साथ मैसूर के शासक टीपू सुल्तान की तस्वीर का कथित रूप से उपयोग करने पर हिंसक विरोध देखा गया। अहमदनगर जिले के संगमनेर में जुलूस के दौरान कथित तौर पर औरंगजेब की तस्वीरें ले जाने के आरोप में कुछ लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया। सामना ने अपने संपादकीय में कहा कि कुछ राजनीतिक दल औरंगजेब को 300 से अधिक वर्षों से दफन किए जाने के बावजूद वापस लाने की कोशिश कर रहे हैं।

इसमें कहा गया कि पहले किसी ने अहमदनगर में औरंगजेब की तस्वीर दिखाई और फिर किसी ने उसकी तस्वीर सोशल मीडिया पर पोस्ट कर दी। यह पूरे राज्य में दंगे भड़काने के लिए सोची समझी चाल थी। कोल्हापुर और अहमदनगर दोनों का सामाजिक और राजनीतिक संबंध है।

दुर्ग-पुरी एक्सप्रेस में लगी आग, कोई हताहत नहीं

भुवनेश्वर। ओडिशा के नुआपाड़ा जिले में बृहस्पतिवार को दुर्ग-पुरी एक्सप्रेस के वातानुकूलित डिब्बे में आग लग गई, इस घटना से ट्रेन में सवार यात्री भयभीत हो गए। पूर्व तटीय रेलवे के मुताबिक, इस घटना में किसी यात्री के हताहत होने की कोई सूचना नहीं है। पूर्व तटीय रेलवे ने एक बयान में कहा कि ट्रेन के बी-3 कोच में आज शाम खरियार रोड स्टेशन पर पहुंचते ही धुएं का पता चला। रेलवे ने कहा, ''घर्षण और ब्रेक के अधूरे रिलीज के कारण ब्रेक पैड में आग लग गई। आग ब्रेक पैड तक ही सीमित थी। इससे कोई नुकसान नहीं हुआ। एक घंटे से भी कम समय में समस्या को ठीक कर लिया गया और ट्रेन रात 11 बजे स्टेशन से रवाना हुई।

विद्यालयों को धर्मांतरण में शामिल होने की अनुमति नहीं दी जाएगी : शिवराज सिंह चौहान

मुरैना। मध्य प्रदेश के दमोह में छात्राओं की वर्दी से जुड़े विवाद को लेकर गंगा-जमुना उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के प्रबंधन के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज किए जाने के बीच मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने बृहस्पतिवार को कहा कि विद्यालयों को धर्मांतरण में शामिल होने की अनुमति नहीं दी जाएगी और वर्दी को लेकर ऐसा नियम लागू नहीं किया जायेगा, जो भारतीय संस्कृति के अनुरूप न हो। चौहान ने यहां संवाददाताओं से कहा कि उन्होंने उस निजी स्कूल पर लगे आरोपों की जांच के आदेश दिये थे, जिसने छात्राओं को वर्दी के रूप में हिजाब जैसा 'हेड स्कार्फ' पहनाया। उन्होंने कहा, ''राज्य के ऐसे सभी विद्यालयों की जांच की जाएगी।

किसी भी संस्था को धर्म परिवर्तन करने या वर्दी संबंधी ऐसा नियम लागू करने की अनुमति नहीं दी जाएगी, जो भारतीय संस्कृति और परंपरा के अनुसार न हो।'' चौहान ने कहा, ''हम इस घटना की गहन जांच कर रहे हैं और इसमें शामिल आरोपियों को नहीं बख्शेंगे।'' मुख्यमंत्री एक सुरक्षाकर्मी के बेटे की शादी में शामिल होने मुरैना गए थे। यह सुरक्षाकर्मी पिछले 25 वर्षों से चौहान के लिए काम कर रहा है। राज्य

के शिक्षा विभाग ने पिछले हफ्ते गंगा-जमुना उच्चतर माध्यमिक विद्यालय की मान्यता निलंबित कर दी थी, क्योंकि एक पोस्टर में हिंदू छात्राओं सहित अन्य लड़कियों को वर्दी के हिस्से के तौर पर हिजाब की तरह दिखने वाले 'हेड स्कार्फ' को पहने हुए दिखाया गया था।

वर्दी विवाद के बारे में पूछे जाने पर गृह मंत्री नरोत्तम मिश्रा ने पत्रकारों से कहा कि भारतीय दंड संहिता की धारा 295(ए) (जानबूझकर और दुर्भावनापूर्ण कार्य, किसी भी वर्ग की धार्मिक भावनाओं को उसके धर्म या धार्मिक विश्वासों का अपमान करके अपमानित करने का इरादा) और 506 (बी) (मामले में आपराधिक धमकी) के तहत दमोह में स्कूल के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। उन्होंने कहा कि इस दौरान जांच में जो भी बिंदु आएंगे उसके अनुसार मामले में कड़ी कार्रवाई की जाएगी। शिवराज सिंह चौहान ने बुधवार को कहा था कि उन्होंने मामले की उच्च-स्तरीय जांच के निर्देश दिए हैं।

इससे पहले बुधवार को वर्दी से जुड़े विवाद में स्कूल का पक्ष लेने के आरोप में जिला शिक्षा अधिकारी (डीईओ) पर कथित रूप से स्याही फेंकने के मामले में पुलिस ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के तीन पदाधिकारियों के खिलाफ मामला दर्ज किया। स्याही फेंकने की घटना मंगलवार दोपहर की है, जब डीईओ एस के मिश्रा का वाहन कार्यालय परिसर से बाहर निकल रहा था। भाजपा की दमोह जिला इकाई के उपाध्यक्ष अमित बजाज ने स्याही फेंकने की जिम्मेदारी ली है।

पुलिस अधीक्षक राकेश कुमार सिंह ने बुधवार को बताया कि डीईओ मिश्रा की शिकायत पर अमित बजाज, मोंटी रैकवार और संदीप शर्मा के खिलाफ सरकारी अधिकारी को कार्य करने से रोकने और अपमानित करने के इरादे से मारपीट करने का मामला दर्ज किया गया है। डीईओ पर स्याही फेंके जाने के बाद बजाज ने आरोप लगाया कि मिश्रा ने मामले को दबाने की कोशिश की, जबकि उन्हें स्कूल में अवैध गतिविधियों की जानकारी थी।

मुझे लड़की मत कहो-मैं बेटी नहीं बेटा हूं,कॉल्विन अस्पताल में आ चुके जेंडर डिस्फोरिया के कई मामले

प्रयागराज।गांव में रहने वाली 18 वर्षीय इंटरमीडिएट की छात्रा बचपन से ही लड़कों की तरह बर्ताव करती थी। घर वालों ने उसकी इस आदत पर ध्यान नहीं दिया। कुछ समय पहले मां ने उसका मोबाइल फोन देखा तो व्हाट्स एप पर चैटिंग देखकर हैरान रह गईं। इसमें वह लड़का बनकर एक लड़की से लंबे समय से बातें किया करती थी। डरी-सहमी मां उसे कॉल्विन अस्पताल लाईं। यहां छात्रा ने बताया कि वह खुद को लड़की नहीं समझती। हर हाल में लड़का बनना चाहती है। फिलहाल उसकी काउंसिलिंग हो रही है।

अशोक नगर इलाके की रहने वाली 21 वर्षीय युवती को बचपन से ही लड़कों के साथ खेलना, रहना, बर्ताव करना और उनकी तरह ही कपड़े पहनना पसंद था। वह गूगल पर लड़की से लड़का बनने की कई साइट भी सर्च किया करती थी। इस बीच उसके भाई को उसकी इस गूगल सर्च के बारे में पता चल गया। भाई ने पूछताछ की तो उसने दो-टूक कह दिया कि वह लड़की बनकर नहीं रहना चाहती है। घबराए घर वाले उसे डॉक्टर के पास ले गए। काउंसिलिंग के बाद उसे समझ आने लगा है कि वह गलत थी। बचपन से बोलने में असमर्थ धूमनगंज क्षेत्र की एक इंटरमीडिएट की छात्रा लड़कों की तरह व्यवहार करती थी। हालांकि, बोल न पाने के कारण उसके मन में क्या चल रहा है, यह कोई समझ नहीं पाता था। हालांकि, घरवालों को उसका लड़कों की तरह व्यवहार अजीब लगता था। असल समस्या आई जब स्कूल में दाखिला हुआ। कुछ समय बाद उसने स्कर्ट-टॉप पहनना छोड़कर पैंट शर्ट पहनने लगी। इंटरमीडिएट तक कोई सुधार नहीं होने पर घर वाले उसे कॉल्विन अस्पताल लाए। फिलहाल उसका इलाज चल रहा है। मोती लाल नेहरू मंडलीय चिकित्सालय (कॉल्विन) में ऐसे 10 से अधिक मामले आ चुके हैं, जिसमें लड़कियां खुद को बेटी नहीं, बल्कि बेटा कहलाना चाहती हैं। बेटे जैसा बनकर रहना चाहती हैं। उनकी इस आदत से घर वाले बेहद परेशान हैं। इलाज करा रहे हैं। मनोचिकित्सकों के मुताबिक यह मानसिक रोग जेंडर डिस्फोरिया है। ऐसे मरीजों की काउंसलिंग की जाती है। तनाव न घटे तो एंटी डिप्रेशन दवाएं भी दी जाती हैं। ऐसी लड़कियां जेंडर परिवर्तन कराकर लड़का बनने की जिद भी करती हैं। उन्हें लड़कियों से दोस्ती करना या उनके साथ रहना भी नहीं सुहाता। इससे घर का माहौल खराब होता है। डॉक्टरों के मुताबिक यह एक मनोरोग है, इसलिए उनकी जिद तात्कालिक ही होती है। कुछ माह की काउंसिलिंग करके इस मनोवृत्ति को बदला जा सकता है। दरअसल, जेंडर चेंज आसान नहीं है। इस प्रक्रिया में तकरीबन डेढ़ साल का समय लगता है। इसके लिए न्यूरोलॉजिस्ट, मनोचिकित्सक, प्लास्टिक सर्जन और स्त्री रोग विशेषज्ञ का पैनल मरीज की काउंसिलिंग करता है। काउंसिलिंग के आठ से दस सेशन होते हैं। मनोकित्सक की मुहर के बाद ही जेंडर चेंज की प्रक्रिया शुरू होती है। करीब छह माह तक हार्मोंस बदलने की प्रक्रिया चलती है। फिर, सर्जरी की जाती है, जिसकी प्रक्रिया बेहद जटिल है। प्रयागराज में अभी तक सिर्फ एक ही जेंडर चेंज हुआ है। पिछले साल मैंने सर्जरी करके एक लड़की को लड़का बनाया था। यह काम कठिन है और प्रक्रिया बेहद जटिल। सर्जरी के पहले मरीज की लंबी काउंसिलिंग की जाती है। - डॉ. मोहित जैन, विभागाध्यक्ष, प्लास्टिक सर्जरी विभाग। हमारे मन कक्ष में साल भर में 10 से अधिक मामले आ चुके हैं। लड़की जिद पकड़े होती है कि उसे तो बस लड़का ही बनना है। असल में यह मनोरोग है, जिसका इलाज संभव है।

वाहन से कुचलकर 10 साल के बच्चे की मौत, गाड़ी में फंसकर 20 मीटर तक घिसटता रहा बच्चा

प्रतापगढ़। पृथ्वीगंज थाना क्षेत्र के दिलीपपुर बाजार के पास तेज रफ्तार वाहन की टक्कर से एक 10 वर्षीय बालक की मौत हो गई। हादसा इतना भयावह था कि बालक वाहन में फंस गया और गरीब 20 मीटर तक घिसटता रहा।

दिलापपुर बाजार के पास बाबा आधार सिंह मोड़ के पास शुक्रवार को दोपहर में पुरवा दिलीपपुर निवासी मुन्ना पठान का बेटा मुहम्मद हुसैन (10) सड़क पार कर रहा था। इसी दौरान प्रतापगढ़ की ओर से आ रही डाला ने उसको कुचल दिया। इससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद बालक वाहन में ही फंस गया और करीब 20 मीटर तक घिसटता रहा। घटना के बाद चालक वाहन लेकर फरार हो गया। घटना के बाद बड़ी संख्या में लोगों की भीड़ जमा हो गई। सूचना पाकर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल का जायजा लिया। पुलिस वाहन और उसके चालक की खोजबीन में लगी है।

तेज गर्मी और हीट वेव से जल्द मिल सकती है राहत, एक दो दिन में हो सकती है बारिश

प्रयागराज।चिलचिलाती धूप, तेज गर्मी और हीट वेव से जल्द राहत मिल सकती है। शुक्रवार को दिन का तापमान 45 डिग्री सेल्सियस तक रिकॉर्ड किया गया। गर्मी और धूप से लोग परेशान दिखे। सड़कों पर भी सन्नाटा रहा। आने वाले एक दो दिनों में तेज गर्मी से राहत मिलने की संभावना जताई जा रही है। मौसम विभाग के पूर्वानुमान पर नजर डालें तो एक दो दिन में बारिश के आसार लग रहे हैं। शनिवार और रविवार को आंशिक रूप से बादल छाए रहने के साथ बारिश या गरज के साथ बारिश या धूल भरी आंधी चलने की संभावना जताई गई है।

बृहस्पतिवार को भी सूरज ने तेवर दिखाया और तापमान 44 डिग्री के ऊपर चला गया था। छाता, गमछा से मुंह ढककर लोग तीखी धूप एवं गर्म हवाओं से बचने की कोशिश करते रहे लेकिन राहत नहीं मिली। लोग पेड़ की छांव भी तलाशते रहे लेकिन यह भी नसीब नहीं हुआ।

शुक्रवार को भी सुबह से ही लोग गर्मी की वजह से बेचैन रहे। सूरज के साथ पारा भी चढ़ता गया तथा अधिकतम तापमान 45 डिग्री तक पहुंच गया। लोगों को हीट वेव का भी सामना करना पड़ा। तेज लू के थपेड़ों से लोग बेहाल दिखे। आजाद पार्क, मिंटो पार्क, पीडी टंडन पार्क और हाथी पार्क में काफी भीड़ देखी गई। लोग गर्मी से बचने के लिए शिकंजी, गन्ने का जूस, बर्फ के गोले का सेवन करते देखे गए।

मौसम विभाग के अनुसार शनिवार और रविवार को बादल छाए रहने एवं बूंदाबांदी के आसार हैं, लेकिन दिन में तापमान 45 डिग्री के करीब ही बना रहेगा। हालांकि, सोमवार से तापमान में मामूली कमी की उम्मीद है।

मेला डिवीजन के एक्सईएन को हटाने की सिफारिश, माघमेला और महाकुंभ के लिए बताया अयोग्य

प्रयागराज। महाकुंभ-2025 की 500 करोड़ रुपये से अधिक की परियोजनाओं के टेंडर से पहले ही मेला डिवीजन के अधिशासी अभियंता (एक्सईएन) आशुतोष कुमार सिंह को हटाने की सिफारिश की गई है। मुख्य अभियंता केके पाहूजा ने उन्हें अयोग्य बताते हुए शासन को पत्र लिखा है। पाहूजा ने प्रमुख अभियंता (विकास) को पांच जून को भेजे पत्र में एक्सईएन की कई खामियों का उल्लेख किया है। कहा है कि बस्ती के निर्माण खंड-एक से हटाकर आशुतोष को कुंभमेला डिवीजन का एक्सईएन बनाया गया है। स्थानांतरण के बाद ही वह बीमारी का बहाना बनाकर चले गए और कार्यभार ग्रहण नहीं किया। इस दशा में केके ओझा अधिशासी अभियंता प्रांतीय खंड को अतिरिक्त प्रभार देकर बीते वित्तीय वर्ष का काम कराया गया।

केन्द्रीय उपभोक्ता सहकारी भण्डार लि

आधुनिक समाचार सेवा

प्रयागराज/कौशाम्बी संचालक मण्डल की प्रथम बैठक नव निर्वाचित अध्यक्ष विमलेश पटेल जी की अध्यक्षता में अंदावा में सम्पन्न हुई। जिसमे अध्यक्ष व सम्मानित सदस्यों द्वारा सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि भंडार एवं जनहित में भंडार के पदभार के कार्यों का निष्पादन कुशल एवं सुचारू रूप से किया जायेगा । उपस्थित- लाल चन्द्र पटेल जी ,संगीता पटेल जी, संगीता सिंह जी, राजा मौर्य जी,कौशिकी सिंह जी,सुरेश द्विवेदी जी,जितेंद्र यादव जी आदि।

गहरे पानी के संकेतक न कहीं निगरानी, माह भर में संगम में 28 लोगों की डूबने से मौत

प्रयागराज।संगम समेत गंगा यमुना के घाटों पर डुबकी लगाने के लिए देश-दुनिया के कोने-कोने से आने वाले श्रद्धालुओं की सुरक्षा से मेला प्रशासन बेपरवाह है। घाटों पर जहां हजारों श्रद्धालुओं का रोज रेला उमड़ता है, वहां गहरे पानी वाले डेंजर जोन को न चिह्नित किया गया है और न वहां संकेतक ही लगाए गए हैं। नतीजतन महीने भर के भीतर संगम और आसपास के घाटों पर 28 जिंदगियां काल के गाल में समा चुकी हैं।

संगम पर गहरे पानी में डूबने से मौतों का सिलसिला जारी है। एक माह के दौरान डूबने के कारण कई लोगों की जान चली गई हैं। बावजूद इसके मेला प्रशासन के अधिकारी लगातार इस मामले को लेकर गंभीर नहीं नजर आ रहे हैं।

हालात इतने खराब हैं कि कई लोगों की जान जाने के बावजूद प्रशासन की ओर से तिलक घाट से लेकर दारागंज घाट तक किसी भी घाट पर गहरे पानी वाले तटों को चिह्नित कर निर्देशिका तक नहीं लगाई गई है। ना ही किसी घाट पर जल पुलिस या एनडीआरएफ की तैनाती ही की गई, ताकि दूर-दराज से आने वाले श्रद्धालुओं को गहरे पानी में जाने से रोका जा सके। खानापूर्ति के लिए संगम मुख्य स्नान घाट, किला घाट, रामघाट, कालीघाट, दारागंज घाटों पर डीप वॉटर बैरिकेडिंग लगाकर कर्तव्यों की इतिश्री कर ली गई है।

रामघाट के तीर्थपुरोहित राम लखन कहते हैं कि शासन की ओर से इस और जब तक कड़ाई से ध्यान नहीं दिया जाएगा, तब तक डूबने की घटनाओं पर काबू नहीं पाया जा सकता। संगम घाट पर चंदन टीका लगाने वाले पं. रामनरेश त्रिपाठी बताते हैं कि भक्त स्नान के दौरान पानी कम होने के कारण डीप वॉटर बैरिकेडिंग को क्रॉस करके आगे चले जाते हैं। इस दौरान जल की धारा में फंसने से डूबने से उनकी की मौत हो जाती है।

समय एक बजे दोपहर के समय संगम मुख्य स्नान घाट में मध्य प्रदेश के रीवा से आए बच्चू लाल परिवार संग नहा रहे थे। इस दौरान पानी कम होने के कारण बच्चू लाल डीप वॉटर बैरिकेडिंग को क्रॉस करके स्नान करने आगे चले गए। तभी वहां पर मौजूद लोगों ने उनको ऐसा करने से रोका। वापस आने पर उनसे ऐसा करने की वजह पूछी गई तो उन्होंने बताया कि गहरे पानी का कोई भी साइन बोर्ड नहीं दिखाई पड़ा, इस कारण वह स्नान करने आगे चले गए थें। रामघाट पर छत्तीसगढ़ से स्नान करने परिवार संग पहुंचे शेषमणि पत्नी और बच्चों संग स्नान करते-करते गहरे पानी की तरफ चले गए इस दौरान पर लड़खड़ाया तो पत्नी आरती में शोर मचाया। आसपास आसपास मौजूद लोगों ने उनको बाहर निकाला। शेषमणि ने बताया कि नहाते समय गहरे पानी का अंदाजा ही नहीं हुआ। कब उनका पैर फिसलने लगा समझ में ही नहीं आया। यह घटनाएं तो बस एक बानगी भर हैं। अगर शासन के स्तर से किला घाट, संगम मुख्य स्नान घाट, वीआईपी घाट, रामघाट ,कालीघाट , दारागंज घाट आदि घाटों पर गहरे पानी का साइन बोर्ड लगा दिया जाए और जल पुलिस की तैनाती कर दी जाए तभी घटनाओं को रोका जा सकता है।

स्टेशन पर चलती ट्रेन से उतरते समय फिसला महिला का पैर, सिपाही ने बचाई जान

प्रयागराज छिवकी जंक्शन पर बृहस्पतिवार रात ट्रेन से उतरते समय एक महिला का पैर फिसल गया। मौके पर तैनात आरपीएफ के सिपाही ने तत्परता दिखाते हुए महिला को किसी तरह से बाहर निकाला। इस दौरान महिला के कमर में चोटे आई हैं। दरोगा की बहादुरी और तत्परता की काफी तारीफ हो रही है।

शहर की रहने वाली अल्का पांडेय (42) पत्नी मंगलेश्वर पांडेय बृहस्पतिवार की रात को अपनी बहन कोमल दुबे को ट्रेन में बैठाने आई थीं। ट्रेन चलने पर वह बोगी से उतरने लगीं इसी दौरान उनका पैर फिसल गया। प्लेटफार्म नंबर तीन पर रात पौने आठ बजे के करीब हुए हादसे के वक्त उप निरीक्षक अशरफ अली खान मौके पर मौजूद थे। महिला के ट्रेन से फिसलते ही मौके पर मौजूद कांस्टेबल शशिकांत कुमार ने अपनी जान की परवाह न करते हुए महिला को हाथ पकड़कर बाहर निकाला लिया।

निकलने के पश्चात् देखा कि महिला को कमर में चोट लगी है रेल प्रशासन द्वारा तुरंत महिला को प्राइवेट साधन से हेड कांस्टेबल सतीश कुमार मिश्रा के साथ अक्षय वट हॉस्पिटल एडीए नैनी उपचार हेतु भेजा गया । जहां पर डॉक्टरों द्वारा उनका उपचार किया जा रहा है। अभी स्थिति सामान्य है मौके पर उनके पति श्री मंगलेश्वर नाथ पांडे आये जिनके द्वारा अपनी पत्नी की जान बचाने के लिए रेलवे सुरक्षा बल की और रेल प्रशासन की भूरी भूरी प्रशंसा की।

सीधे प्रवेश
नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केन्द्र
15% Fee Concession
(भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त)
पहले आओ पहले पाओ
15% Fee Concession

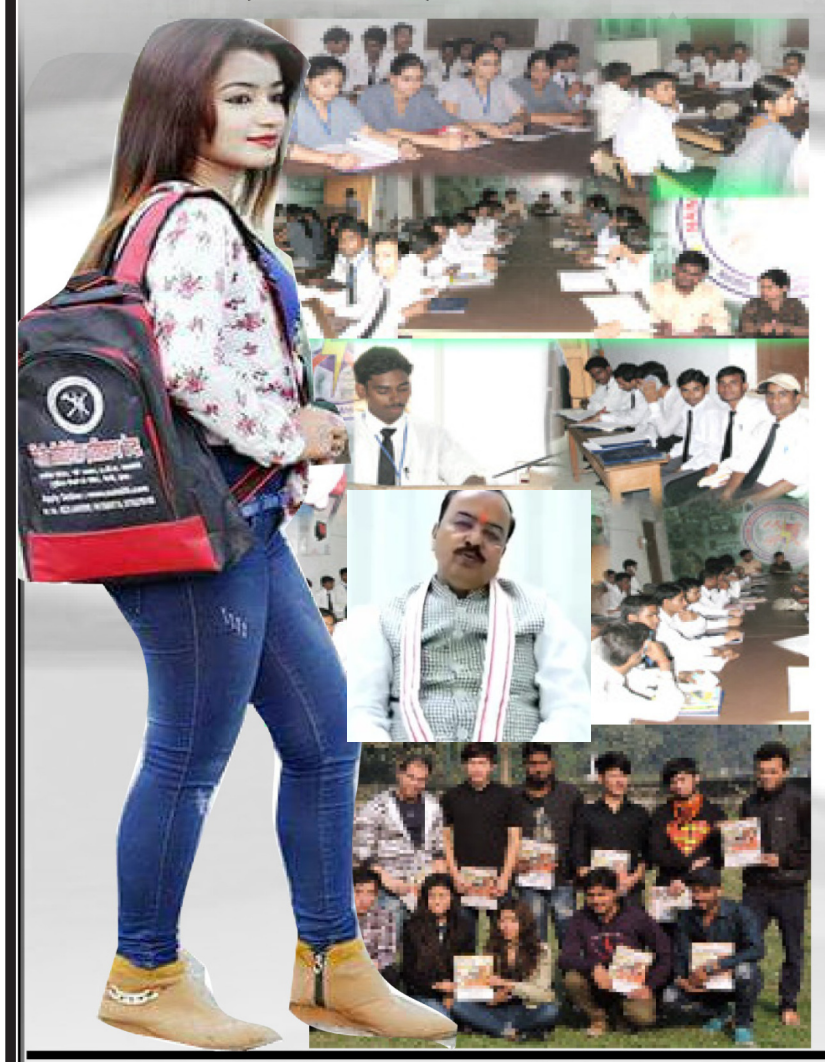

- कम्प्यूटर हार्डवेयर
- डाटा इंट्री ऑपरेटर
- फायर सेफ्टी
- कम्प्यूटर ऑपरेटर (कोपा)
- कम्प्यूटर टीचर ट्रेनिंग
- इलेक्ट्रीशिन
- सीएनसी प्रोग्रामिंग
- इलेक्ट्रिक मैकेनिक
- बेसिक कम्प्यूटिंग
- सीसीए
- वेल्डर
- फिटर
- रेफ्रीजरेटर एवं ए.सी.
- सिक्योरिटी सर्विस

Apply Online: www.nainiiti.com
प्रवेश हेल्पलाइन नं.:
8081180306,9415608710,8103021873
एमटेक कैम्पस, 'बी' ब्लाक, ए.डी.ए. कालोनी (पुलिस चौकी के पीछे), नैनी, प्रयागराज।
C-41 औद्योगिक थाने के पीछे औद्योगिक क्षेत्र UPSIDC नैनी, प्रयागराज।

इंडियन व्हीलचेयर क्रिकेट प्रीमीयर लीग में जनपद के 3 खिलाड़ी करेंगे प्रदर्शन

दिव्यांग खिलाड़ियों को संघर्ष सेवा समिति उपलब्ध करायेगी व्हीलचेयर,किसी भी अभाव में खेल प्रतिभा का नहीं होने दिया जाएगा दमन- डॉ0 संदीप सरावगी

आधुनिक समाचार सेवा

झाँसी। कभी किसी पर बनता मैं बोझ नहीं, हूँ तन से दिव्यांग पर मन से नहीं। पद्मा साहू द्वारा रचित कविता की इन्हीं पंक्तियों को चरितार्थ करते हुये जनपद के 3 दिव्यांग व्हीलचेयर क्रिकेट में राष्ट्रीय स्तर पर लगातार उपलब्धियां हासिल करते हुए झाँसी का नाम राष्ट्रीय पटल पर सुशोभित कर रहे हैं। लेकिन क्रिकेट के अन्य मैचों की तरह व्हीलचेयर क्रिकेट की देश में इतनी लोकप्रियता नहीं है जिसके चलते इनके हुनर को दरकिनार कर दिया जाता है सादा जीवन जीते हुए यह दिव्यांगजन कई समस्याओं से जूझ रहे हैं जिनके पास खुद के खेल उपकरण और व्हीलचेयर तक उपलब्ध नहीं है। कई जनप्रतिनिधियों और समाजसेवियों के दरवाजे खटखटाने के बाद व्हीलचेयर क्रिकेट टीम के मैनेजर अरविंद जोशी, ईश्वरी प्रसाद और रामविशाल बड़ी उम्मीदों के साथ संघर्ष सेवा समिति कार्यालय पहुंचे जहाँ उन्होंने समाजसेवी डॉ0 संदीप के समक्ष अपनी व्यथा रखी। टीम मैनेजर अरविंद की पत्नी भी दिव्यांग

हैं और प्रादेशिक स्तर की बैडमिंटन खिलाड़ी है जोशी दंपत्ति की एक बिटिया है जिसका विद्यालय में प्रवेश कराना था लेकिन बिटिया की शिक्षा के लिए धन अभाव आड़े आ रहा था डॉ0 संदीप द्वारा सहायता कर इस समस्या का तत्काल निस्तारण कराया गया साथ ही आगामी क्रिकेट लीग के लिए आवागमन और जलपान की व्यवस्था भी की गयी। अरविंद जोशी ने बताया 10 जून से दिल्ली के सेक्टर 12 में 10 दिवसीय इंडियन व्हीलचेयर क्रिकेट प्रीमियर लीग का आयोजन किया जा रहा है इस प्रतियोगिता में देश भर की 8 टीमें सम्मिलित होंगी। झाँसी के ये खिलाड़ी प्रतियोगिता में एम0पी0 अवेंजर्स के लिए अपने खेल का प्रदर्शन करेंगे। तीनों खिलाड़ियों का संघर्ष सेवा समिति कार्यालय में माल्यार्पण कर सम्मान किया गया जिसके पश्चात भावुक होकर टीम मैनेजर अरविंद जोशी ने कहा कि हमने देश विदेश कई जगह क्रिकेट टूर्नामेंट खेले हैं जिसमें कई बार सम्मानित भी किया गया है लेकिन आज संघर्ष सेवा समिति में जो सम्मान मिला वह सम्मान हमें पूर्व में कभी प्राप्त नहीं हुआ हम डॉ0 संदीप सरावगी और संघर्ष सेवा समिति के सभी सदस्यों का हृदय से आभार व्यक्त करते हैं। वहीं डॉ0 संदीप सरावगी ने कहा कोई भी व्यक्ति तन से तो दिव्यांग हो सकता है पर मन से वह अंग की तरह सशक्त होता है। यदि हम अपनी काबिलियत का सही प्रदर्शन करते हैं तो हम किसी भी क्षेत्र में अपना वर्चस्व स्थापित कर सकते हैं। एक आम आदमी शरीर से सशक्त होने के पश्चात भी वह नहीं कर पाता जो आज हमारे दिव्यांग भाईयों ने करके दिखाया है इन्होंने पूरे देश भर में झाँसी जनपद का नाम रौशन कर एक मिसाल कायम की है। आगामी समय में हम दिव्यांग टीम के इन खिलाड़ियों के लिए व्हीलचेयर भी उपलब्ध कराएंगे इसके अतिरिक्त इनके खेल प्रदर्शन में जो भी समस्या आड़े आएगी उसके समाधान के लिए मैं और पूरी संघर्ष सेवा समिति सदैव तत्पर रहेगी। मैं ईश्वर से प्रार्थना करूंगा एक बार फिर यह टीम विजयी होकर वापस आए और पूरे देश में झाँसी का परचम लहराये। इस अवसर पर संघर्ष सेवा समिति से जिलाध्यक्ष अजय राय, सुशांत गेड़ा, बसंत गुप्ता, राजू सेन, युवा महानगर अध्यक्ष उ.प्र उद्योग व्यापार मंडल मनोज रेजा, संदीप नामदेव, चो. करन सिंह, भागचंद्र वर्मा(मोनू), शैलेंद्र राय, उत्तम सिंह(सरपंच), जसरथ, अमित साहू, विकास रावत, सुशांत शर्मा, सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

वृहद गौ संरक्षण केन्द्र, जंगलमोहाल में एक सप्ताह के अन्दर करे दे विद्युत कनेक्शन -जिलाधिकारी

आधुनिक समाचार सेवा

मीरजापुर 08 जून 2023- जिलाधिकारी दिव्या मित्तल की अध्यक्षता में आज कलेक्ट्रेट सभागार में निराश्रित गोवंश आश्रय स्थलों की स्थापना एवं संचालन हेतु जिला स्तरीय अनुश्रवण एवं मूल्यांकन समिति की बैठक आहूत की गयी। बैठक में मुख्य विकास अ धिकारी श्रीलक्ष्मी वीएस, परियोजना निदेशक डी0आर0डी0ए0 अनय मिश्रा, उप जिलाधिकारी सदर चन्द्रभानु सिंह, मड़िहान अश्वनी कुमार सिंह, लालगंज भरत लाल सरोज, जिला पंचायत राज अधिकारी अरविन्द कुमार, अपर मुख्य अधिकारी जिला पंचायत नीतू सिंह सिसौदिया, सभी उप मुख्य पशु चिकित्साधिकारी, खण्ड विकास अधिकारी एवं अधिशासी अधिकारी नगर पालिका उपस्थित रहें। निराश्रित गोवशं संरक्षण की समीक्षा के दौरान जिलाधिकारी द्वारा वृहद गौ संरक्षण केन्द्र, जंगलमोहाल का विद्युत कनेक्शन एक सप्ताह के अन्दर करने हेतु अधिशासी अभियन्ता विद्युत को निर्देशित किया गया तथा गौ आश्रय स्थल को ग्राम पंचायत द्वारा संचालित कराया जाय। इसी प्रकार वृहद गो संरक्षण केन्द्र भिस्कुरी का निर्माण कार्य तत्काल प्रारम्भ कराने का निर्देश देते हुये सभी निर्माणाधीन गौ आश्रय स्थलों का अतिशीघ्र निर्माण कार्य पूर्ण कराते हुये संचालित किया जाय। गोवंश आश्रय स्थलो पर संरक्षित पशुओ गर्मी तथा लू के दृष्टिगत बचाव हेतु व्यापक प्रबन्ध किये जाने तथा पीने के लिये स्वच्छ पानी व भूषा चारा आदि की समुचित व्यवस्था भी सुनिश्चित करते रहने का निर्देश दिया गया। उन्होने कहा कि प्रत्येक विकास खण्ड में कम से कम एक-एक अस्थायी निराश्रित गोवंश आश्रय स्थल खोलने का प्रस्ताव पारित कर भूमि का चयन करते हुये निर्माण कराया जाय।

मुख्य विकास अधिकारी श्रीलक्ष्मी वीएस ने कहा कि निराश्रित गोवंश सहभागिता योजनान्तर्गत पशु पालको को सुपर्दगी में दिये गये गोवंश के भरण पोषण हेतु मांग ससमय मुख्य पशु चिकित्सधिकारी को प्रेषित करे ताकि समय से धनराशि भेजा जा सकें। उन्होने कहा कि दान तथा क्रय से भूषा संरक्षण की प्रगति बढ़ाये जाने हेतु क्षेत्र के गणमान्य लोगो से भूषा दान हेतु अपील किया जाय। एस0एफ0सी0 पुलिंग प्रत्येक आश्रय स्थल हेतु अधिक से अधिक की जाय हरे चारे हेतु चारागाह का चिन्हाकन करके गौ आश्रय स्थलो से लिंककर हरा चारा बोया जाय। उन्होने जिला पंचायत द्वारा क्रय किये गये कैटल कैचर को खण्ड विकास अधिकारी हलिया को हस्तगत कराने का निर्देश दिया गया। जिसका संचालन खण्ड विकास अधिकारी द्वारा एस0ओ0पी0 बनाकर किया जायेगा। अपर मुख्य अधिकारी जिला पंचायत को निर्देशित किया गया कि जो गौ आश्रय स्थल हथेड़ा में रास्ता बनवाकर विद्युत कनेक्शन कराने के पश्चात ग्राम पंचायत सुपुर्द करने हेतु प्रस्ताव प्रेषित करें। इस अवसर पर मुख्य पशु चिकित्साधिकारी के अलावा सभी सम्बन्धित अधिकारी उपस्थित रहें।

पुश्तैनी मकान के विवाद में एक पक्ष के युवक को पुलिस ने थाने में बैठाया

आधुनिक समाचार सेवा

प्रतापगढ़।लीलापुर थाना क्षेत्र के डांडी ग्राम पंचायत के धौराहरा गाँव के युवक को पुलिस ने थाने में बैठाया जिससे परिजनों ने एक पक्षीय कार्यवाही का आरोप लगाया है। इस गाँव की संगीता देवी पत्नी घनश्याम रजक एवं कमला देवी पत्नी राम समुझ रजक के बीच पुश्तैनी मकान के एक कमरे को लेकर सिविल जज जूनियर डिवीजन लालगंज में वाद संख्या 475 /2016 के तहत मुकदमा चल रहा था जिसमें 27 मार्च 2022 को न्यायालय ने वादिनी संगीता देवी के उपस्थित न होने पर कमला देवी के पक्ष में निर्णय सुनाते हुए मुकदमे को खारिज कर दिया।इससे जिस मकान के कमरे को लेकर विवाद था उस पर कमला देवी का पक्ष मजबूत रहा।इसके बावजूद आए दिन दोनों पक्षों के बीच कहा सुनी होने पर लीलापुर पुलिस दोनों पक्षों से शांति न भंग करने की अपील करती रही।

वरिष्ठ पत्रकार पवन राज सिंह को अंतरराष्ट्रीय चैंबर आफ मीडिया एवं इंटरटेनमेंट इंडस्ट्री ने अपनी प्रिंट मीडिया कमेटी का सदस्य किया मनोनीत

आधुनिक समाचार सेवा

नोएडा गौतमबुद्धगर के वरिष्ठ पत्रकारों में अपनी निर्भीकता, सादगी और मृदुभाषिता के अलग पहचान रखने वाले पवन राज सिंह को एक बार फिर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित किया गया है. वरिष्ठ पत्रकार पवन राज सिंह को इस बार अंतरराष्ट्रीय चैंबर आफ मीडिया एवं इंटरटेनमेंट इंडस्ट्री द्वारा अपनी प्रिंट मीडिया कमेटी का सदस्य मनोनीत किया गया है. इस संदर्भ में नोएडा फिल्म सिटी स्थित मारवाह स्टूडियो में अंतरराष्ट्रीय चैंबर आफ मीडिया एवं इंटरटेनमेंट इंडस्ट्री के चेयरमैन डॉ संदीप मारवाह द्वारा मनोनयन पत्र प्रदान किया गया।

इस अवसर पर डॉ संदीप मारवाह ने कहा कि वरिष्ठ पत्रकार पवन राज सिंह विगत 16 वर्षों से भी अधिक समय से पत्रकारिता जगत में सक्रिय हैं, जिनके द्वारा कई समाचार पत्र एवं पत्रिकाओं का सफल संपादन एवं संचालन किया है, इनकी पत्रकारिता से हमेशा समाज के कई तबकों को लाभ मिलता रहा है. साथ ही पवन राज सिंह सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त पत्रकार भी हैं ऐसे में उन्हें अपनी टीम में शामिल कर प्रसन्नता का अनुभव कर रहे हैं।

वही इस अवसर पर वरिष्ठ पत्रकार पवन राज सिंह ने कहा कि यह दायित्व मेरे लिए सौभाग्य की बात है, मैं आगे भी इसी प्रकार पत्रकारिता के क्षेत्र में समाज कल्याण हेतू अपना योगदान देता रहूंगा।

शिव मंदिर पर किसानों के साथ हो रहे भेदभाव पूर्ण रवैया के विरोध में भारतीय किसान यूनियन की मांग

नोएडा। किसानों के साथ प्रारम्भ से ही नोएडा प्राधिकरण का सौतेला व्यवहार होता आया है। यह सर्वविदित है कि नोएडा का किसान यहाँ सदैव शोषित होता रहा है जिसके कारण समय-समय पर किसान आन्दोलन होते रहे हैं। लेकिन नोएडा प्राधिकरण की गलत नीतियों के कारण आज तक कोई स्थायी समाधान नहीं निकल पाया है। आज नोएडा शहर को बसे लगभग 47 वर्ष हो चुके है लेकिन किसानों की समस्याओं का किसी भी सरकार में प्राधिकरण द्वारा सुलझाने का प्रयास नहीं किया गया है। केवल हर बार किसान अपेक्षित ही रहा है। महोदय आपसे निवेदन है कि हम किसानो के मूलभूत मुद्दे हैं उन पर सहानुभूतिपूर्वक विचार कर उनका तुरन्त समाधान निकाला जाये जिससे किसानों का प्राधिकरण व सरकार के प्रति गतिरोध समाप्त हो व किसान भी अमन चैन से खुशी-खुशी रह सके।

किसानों की मांगे निम्न प्रकार हैं:-

1) नोएडा के किसानों का ग्राम आबादी का प्रकरण भी प्राधिकरण आज तक नहीं सुलझा पाया है। ज्ञात रहे कि प्राधिकरण द्वारा भूमि अधिग्रहण के समय गांव की आबादी सीमा निश्चित करने हेतु कोई लाल डोरा नहीं लगाया गया था। यह प्राधिकरण की ही चूक है कि समय से लाल डोरा निश्चित नहीं किया गया। अगर किसानों द्वारा अपनी आबादियों में निर्माण कार्य करने पर भी उसे अवैध बताया जा रहा है। जिन किसानों ने अपनी जमीन का

मुआवजा नहीं प्राप्त किया है उसको भी प्राधिकरण अपनी जमीन बताकर किसानों को धारा-10 के नोटिस जैसी प्रक्रिया अपनाई जा रही है। प्राधिकरण की स्थापना से पहले जो किसान ग्राम समाज आदि की भूमि पर आबादी बनाकर अपने परिवार के साथ पहले से ही रह रहे थे उनको भी प्राधिकरण द्वारा अवैध बताया जा रहा है। जिससे नोएडा के किसानों में रोष व्याप्त है। वर्तमान समय में जो भी किसान जहाँ भी रह रहा है उसे उसी स्थान पर नियमित किया जाना सुनिश्चित करें और किसानों की आबादी को अवैध बताकर न तोड़ा जाये।

2) वर्ष 2002 के बाद भूमि अधिग्रहण के किसानों को प्राधिकरण द्वारा 64.7ः अतिरिक्त प्रतिकर व अधिग्रहित भूमि का 10ः आवासीय भूखण्ड उन किसानों को दिया गया है जो किसान मा0 न्यायालय गए थे, मा0 न्यायालय द्वारा उनको आदेश पारित किया गया है और जो किसान मा0 न्यायालय में नहीं गए उनको 10ः आवासीय भूखण्ड नहीं दिया गया। वर्ष 2002 के बाद के भूमि अर्जन वाले किसानों को दोहरा व्यवहार न करते हुए उदारता पूर्वक समान लाभ दिया जाना सुनिश्चित करें।

3) प्राधिकरण द्वारा वर्ष 2011 में ग्रामीण कोटे की आवासीय योजना निकाली गई थी जिसमें कुछ प्लाटों का आवंटन प्राधिकरण द्वारा कर दिया गया है। कुछ का रोक लिया गया है। रोके हुए प्लाटों का आवंटन किया जाना सुनिश्चित करें व बचे हुए पात्र किसानों को लाभ देने के लिए पुनः योजना निकाली जाये।

4) वर्ष 1976 से प्राधिकरण द्वारा भूमि अधिग्रहण आरम्भ किया गया था जिसमें उन किसानों को आज तक प्राधिकरण द्वारा उचित मुआवजा राशि दी गई है और न ही 10ः आवासीय भूखण्ड दिए गए हैं। प्राधिकरण द्वारा वर्ष 2002 के बाद यह योजना प्रारम्भ की गई, किन्तु पूर्व में हुए अर्जन पर कोई सहानुभूतिपूर्वक विचार कर ऐसा कोई लाभ नहीं दिया गया। अतः पूर्व के किसानों को भी समानता का अधिकार देते हुए भूमि अधिग्रहण का 10ः आवासीय भूखण्ड न्यायहित में दिया जाना सुनिश्चित करें।

5) प्राधिकरण द्वारा वर्ष 30 अप्रैल 1976 से अधिग्रहण शुरू किया गया था। निराशजनक तथ्य यह है कि आज 46 वर्ष के बाद भी अपना उचित मुआवजा पाने के लिए किसान मा0 न्यायालय में संघर्षरत है। महोदयाजी इस बिन्दु पर विशेषतः यह कहना है कि प्राधिकरण प्रतिकर मुगतान के मामलों में भी किसानों से सौतेला व्यवहार कर रहा है। महोदया जी नोएडा के ही एक गांव ककराला का अधिग्रहण दिनांक 11-01-1977 को धारा-6 के अंतर्गत किया गया था। जिसमें मा0 उच्च न्यायालय इलाहाबाद द्वारा प्रतिकर की राशि को रू0 3.97 प्रति वर्गमीटर बढ़ाकर रू. 297.00 प्रति वर्गमीटर कर दिया गया था जिसमें प्राधिकरण द्वारा कोई रिव्यू पीटिशन मा0 उच्च न्यायालय में दाखिल नहीं की गई अथवा मा0 उच्चतम् न्यायालय में भी कोई एसएलपी दायर नहीं की गई। बल्कि उस गांव का समस्त भुगतान कर दिया गया।

यहाँ यह कहना है कि जब प्राधिकरण को यह प्रतिकर की दर स्वीकार्य थी और भुगतान किया गया तो वह अन्य किसानों को मा0 न्यायालय में इसलिए प्रताडित कर रहा है। यह सौतेला व्यवहार किसानों के साथ अमानवीय व अनैतिक है। अतः बचे हुए किसानों को समानता देते हुए भूमि अधिग्रहण में प्रतिकर रू0 297.00 प्रति वर्गमीटर की दर से किया जाये। तथा मा0 न्यायालय से भूमि अधिग्रहण के सभी मामले वापिस लिए जाये।

6) नोएडा स्थित सभी ग्रामों की स्थिति आज मलीन बस्ती जैसी हो गयी है। प्राधिकरण की अपेक्षा के कारण ग्रामों में विकास कार्य दिखावा मात्र ही किया गया है। अतः आपसे निवेदन है कि सभी ग्रामों का विकास भी नोएडा शहर की तर्ज पर किया जाये।

बलिया की जननायक चंद्रशेखर हास्पिटल चिकित्सा शिविर मे पीजीआई टीम ने 32 कैंसर रोगियों का किया उपचार

आधुनिक समाचार सेवा

बलिया।देश के लोकप्रिय रहे भूतपूर्व प्रधानमंत्री स्व0चन्द्रशेखर के पैतृक गांव उत्तर-प्रदेश के बलिया जिले मे जननायक चंद्रशेखर हास्पिटल एंड कैंसर इंस्टीट्यूट इब्राहिमपट्टी में आज गुरुवार को कैंसर रोग से पीड़ित 32 मरीजों की जांज कर उपचार किया गया। एसजीपीजीआई व कल्याण सिंह सुपर स्पेशिएलिटी कैंसर हास्पिटल के डा शरद सिंह व डा गौरव सिंह ने बिहार, बलिया व उप्र से आये सभी प्रकार के 32 कैंसर रोगियों को देखा। इस दौरान संस्थान निदेशक डा0 संजय सिंह ने बताया कि कैंसर रोग चिकित्सा के लिए जननायक हास्पिटल का प्रदेश के दो बड़े संस्थानों के साथ अनुबंध होने का लाभ ग्रामीण गरीबों को प्राप्त होगा। असाध्य और महंगा समझे जाने वाले कैंसर रोग का आयुष्मान कार्डधारक के लिए निःशुल्क व आमजन के लिए बहुत कम खर्च पर जननायक में उपचार संभव है। इसके साथ ही सभी प्रकार रोगों का उपचार विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा किया जा रहा है। मेडिकल डायरेक्टर डा सुजीत सिंह ने कहा कि प्रतिमाह लखनऊ टीम द्वारा कैंसर रोग की जांच व उपचार किया जाएगा। जननायक हास्पिटल के माध्यम से सर्वोत्तम चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराया जा रहा है। शिविर में डा0 शांतनु मल्ल विसेन, प्रशासक पुरुषार्थ सिंह, डा0 आनंद मोहन सिंह, डा0 प्रियेश गुप्ता, रिंकू यादव, विवेक सिंह, आशुतोष सिंह, नेहा, चंदा भारती आदि तत्परता से लगे रहे।

नगर पंचायत डाला बाजार की प्रथम बोर्ड की बैठक हुई संपन्न

आधुनिक समाचार सेवा

डाला सोनभद्र- नगर पंचायत डाला बाजार के कार्यालय पर अध्यक्षा की विभिन्न समस्याओं के निदान को लेकर नगर बोर्ड की प्रथम बैठक हूई संपन्न आज शुक्रवार को नवनिर्वाचित अध्यक्षा फुलवंती कुमारी ने नगर के विभिन्न समस्याओं को लेकर नगर बोर्ड की प्रथम बैठक नगर पंचायत कार्यालय में आयोजित की गई , जिसमें नगर में नाली की साफ-सफाई के साथ ग्रीष्म ऋतु को देखते हुये नगर मे पेयजल एवं सड़क जैसी

समस्याओं को देखते हुऐ प्रथम बोर्ड बैठक में तत्काल कार्य लिए निर्णय लिया गया जिस दौरान 4 टैंकर में 2 प्राइवेट टैक्टर की व्यवस्था करवाई गई है इस दौरान नगर बोर्ड की प्रथम बैठक में अधिशासी अधिकारी देवहुती पांडे , नपं कार्यालय लिपिक ऋषि कुमार, कंप्यूटर ऑपरेटर संजय कुमार सिंह व नवनिर्वाचित सभासदगण इत्यादि लोग मौजूद रहे ।

वो गलतियां जो आपको मोटा दिखाती हैं

अगर अपनी सबसे खूबसूरत ड्रैस पहनने के बावजूद खुद को आइने में देखकर आपका मूड उदास हो जाता है, तो यकीन मानिए इसकी वजह वो गलतियां हैं जो खुद को स्टाइल करते वक्त आप कर लेती हैं और जिसके कारण आप उससे कहीं अधिक बल्की या छोटी दिखाती हैं जितनी की आप हैं। आपने जो कपड़े पहन रखे हैं वो भी आपको मोटा या पतला दिखा सकते हैं। आपके कपड़े और आपका फैशन स्टेटमेंट काफी हद तक आपके इंप्रैशन को बना और बिगाड़ सकते हैं।

जिम जाकर और सही डाइट से तो आप खुद को परफैक्ट शेप दे सकती हैं लेकिन अगर आपको किसी पार्टी या फंक्शन में जाना है और आपका शेप परफैक्ट नहीं है और आप नहीं चाहती हैं कि आप मोटी दिखें तो आपको काफी सोच-विचार कर अपने कपड़ों का चयन करना चाहिए। चयन करते समय आपको हमेशा कुछ ऐसे टिप्स आजमाने चाहिए जो आपको शेप में दिखाएं। यहां कुछ ऐसे ही सुझाव दिए जा रहे हैं जिन्हें अपनाकर आप स्लम नजर आएंगी।

पतली कमर को खूबसूरती से जोड़कर देखना सामान्य बात है। स्किनी बैल्ट के इस्तेमाल से आपकी कमर पतली नजर आएगी। लेकिन अगर आपने बैल्ट को सही से नहीं पहना तो आपकी कमर मोटी दिखेगी। बैल्ट को कसकर लगाने से आपकी टमी दो भागों में बंटी नज़र आती है और आपकी कमर और हिप्स को चौड़ा दिखाएगी।

काला रंग आपको स्लिम और ग्लैमरस लुक देता है। यही कारण है कि ज्यादातर लोग पार्टियों में ब्लैक कलर की ड्रैस पहनना ही पसंद करते हैं। अगर आपको कलरफुल ड्रैस पहनने का मन कर रहा है तो कोशिश करें कि आपकी ड्रैस एक ही रंग की हो। बहुत ज्यादा कलरफुल ड्रैस में आप मोटी नजर आ सकती हैं।

लंबे टॉप्स या कुर्ते आपको हमेशा पतला ही दिखाएं ऐसा जरूरी नहीं। ध्यान रखें कि कुर्ते की लेंथ कभी भी शरीर के सबसे हैवी पार्ट पर खत्म नहीं होनी चाहिए। अगर आपका हिप पार्ट हैवी है तो ऐसे टॉप्स और कुर्ते पहनें जो या तो कमर तक लंबे हों या फिर लो वेस्ट और घुटनों के बीच। नितंब हैवी हों तो घुटनों तक लंबे कुर्ते पहनें।

ढीले कपड़े हमेशा आपके फेवर में ही नहीं जाते। ये आपके बॉडी कर्व्ज़ को ढक देते हैं और आपको अधिक मोटा दिखाते हैं। ऐसे कपड़ों को चुनें जो आपके कर्वज़ को उभारने के साथ ही हैवी पार्ट्स को कवर करें। बहुत टाइट कपड़ों के साथ ही ऐसे कपड़े भी जिनमें हेम, कमर या बांहों पर कट हों, आपको अपने वार्डरॉब से हटा देना चाहिए।

लेयर्स वाली ड्रैसिस खूबसूरत लगती हैं। लेकिन तभी जब सब कुछ बैलेंस्ड हो। एक समय में अपर और लोअर टोर्सो लेयर्ड न पहनें। अपनी बॉडी के सबसे पतले पार्ट को हाईलाइट करें। इसका सबसे सही तरीका यह है कि आपके कपड़ों का मिड पार्ट आपके इस स्लिम पार्ट पर आए। ऐसा करने से कपड़ों का फाल सही बना रहेगा।

मार्केट में अवेलेबल जींस की स्टाइलिश रेंज देखकर आपको जो अच्छा लगता है आप खरीद लाती हैं। याद रखें जींस भी आपको बल्की दिखा सकती हैं। अगर आपकी लंबाई ज्यादा नहीं है तो एंकल लैंथ की पैंटस और जींस न पहनें। ये आपके लोअर बॉडी पार्ट्स को अधिक चौड़ा दिखाती है जिससे आपकी हाईट कम लगती है। अगर आप बहुत लंबी नहीं हैं तो ज़िलियन स्ट्रैप्स शूज़ आपके लिए नहीं हैं क्योंकि ये आपकी हाइट को और कम दिखाते हैं। इसलिए सिंपल फुटवियर पहनें, जिनमें एंकल के आस-पास बहुत तामझाम न हों। इससे आपकी लुक लंबी लगती है। ध्यान रखें कुछ ड्रैसिस ऐसी होती हैं जिनके साथ हाई हील्स कैरी करना जरूरी होता है। अगर आपके बस्ट हैवी हैं तो भूलकर भी स्टेटमेंट नेकलेस न पहनें और अगर आपकी टमी हैवी है तो लॉन्ग नेकलेस न पहनें क्योंकि ये आपके उसी बॉडी पार्ट पर ध्यान आकर्षित करते हैं, जहां ये फॉल करते हैं। ऐसे में आपके वे बॉडी पाटर्स और बल्की दिखते हैं। आप अपने फेस या हेयर स्टाइल को फोकस प्वाइंट बना सकती हैं। आजकल पॉकेट वाले ड्रैसेज़ ट्रैंड में हैं। अगर आपकी भी स्टाइलिश आउटफिट में पॉकेटस हैं, तो इसका यह मतलब कतई नहीं है कि आप जो भी स्टफ अपने हैंडबैग में कैरी करती हैं उसे पकेटस में रख लें। मोबाइल फोन या लिपस्टिक जैसी छोटी चीज़ें भी पॉकेटस में कैरी न करें, इससे भी आपके हिप्स ज्यादा बल्की नज़र आते हैं। अंडरगार्मेंटर्स सही साइज के पहनें वरना ये आपकी पूरी ड्रैस का लुक बिगाड़ देंगे। अगर आपने स्मॉल या ओवर साइज इनर पहने हैं तो आपके लुक को बिगाड़ने के लिए यह एक वजह काफी है। हिप्स के ऊपर दिखती पैंटी लाइन आपकी स्कर्ट, जींस और दूसरी ड्रैसिस को उससे कहीं ज्यादा टाइट दिखाती है जितनी की वे असल में हैं।

हेयर ड्रायर करते समय करेंगे ऐसी गलतियां तो होंगे बाल खराब

गीले बालों को झट से सुखाने और बाउंसी बाल पाने के लिए अक्सर लड़कियां हेयर ड्रायर का इस्तेमाल करती हैं लेकिन हेयर ड्रायर के समय होने वाली गलतियों की वजह से आपके बाल खराब हो सकते हैं, जिससे आपके शानदार और सिल्की बाल रूखे और बेजान हो सकते हैं।यदि आप अपनी इन गलतियों के बारे में जानकारी प्राप्त

कर लें तो आपको ऐसी किसी परेशानी का सामना नहीं करना पड़ेगा। -बालों पर सीधे हीट का इस्तेमाल करने से वह खराब हो सकते हैं। विशेषज्ञ कहते हैं कि आपको बालों पर हीट प्रोटेक्शन स्प्रे का इस्तेमाल करना चाहिए। इससे आपके बाल अध?क रूखे होने से बचेंगे और आप बेहतर परिणाम हासिल कर पाएंगी। - एक साथ पूरे बालों को सुखाना एक चुनौतीपूर्ण काम है, इसलिए बालों को छोटे-छोटे हिस्सों में बांटकर ही ड्राई करें। - हेयरड्रायर के साथ कंसन्ट्रेटर जोड़ना जरूरी है। इससे हवा सीधे बालों में जाती है और वह जल्दी सुख जाएंगे। - हेयर ड्रायर को सही तरीके से पकड़े। आपको बता दें कि ड्रायर की बॉडी को कभी नहीं पकड़ना चाहिए। बालों को इस प्रकार उठाएं कि ब्रश और ड्रायर हमेशा समांतर रहें। कंसन्ट्रेटर हैण्डल की दिशा में ही होना चाहिए। इससे हवा आपके बालों पर सीधा पड़ेगी। -ड्रायर के इस्तेमाल करते समय धातु के ब्रश का इस्तेमाल नहीं करना चाहिए। इससे आपके बालों को काफी नुकसान पहुंच सकता है। आजकल हम सभी कैमिकल उत्पादों का इस्तेमाल करते हैं और कुदरती ब्रसेल वाले ब्रश ऐसे बालों के लिए बहुत अच्छे होते हैं। ये ब्रश आपके बालों पर अच्छी पकड़ बनाते हैं, और साथ ही ये ओवरहीटिंग से खराब भी नहीं होते। ये बालों के टूटने और उनके अध?क सूखने की परेशानी से भी बचाते हैं। - अगर बाल पूरी तरह से सूखे नहीं हैं तो उन पर कर्ल या आयरन का इस्तेमाल न करें। इससे बाल खराब हो सकते हैं। आप अपने ब्लोअर को कोल्ड सेटिंग पर सेट करें और फिर उससे ड्राय करें। इससे आपको पता चल जाएगा कि आपके बाल सही प्रकार से सूखे हैं या नहीं। -बालों को कड़ा होने से बचाने के लिए फिनिश?ग उत्पादों का इस्तेमाल बहुत जरूरी है। यदि आप इन उत्पादों का इस्तेमाल नहीं करेंगी, तो आपके बाल उलझे-उलझे और उड़े-उड़े से रहेंगे। इसलिए बाल ड्राय करने के बाद उन पर अच्छा सा फिनिशिंग स्प्रे करें। बहुत ज्यादा स्प्रे न करें वरना वे थोड़ी देर में ही बूरे लगने लग जाएंगे। -हेयर ड्रायर तकनीक का सबसे अच्छा तरीका यह है कि आप बहुत आराम और हल्के हाथ से ड्राय करें। सही प्रकार का ब्लो ड्रायर चुनना भी जरूरी है। आपको तापमान और हवा के दबाव को सही रखना चाहिए। ऐसा हेयर ड्रायर चुनें जिसमें 'कम तापमान' की सेटिंग्स के साथ 2 सेटिंग्स हों।

स्टाइलिश नेल आर्ट से बनाएं अपने हाथ और भी खूबसूरत

फेस्टिव सीजन में सेलिब्रेशंस के काफी अवसर होते हैं, इसलिए सजने-संवरने का कोई भी मौका शायद ही कोई महिला खोना चाहती हो। त्योहारों पर अपने लुक्स के साथ अगर आप कोई प्रयोग करना चाहती हैं तो नेल आर्ट एक बेहतरीन ऑप्शन हो सकता है...

नाखूनों को आकर्षक और स्टाइलिश लुक देने के लिए नेल पेंट अब बीते जमाने की बात है। हाथों की खूबसूरती को बढ़ाने में नेल आर्ट बैस्ट ऑप्शन है। यह एक ऐसा आर्ट है जिससे न सिर्फ हम अपने नाखूनों को ही कलर और शेप दे सकते हैं, बल्कि अपने मनचाहे डिजाइन को भी नाखूनों पर सजा सकते हैं। चाहे आप ट्रेडिशनल आउटफिट पहन रही हैं, फ्यूज़न या वेस्टर्न, नेल आर्ट डिजाइंस सबके साथ खूबसूरत लगता है।

नेल आर्ट डिजाइंस देखने में बेहद सुंदर लगते हैं लेकिन बनाना उतना ही मुश्किल लगता है, लेकिन असल में ऐसा है नहीं। हम आसानी से अपनी पसंद के नेल आर्ट डिजाइंस घर पर ही बना सकते हैं। नाखूनों को सजाने-संवारने के लिए मार्केट में कई तरह बेहतरीन विकल्प जैसे एयरब्रश नेल आर्ट, फ्री स्टाइल आर्ट, स्टैंप आर्ट, 3डी नेल आर्ट, वाटर मार्बल, स्टिकर आदि मौजूद हैं। अपनी सुविधा और पसंद से आप अपने नेल्स पर इनमें से कोई भी प्रयोग कर सकती हैं।

एयरब्रश नेल आर्ट : इसमें एयरब्रश मशीन से नाखूनों पर तरह-तरह की डिजाइन बनाई जाती है। एयरब्रश तकनीक से कई रंगों का एक साथ प्रयोग कर सकते हैं लेकिन अगर आप पहली बार एयरब्रश का इस्तेमाल अपने नाखूनों पर कर रही हैं तो दो रंगों से ज्यादा का प्रयोग न करें। यह आपके बहुत सारे कलरफुल कपड़ों से मैच करेगा। साथ ही यह आपके स्टाइल को नया लुक देगा जिससे आप रोज़ बदल भी सकती हैं।

फ्री स्टाइल नेल आर्ट : फ्री स्टाइल नेल आर्ट में आप नेल ब्रश, फैन ब्रश, शेडिंग ब्रश या ग्लिटर डस्ट ब्रश आदि की मदद से किसी भी तरह

का आर्ट बना सकती हैं। सबसे पहले नेल्स पर मनपसंद रंग की नेल पेंट का कोट लगा लें। अब अलग-अलग साइज के बारीक पेंट ब्रश अलग-अलग कलर्स के नेल पेंट में डुबोएं और नेल्स पर कोई फंकी डिज़ाइन बना लें। सूख जाने पर ट्रांसपेरेंट नेल पेंट का एक टॉप कोट लगा लें।

स्टैंप नेल आर्ट : इसमें स्टैंप से नाखूनों पर डिज़ाइन बनाया जाता है। अगर आप घर पर पहली बार नेल आर्ट ट्राई कर रही हैं तो यह सबसे आसान तरीका है। इसमें समय कम लगता है और गलतियों की गुंजाइश बहुत कम होती है। अगर आपका फटाफट कहीं जाने का प्रोग्राम बन जाता है तो स्टैंप आर्ट सबसे बेहतर विकल्प है। मनपसंद कलर का नेलपेंट लगाएं, उस पर डिज़ाइन की स्टैंप लगाएं, सूख जाने पर ट्रांस्पेरेंट नेल पेंट का एक टॉप कोट लगा लें।

3डी और वाटर मार्बल आर्ट : नेल आर्ट की यह सबसे नई तकनीक है। जैसा कि नाम से ही पता चलता है कि आपके नेल्स पर जो भी डिजाइन बना होगा, वह 3 डाइमैंशनल इफैक्ट देगा। नाखूनों पर फूल, कैरेक्टर या अक्षरों के डिजाइन काफी चलन में हैं। इस आर्ट में नाखूनों पर कई रंगों के नेल-पेंट से मार्बल इफैक्ट दिया जाता है। इसके साथ ही, क्रिस्टल का काम और 3-डी स्टीकर देकर भी नाखूनों पर इस तरह के प्रयोग किए जाते हैं।

नेल स्ट्राइप आर्ट : ये भी एक प्रकार के स्टीकर ही हैं जिन्हें नेल पॉलिश लगाने के बाद नाखूनों पर लगा सकते हैं। ये बाज़ार में हॉरीज़ेंटल, वर्टिकल, डायगनल स्ट्राइप्स इत्यादि विभिन्न पैटर्न में उपलब्ध हैं। आप अपन नाखूनों के हिसाब से मनचाहा स्टीकर नेल पॉलिश या ग्लिटर के साथ भी लगा सकती हैं। नेल स्ट्राइप आर्ट को बेहतरीन लुक देने के लिए ट्रांसपेरेंट नेल पेंट का एक टॉप कोट जरूर लगाएं। यह नेल आर्ट आपके हाथों पर क्लासिक लुक देगा। इन्हें आप ऑफिस भी लगा के जा सकती हैं।

चेहरे पर पड़े भद्दे और जिद्दी दागों को इस तरह से हटाएं

चेहरे पर कील-मुंहासे और उनके भद्दे दाग होने से चेहरे की सारी सुंदरता को बिगाड़ देते है। मुंहासों का इलाज नियमित दवा और पूर्ण स्किन केयर से संभव है। मुंहासे ठीक होने के बाद चेहरे पर जिद्दी दाग छोड़ देते हैं। वैसे तो कुछ लोग इन दागो को हटाने के लिए लेजर तकनीक का इस्तेमाल करते हैं लेकिन इन दागों को हटाने के कई प्राकृतिक उपचार भी हैं जिनसे आप बिना किसी दुष्प्रभाव के त्वचा के दागों से छुटकारा पा सकते हैं। **जैतून का तेल :** जैतून यानि की ऑलिव ऑयल लगाने से दाग-धब्बे कम हो सकते हैं। जैतून का तेल लगाकर कुछ देर भाप लें। इससे रोम छिद्र साफ होते हैं और दाग हल्क हो जाते हैं। **चन्दन :** चन्दन का पेस्ट बनाकर लगाने से भी दाग हल्के होते हैं। चन्दन के पाउडर को गुलाब जल या दूध में मिला लें। इसे दागों पर लगाएं और 1 घंटे के लिए छोड़ दें फिर ठंडे पानी से धो लें। **बादाम :** बादाम को पानी में या दूध में लगभग 12 घंटे के लिए भिगों कर रख दें। इन्हें छिलका उतार कर मसल लें। इसमें गुलाब जल मिला कर दागों पर लगाएं। **नींबू का जूस :** नींबू का जूस 2 हफ़्तों तक दिन में 3 बार पीने से दाग कम होते है। **स्क्रबिंग (रगड़ना) :** बेकिंग सोडा से स्किन को स्क्रब करने से भी दाग हटाने में मदद मिलती है। बेकिंग सोडा को पानी के साथ मिला लें और एक से दो मिनट तक चेहरे पर स्क्रब करें। इसे गर्म पानी से धो दें ईस क्रिया को नियमित करें। **आलू :** आलू भी दाग हटाने में मदद करता है। इसमें सल्फर और पोटैशियम की मात्रा होती है। कच्चे आलू मसल लें और इनका जूस दाग वाली जगहों पर लगाएं।

आई शैडो लगाने के बेस्ट तरीके

अगर किसी शादी, पार्टी या सामूहिक फंक्शन में जाती हैं, तो सही मेकअप करना सबसे जरुरी होता है। चेहरे के मेकअप के साथ आंखों का मेकअप भी बहुत ही ज़रूरी है। अगर आप अपनी आंखों को सही प्रकार से हाईलाइट कर लेती हैं तो आधा मेकअप ऐसे ही हो जाता है। आई शैडो आपकी आँखों को हाईलाइट करने तथा इसे सुन्दर बनाने में काफी बड़ी भूमिका निभाता है। अगर आप मेकअप परफेक्ट तरीके से करना चाहती हैं, तो आई शैडो इस आर्टिकल में.. **आंखों की पलकों** फलों के रस आधारित बेस या आई शैडो काफी सुन्दर दिखेगी। साफ उँगलियों से करें। **पहले न्यूट्रल** करंट बेस कहा जाता है। इस बेस सबसे हलके शेड के रूप में करें। आपकी आई शैडो को लम्बे समय है। **शेड चुनें :** जब आप आई शैडो आई शैडो शेड में से सबसे अच्छे है। आई शैडो चुनते समय अपने दें। अगर आपकी त्वचा का रंग सांवला लगेंगे। इसी वजह से त्वचा के रंग के ज़रूरी है। **सही ब्रश का चुनाव :** सही ब्रश का चुनाव भी आवश्यक तीक्ष्ण करने के लिए पतले तथा

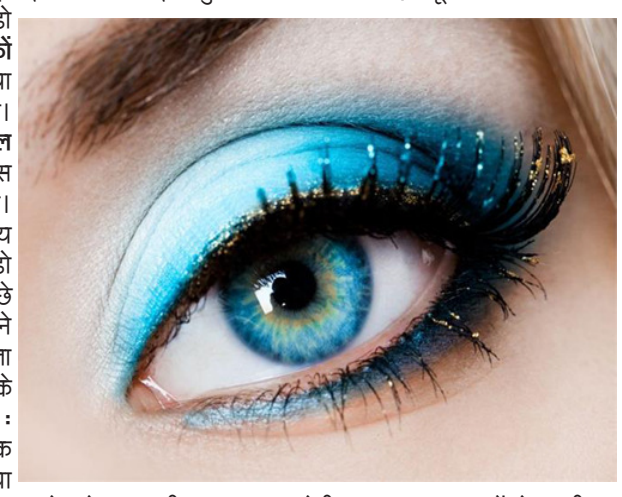

आंखों की क्रीज़ पर भी सौम्य तथा कठोर डोम ब्रश की आवश्यकता होगी। अगर आप पलकों के काफी पास आई शैडो लगा रही हैं तो इसके लिए एक नरम पेंसिल ब्रश का प्रयोग करें। **सही आई शैडो लगाना :** आई शैडो तो ज़्यादातर महिलाएं प्रयोग करती हैं, पर इन्हें लगाने का तरीका हर किसी को ज्ञात नहीं होता। आपके ब्रश स्ट्रोक्स सही होने चाहिए जिससे कि आई शैडो नैचुरल लगे। पर अगर आप गलत या उलटे ब्रश स्ट्रोक्स लगाती हैं तो ये मेकअप पूरा बिगड़ सकता है। आई शैडो को इस तरह लगाना चाहिए कि आंखों की लाइनिंग तथा आंखों की पलकें एक ही सीधी रेखा में रहे। जब आप पहली बार आई शैडो लगाएं तो आई शैडो को अच्छे से दबाकर इसे अच्छे से लगाएं **बीच के रंग का प्रयोग :** जब आप आंखों पर आई शैडो लगा रही हों तो आपको इसके विभिन्न शेड के बारे में पता होना चाहिए। सबसे पहले सबसे हल्का रंग प्रयोग में लाएं। इसके बाद बीच का रंग डालें जो कि आपके द्वारा प्रयोग किये गए हलके रंग से एक शेड गाढ़ा होना चाहिए। एक समतल ब्रश का प्रयोग इन रंगों पर करें तथा इन्हें पूरी आंखों पर फैलाएं। इस बात का ध्यान रखें कि आँखों की क्रीज़ के ऊपर ज़्यादा ना जाएं।

तो स्किन को नहीं पहुंचेगा नुकसान...

हर महिला की यही ख्वाहिश होती है कि वह सबसे खूबसूरत दिखे और उन्हें देखते ही लोग उनकी तरफ समोहित हो जाएं। खूबसूरत दिखने के लिए वह स्टाइलिश कपड़ों और मेकअप का सहारा लेती हैं। अगर आप भी खूबसूरत और सैक्सी दिखने के लिए मेकअप की ही मदद लेती हैं तो आपको बता दें कि हर समय मेकअप करने से आपको स्किन

संबंधी परेशानियां हो सकती हैं। इसी के साथ अगर आपको सही ढंग से मेकअप करना नहीं आता तो आपका सुंदर चेहरा भद्दा भी लग सकता है इसलिए जरूरी हैं कि आप मेकअप करने के तरीके जान लें। **मेकअप के सही तरीकेः-** मेकअप करने के लिए सबसे पहले क्लींजिंग का उपयोग करें। इसे मुहांसों व दाग-धब्बों को छिपाने के लिए लगाया जाता है। इसके बाद में बेस लगाएं। अगर आपकी त्वचा रूखी है तो लिक्विड कंसीलर लगाएं। - आंखों को अच्छी तरह से हाईलाइट करना ज़रूरी होता है। सब से पहले आईशैडो लगाएं। उसके बाद आईलाइनर से पतली लाइन खींचें। फिर आईशैडो के साथ ब्लैंड कर दें। आंखों का मेकअप करते समय मसकारा सब से बाद में लगाएं। - होठों को खूबसूरत दिखाने के लिए पहले लिप पेंसिल से आउटलाइन बनाए। फिर ब्रश द्धारा लिपस्टिक से होठों को फिल करें। होठों को अच्छी लुक देने के लिए उन पर लिप ग्लौस लगाए। - बेस का प्रयोग चेहरे व गले के साथ-साथ कान व गर्दन पर भी करें। इसी के साथ गले को उभारने के लिए ब्लशर का प्रयोग करें। -ध्यान में रखें कि दिन का मेकअप भारी, चुभने वाला व भड़कीला बिल्कुल भी नहीं होना चाहिए।

गैस, ब्लोटिंग और एसिडिटी से नहीं मिल रही कोई राहत? फिर जरूर ट्राई करें ये आयुर्वेदिक उपचार

पेट में गैस, सूजन और एसिडिटी आदि समस्याएं आज के समय में बेहद ही आम हो गयी हैं। हर दूसरा व्यक्ति इन समस्याओं से जूझ रहा है। पहले के समय में बुढ़ापे में जाकर ये समस्याएं होती थी, लेकिन आजकल छोटे बच्चों से लेकर जवान लोग तक इनसे परेशान है। पेट की समस्याओं की परेशानी सीने में जलन से शुरू होती है और लोगों को बेचैनी और चिड़चिड़ापन की ओर ले जाती है। पाचन तंत्र को ख्याल में रखे बिना चीजों का सेवन करना पेट में गैस और एसिडिटी का बड़ा कारण है। इसलिए जरुरी है कि लोग अपनी खानपान की आदतों पर ध्यान दें। इसके अलावा एसिडिटी की समस्या से छुटकारा पाने के लिए लोग आयुर्वेदिक उपचारों को आजमा सकते हैं। चलिए जानते हैं इनके बारे में- **धनिये की चायः** धनिया ठंडा होता है, इसलिए ये पेट की समस्याओं जैसे जलन, गैस और एसिडिटी से राहत दिलाने में मददगार होता है। आयुर्वेद के अनुसार, पेट की समस्याओं से जूझ रहे लोगों को सुबह उठते ही सबसे पहले धनिये की चाय का सेवन करना चाहिए। रोजाना इसका सेवन करने से हफ्तेभर में एसिडिटी जैसी समस्याओं से राहत मिल जाती है। धनिया की चाय बनाने के लिए 1 गिलास पानी में 1 चम्मच धनिये के बीज, 5 पुदीने के पत्ते और 15 करी पत्ते डालें और फिर इसे 5 मिनट तक उबालें। अच्छे से उबल जाने के बाद इसे छानकर पी लें। **खाने के बाद करें सौंफ का सेवनः** सौंफ का इस्तेमाल आमतौर पर खाने के बाद माउथ फ्रेशनर के तौर पर किया जाता है। लेकिन आपको बता दें कि ये बहुत काम की चीज है। खाने के बाद सौंफ का सेवन करने से खाना अच्छे से पच जाता है। इसके अलावा ये एसिडिटी जैसी समस्याओं से भी राहत दिलाती है। इसलिए खाना खाने के बाद

एक चम्मच सौंफ का सेवन करें। **गुलाब की चायः** गुलाब से बने कई तरह के ड्रिंक का हम सेवन करते हैं, जो हमारी सेहत के लिए काफी फायदेमंद माने जाते हैं। इन्हीं में गुलाब की चाय भी शामिल है। अगर आप पेट की समस्याओं से जूझ रहे हैं तो रात को सोने के समय गुलाब की चाय का सेवन करना शुरू कर दें। ऐसा करने से आपको महीनेभर के अंदर पेट की सभी समस्याओं से राहत मिल जाएगी। गुलाब की चाय बनाने के लिए सबसे पहले एक कप पानी को उबाल लें। फिर इसमें गुलाब की पंखुड़ियां मिला लें और इसे 5 मिनट और उबाल लें। अब सोने से पहले इस चाय का सेवन करें।

छोटी उम्र में सफेद बाल होने लगें तो करें ये उपाय

बालों का जल्दी सफेद होना एक सामान्य समस्या बन चुकी है। महिलएं व पुरुष,दोनों समान रुप से इस समस्या से परेशान हैं। इसके कई कारण हो सकते हैं। जैसे कई बार अव्यवस्थित जीवनशैली, खान-पान की गलत आदतें और दवाइयों के रिएक्शन। बालों को सफेद होने से रोकने के लिए कई तरह की दवाइयां मौजूद हैं,लेकिन उन्हें इस्तेमाल करने में हमेशा ही एक अंदरुनी डर बना रहता है। कि कोई साइडइफेक्टस न हो। ऐसे में घरेलू उपाय विकल्प हो सकते है। **आंवले का प्रयोग :** आंवला स्वास्थ्य के लिए तो फायदेमंद है ही ,बालों के लिए भी किसी संजीवनी से कम नहीं है। इसके नियमित इस्तेमाल से सफेद होते बालों की समस्या में राहत मिलती है। जो लोग आंवला खाने से परहेज करते है वे इसका इस्तेमाल मेंहदी और रीठा के साथ मिलाकर कर या इसके अर्क को तेल में मिलाकर भी इस्तेमाल करते हैं। **करी पत्ते का प्रयोग :** बालों के लिए करी पत्ते का इस्तेमाल बहुत ही फायदेमंद होता है।अगर आपके बाल अभी सफेद होना शुरू ही हुए हैं तो पानी में करी पत्ते को डालकर उसी से बाल धोएं। या इनको सुखाकर पेस्ट बनाकर भी बालों में लगा सकते हैं। खाने में भी इसके इस्तेमाल से बालों और त्वचा को फायदा होता है। करी पत्ते के साथ नारियल तेलका प्रयोग करने से बालों की चमक तथा मजबूती बढ़ती है। **प्याज का इस्तेमाल :** प्याज का रस बालों के लिए बेहतरीन है। यह समय से पहले सफेद बालों की समस्या को रोकने में मदद करता है। इससे बालों में नई चमक आ जाने के साथ साथ जूं की समस्या से भी आसानी से छुटकारा मिल जाता है। **एलोवेरा का प्रयोग :** बालों में एलोवेरा के इस्तेमाल से बालों का झड़ना और सफेद होना बंद हो जाता है। आप चाहें तो एलोवेरा के जेल से बालों में मसाज करके इस समस्या को और बढ़ने से रोक सकते हैं। इससे बालों की शाईन भी बढ़ती है। **देसी घी से मालिश :** आपने अपने घर के बुजुर्गों को सिर पर देसी घी से मालिश करते हुए देखा होगा।घी से सिर की त्वचा को पोषण मिलता है। प्रतिदिन घी से सिर की मालिश करके भी बालों के सफेद होने की समस्या से छुटकारा पाया जा सकता है। **चाय पत्ती और नमक का इस्तेमाल :** एक कप चाय की पत्ती का पानी उबालकर उसमें एक चम्मच नमक मिलाएं। इस मिश्रण को बाल धोने से एक घंटे पहले बालों में लगाएं। बाल फिर से काले होने लगेंगे।

ऐसे ही हालातों में एडिलेड में फंसी थी भारतीय टीम खिलाड़ियों को फिर दिखाना होगा राहुल द्रविड़ वाला जादू

नई दिल्ली। आईसीसी वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप 2023 का फाइनल मुकाबला भारतीय टीम और ऑस्ट्रेलिया के बीच खेला जा रहा है। इस मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया की टीम काफी मजबूत स्थिति में पहुंची हुई है। सात जून से लंदन के ओवल मैदान में खेले जा रहे इस आईसीसी वर्ल्ड टेस्ट चैंम्पियनशिप मुकाबले में कंगारूओं की टीम बेहद ही मजबूत स्थिति में है।

दूसरे दिन का खेल खत्म होने पर ऑस्ट्रेलियाई टीम 469 रन बनाकर ऑलआउट हुई। वहीं दूसरे दिन का खेल खत्म होने तक भारतीय टीम पहली पारी में ही लड़खड़ा गई। महज 151 रन पर ही आधी भारतीय टीम पवेलियन लौट चुकी है। ऑस्ट्रेलियाई टीमके पास 318 रनों की लीड है। वहीं क्रिज पर भारतीय टीम के लिए अजिंक्य रहाणे (29) और केएस भरत (5) है जिनके ऊपर टीम को जीताने की जिम्मेजारी बनी हुई है।

भारतीय टीम के लिए ये मुकाबला जीतना बेहद अहम है। इस मुकाबले में अगर भारतीय टीम को लौटना है तो उन्हें 20 वर्षों पुराना करिश्मा फिर से दोहराना होगा। इस बार ये करिश्मा अजिंक्य रहाणे और केएस भरत की जोड़ी को दोहराना होगा। दरअसल आज से 20 वर्षों पहले भारतीय टीम ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ ही ऐसा कारनामा किया था जो इतिहास में दर्ज हुआ था।

ये बात है वर्ष 2003 की जब भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच टेस्ट सीरीज खेली जा रही थी। इस सीरीज का दूसरा टेस्ट मुकाबला 12 से 16 दिसंबर के दौरान एडिलेट में खेला गया था। इस मैच में ऑस्ट्रेलियाई टीम ने पहले बैटिंग करते हुए 556 रनों का विशाल स्कोर खड़ा किया था, जो भारतीय टीम के लिए बनाना काफी मुश्किल लग रहा था। मगर इस मुकाबले में पैदा हुए विशाल स्कोर के संकट से उबारने के लिए भारतीय टीम के लिए राहुल द्रविड़ और लक्ष्मण ने कमाल किया था।

इस दौरान राहुल द्रविड़ और वीवीएस लक्ष्मण ने धुआंधार पारी खेली थी। राहुल द्रविड़ तीसरे नंबर पर बैटिंग करने उतरे और उन्होंने 233 रनों की पारी खेली थी। वहीं लक्ष्मण भी 6 नंबर पर बल्लेबाजी करने आए थे और उन्होंने 148 रनों की धुआंधार पारी खेली थी।

दोनों के द्वारा खेली गई इस जबरदस्त पारी की बदौलत भारतीय टीम 533 रन बनाने में सफल हुई थी और 23 रनों से पीछे रह गई थी। भारतीय टीम ने इस मुकाबले में दूसरी पारी में दमदार खेल दिखाते हुए गेंदबाजी के दम पर 200 से भी कम के स्कोर पर ऑस्ट्रेलिया के बल्लेबाजों को रोका था। इस मुकाबले में भारतीय टीम ने दूसरी पारी में 233 रन बनाए और चार विकेट से मुकाबला जीता था। अब ऐसी ही स्थिति आईसीसी वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप 2023 के फाइनल मुकाबले में भी देखने को मिल रही है। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अगर भारतीय टीम को मजबूत जीत हासिल करनी है तो बल्लेबाजों को पारी को संभालते हुए जोरदार खेल दिखाना होगा तभी पूरा खेल पलटा जा सकता है।

इस मुकाबले के लिए अब भारतीय टीम की पूरी जिम्मेदारी केएस भरत और अजिंक्य रहाणे पर आ गई है। ऑस्ट्रेलिया द्वारा खड़े किए गए विशाल स्कोर के आगे वर्तमान में भारतीय टीम की ओर से अजिंक्य रहाणे (29) और केएस भरत (5) पारी को संभालने में जुटे हुए है।

ऑस्ट्रेलिया ने पहली पारी में 469 रन बनाने के बाद दूसरे दिन का खेल खत्म होने तक भारत का स्कोर पांच विकेट पर 151 रन करके विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) के फाइनल में गुरुवार को यहां दबदबा बनाए रखा। ऑस्ट्रेलिया ने अपने कल के स्कोर में 142 रन और जोड़कर बाकी बचे सात विकेट गंवाए। मोहम्मद सिराज भारत के सबसे सफल गेंदबाज रहे जिन्होंने 108 रन देकर चार विकेट चटकाए। शारदुल ठाकुर (83 रन पर दो विकेट) और मोहम्मद शमी (122 रन पर दो विकेट) ने भी दो-दो विकेट हासिल किए। ऑस्ट्रेलिया की ओर से ट्रेविस हेड ने 174 गेंद में 163 जबकि स्मिथ ने 268 गेंद में 121 रन की पारी खेली। स्मिथ ने 31वां टेस्ट शतक जड़ा।

महिला जूनियर एशिया कप सेमीफाइनल में जापान की चुनौती के लिये तैयार भारत

काकामिगाहारा। बेहतरीन फॉर्म में चल रही भारतीय टीम शनिवार को जापान के खिलाफ महिला जूनियर एशिया कप सेमीफाइनल में इस लय को कायम रखने के इरादे से उतरेगी। भारत ने अभी तक टूर्नामेंट में एक भी मैच नहीं गंवाया है। उजबेकिस्तान, मलेशिया , चीनी ताइपै को हराने के बाद उसने कोरिया से ड्रॉ खेला। भारतीय टीम पूल ए में अपराजेय रहकर शीर्ष पर रही। शनिवार को जीत से टीम फाइनल में पहुंचने के साथ एफआईएच जूनियर महिला विश्व कप के लिये भी क्वालीफाई कर लेगी।

टूर्नामेंट की शीर्ष तीन टीमों को सीधे एफआईएच जूनियर महिला विश्व कप में प्रवेश मिलेगा जो चिली के सैंटियागो में 29 नवंबर से 10 दिसंबर तक खेला जायेगा। भारतीय कप्तान प्रीति ने जीत का भरोसा जताते हुए कहा ,'' एशिया की शीर्ष टीमों में से एक होने के कारण हमारे लिये यहां अच्छा प्रदर्शन बहुत जरूरी है।'' उन्होंने कहा ,'' अभी तक हमारा प्रदर्शन अच्छा रहा है और हम सेमीफाइनल में भी इस लय को कायम रखना चाहते हैं।

हमारा लक्ष्य जूनियर महिला विश्व कप के लिये क्वालीफाई करना भी हे और हम इससे एक जीत ही दूर हैं। इसलिये हम सेमीफाइनल मे अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करेंगे।'' भारत ने पहले मैच में उजबेकिस्तान को 22 . 0 से हराया और फिर मलेशिया को 2 . 1 से मात दी। कोरिया के खिलाफ मैच 2 . 2 से ड्रॉ रहा जबकि चीनी ताइपै को 11 . 0 से हराया। जापान ने हांगकांग चीन को 23 .0 से और इंडोनेशिया को 21 . 0 से मात दी। चीन से एक गोल से हारने के बाद उसने कजाखस्तान को 8. 0 से हराया। मैच शनिवार को रात 9 . 30 पर शुरू होगा।

भारत सरकार ने सैफ कप में पाकिस्तान फुटबॉल टीम की भागीदारी को मंजूरी दी : एआईएफएफ

नई दिल्ली। भारत सरकार ने बेंगलुरू में 21 जून से चार जुलाई तक होने वाले सैफ कप में पाकिस्तानी फुटबॉल टीम की भागीदारी को मंजूरी दे दी है। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। एआईएफएफ महासचिव शाजी प्रभाकरन ने कहा कि भारत ने आठ देशों के इस टूर्नामेंट में पाकिस्तान की भागीदारी के लिये अपना काम पूरा कर दिया है और अब पाकिस्तान को उसकी तरफ से औपचारिकतायें पूरी करनी है। प्रभाकरन ने कहा ,'' गृह मंत्रालय, विदेश मंत्रालय और खेल मंत्रालय ने पाकिस्तान की भागीदारी को मंजूरी दे दी है।'' उन्होंने कहा ,'' हमने अपना काम कर दिया है। हम उनका स्वागत करते हैं। सभी प्रतिभागी देशों को वीजा मंजूरी मिल गई है। अब उन्हें अपनी ओर से वीजा की औपचारिकतायें पूरी करनी है।'' भारत और पाकिस्तान एक ही समूह में है और एक दूसरे से 21 जून को खेलेंगे। दोनों पांच साल में पहली बार एक दूसरे से खेलेंगे। आखिरी बार उनका सामना 2018 सैफ चैम्पियनशिप सेमीफाइनल मे हुआ था जब भारत 3 . 1 से विजयी रहा था। लेबनान, कुवैत, नेपाल, भूटान, बांग्लादेश और मालदीव भी इसमें भाग ले रहे हैं।

अपने जिगर के टुकड़े से तीन वर्षों से दूर है भारतीय क्रिकेट टीम का गब्बर, अब जल्द मिलेगी राहत

नई दिल्ली। भारतीय टीम के ओपनर और धाकड़ बल्लेबाज शिखर धवन हमेशा अपने चेहरे पर मुस्कुराहट के साथ मैदान पर उतरते हैं और अपने फैंस के बीच चर्चा में रहते है। इन दिनों शिखर धवन एक बार फिर से चर्चा में है। मगर ना ही वो कोई क्रिकेट टूर्नामेंट खेल रहे हैं और ना ही भारतीय टीम का वर्तमान में हिस्सा है। इस बार शिखर धवन अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर चर्चा में आ गए है। बीते कई वर्षों से शिखर धवन ऐसी समस्या से जूझ रहे हैं, जो कोई पिता कभी नहीं चाहेगा।

दरअसल ये सभी को मालूम है कि शिखर धवन और उनकी पत्नी आयशा मुखर्जी के बीच रिश्ते ठीक नहीं चल रहे है। दोनों ही लंबे अर्से से एक दूसरे से दूर रह रहे है। आयशा जहां ऑस्ट्रेलिया में रहती हैं और शिखर भारत में। वहीं दोनों का बेटा जोरावर भी अपनी मां के साथ ऑस्ट्रेलिया में ही रहते है। शिखर धवन और आयशा दोनों 2020 से अलग रह रहे हैं जबकि दोनों ने 2021 में तलाक का केस फाइल किया था। वहीं बता दें कि शिखर धवन की अपने बेटे जोरावर से वर्ष अगस्त 2020 के बाद से मुलाकात नहीं हुई है।

इस मामले पर दिल्ली की एक फैमली कोर्ट ने बड़ा आदेश दिया है, जिसके तहत फैमिली फंक्शंस में शिखर धवन के बेटे जोरावर को भारत लाया जाएगा और वो भी इस फंक्शन का हिस्सा बनेंगे। इस मामले में जस्टिस हरीश कुमार ने हैरानी जताते हुए जोरावर को भारत लाए जाने पर आपत्ति जताने के मामले पर नाखुशी भी जाहिर की। बता दें कि आयशा मुखर्जी ने जोरावर को भारत लाए जाने पर घोर आपत्ति जताई थी, जिसे लेकर कोर्ट ने सख्त रुख अख्तियार किया है।

जानकारी के मुताबिक 17 जून को शिखर धवन के घर पर फंक्शन है। इस फंक्शन के लिए जोरावर को शामिल करने पर आयशा ने कहा था कि उस समय जोरावर के स्कूल होंगे और वो फंक्शन का हिस्सा नहीं बन सकेगा। हालांकि जोरावर को लेकर फंक्शन की तारीख बदली गई और अब कार्यक्रम एक जुलाई को किया जाएगा। आयशा ने कहा कि जोरावर शिखर के परिवार वालों के साथ सहज महसूस नहीं करेगा। वहीं इस मामले पर आयशा की हर दलील को खारिज करते हुए कोर्ट ने साफ किया है कि शिखर ने ना ही अपने बच्चे की कस्टडी मांगी है और ना ही उसे स्थायी तौर पर भारत लाने के लिए कहा है। शिखर सिर्फ कुछ समय के लिए अपने बेटे के साथ रहना चाहते है जिसे जोरावर की मां को पूरा करना होगा। कोर्ट ने ये भी साफ किया है कि एक बच्चे पर अकेले मां का हक नहीं होता है। बता दें कि कोर्ट ने आयशा को कहा है कि वो 28 जून को अपने बेटे को शिखर धवन को सौंपेगी जिसके बाद एक सप्ताह तक वो अपने पिता और उनके परिवार के साथ रहेगा। कोर्ट ने ये भी कहा है कि जोरावर को ऑस्ट्रेलिया से लाने और वापस ले जाने का पूरा खर्चा भी शिखर धवन को ही वहन करना होगा।

एशिया कपःचीनी ताइपै को 11.0 से हराकर भारत सेमीफाइनल में

काकामिगाहारा। भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम ने चीनी ताइपै को आखिरी पूल मैच में 11 . 0 से हराकर एशिया कप के सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया। इस जीत के साथ पूल ए में भारत शीर्ष पर बरकरार है। भारत टूर्नामेंट में तीन जीत और एक ड्रॉ खेलकर अपराजेय रहा। भारत के लिये वैष्णवी विट्ठल फाल्के (पहला मिनट), दीपिका (तीसरा), अन्नु (10वां और 52वां), रूतुजा दादोसा पिसल (12वां), नीलम (19वां) मंजू चौरसिया(33वां) , सुनेलिता टोप्पो (43वां और 57वां) , दीपिका सोरेंग (46वां) और मुमताज खान (55वां) ने गोल दागे। भारतीयोंने पहले ही मिनट से अपना दबदबा बना लिया और लगातार गोल करते रहे। वैष्णवी ने पहला फील्ड गोल किया जिसके बाद दीपिका ने पेनल्टी को तब्दील किया। अन्नु और रूतुजा ने दो दो गोल दागे। भारत के पास पहले क्वार्टर में ही चार गोल की बढत हो गई। दूसरे क्वार्टर में नीलम ने गोल किया। तीसरे क्वार्टर में मंजू और टोप्पो ने गोल दागे जबकि आखिरी क्वार्टर में दीपिका, अन्नु, मुमताज और टोप्पो ने एक एक गोल किया। भारत का सामना शनिवार को सेमीफाइनल में जापान या कजाखस्तान से होगा।

ऑस्ट्रेलिया के 469 रन, भारत ने 151 रन तक पांच विकेट गंवाए

लंदन। ऑस्ट्रेलिया ने पहली पारी में 469 रन बनाने के बाद दूसरे दिन का खेल खत्म होने तक भारत का स्कोर पांच विकेट पर 151 रन करके विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) के फाइनल में गुरुवार को यहां दबदबा बनाए रखा। ऑस्ट्रेलिया ने अपने कल के स्कोर में 142 रन और जोड़कर बाकी बचे सात विकेट गंवाए। मोहम्मद सिराज भारत के सबसे सफल गेंदबाज रहे जिन्होंने 108 रन देकर चार विकेट चटकाए। शारदुल ठाकुर (83 रन पर दो विकेट) और मोहम्मद शमी (122 रन पर दो विकेट) ने भी दो-दो विकेट हासिल किए। ऑस्ट्रेलिया की ओर से ट्रेविस हेड ने 174 गेंद में 163 जबकि स्मिथ ने 268 गेंद में 121 रन की पारी खेली। स्मिथ ने 31वां टेस्ट शतक जड़ा।

भारत ने इसके जवाब में 71 रन तक ही चार विकेट गंवा दिए थे लेकिन अजिंक्य रहाणे (नाबाद 29) और रविंद्र जडेजा (48) ने पांचवें विकेट के लिए 71 रन जोड़कर विकेटों पर पतझड़ पर विराम लगाया। जडेजा हालांकि दिन के खेल के अंतिम लम्हों में ऑफ स्पिनर नाथन लियोन का शिकार बने। दिन का खेल खत्म होने पर श्रीकर भरत पांच रन बनाकर रहाणे का साथ निभा रहे थे। भारत अब भी ऑस्ट्रेलिया के पहली पारी के स्कोर से 318 रन से पीछे है। टीम को फॉलोआन से बचने के लिए अब भी 119 रन की जरूरत है। ऑस्ट्रेलिया के विशाल स्कोर के जवाब में भारत की शुरुआत खराब रही। भारत ने चाय के विश्राम से पहले 10 ओवर में कप्तान रोहित शर्मा (15) और शुभमन गिल (13) के विकेट गंवाकर 37 रन बनाए। रोहित को ऑस्ट्रेलिया के कप्तान पैट कमिंस ने पगबाधा किया जबकि गिल स्कॉट बोलैंड की अंदर आती गेंद को छोड़ने के प्रयास में बोल्ड हुए।

चाय के बाद भारत को इंग्लिश काउंटी सर्किट में अच्छी फॉर्म में चल रहे चेतेश्वर पुजारा (14) और विराट कोहली (14) से काफी उम्मीदें थी लेकिन इन दोनों ने निराश किया। पुजारा भी गिल की तरह कैमरन ग्रीन की अंदर आती गेंद को छोड़ने के प्रयास में पूरी तरह से चूककर बोल्ड हुए। मिशेल स्टार्क ने इसके बाद उछाल लेती गेंद पर कोहली को स्लिप में स्मिथ के हाथों कैच कराके भारत को चौथा झटका दिया। जडेजा और रहाणे ने इसके बाद पारी को संभाला। कमिंस ने 17 रन के निजी स्कोर पर रहाणे को पगबाधा कर दिया था लेकिन डीआरएस लेने पर पता चला कि यह नोबॉल थी। जडेजा ने स्टार्क के अगले ओवर में दो चौके जड़े जबकि ग्रीन की गेंद को भी बाउंड्री के दर्शन कराए। भारत के 100 रन 26 ओवर में पूरे किए। जडेजा ने बोलैंड पर छक्का जड़ने के बाद स्टार्क पर भी दो चौके मारे लेकिन ऑफ स्पिनर लियोन की गेंद पर स्लिप में स्मिथ को कैच दे बैठे। उन्होंने 51 गेंद की अपनी पारी में सात चौके और एक छक्का मारा। जडेजा और भरत ने हालांकि इसके बाद भारत को और झटके नहीं लगने दिए। इससे पहले ऑस्ट्रेलिया ने दिन की शुरुआत तीन विकेट पर 327 रन से की। आज 95 रन से आगे खेलने उतरे स्मिथ ने सिराज के दिन के पहले ओवर में लगातार दो चौकों के साथ इंग्लैंड में अपना सातवां और इस मैदान पर तीसरा शतक पूरा किया। भारत ने पहले दिन बाउंसर का शुरुआत में अधिक इस्तेमाल नहीं किया था लेकिन सिराज और शमी ने दूसरे दिन पहले सत्र में शॉर्ट पिच गेंदों का बखूबी इस्तेमाल किया। स्मिथ हालांकि उछाल लेती गेंदों के खिलाफ आसानी से खेले लेकिन हेड असहज दिखे। दिन के छठे ओवर में सिराज की शॉर्ट गेंद को लेड साइड की ओर खेलने की कोशिश में हेड विकेटकीपर श्रीकर भरत को कैच देकर पवेलियन लौटे। उन्होंने अपनी पारी में 25 चौके और एक छक्का लगाया। कैमरन ग्रीन भी अधिक देर नहीं टिक सके और शमी की गेंद को ड्राइव करने की कोशिश में दूसरी स्लिप में शुभमन गिल के हाथों लपके गए। स्मिथ भी इसके बाद शारदुल ठाकुर की ऑफ साइड से बाहर की गेंद को विकेटों पर खेलकर पवेलियन लौट गए। यह शारदुल की दिन की पहली गेंद थी। स्मिथ ने 19 चौके मारे। स्थानापन्न खिलाड़ी अक्षर पटेल ने मिड ऑफ से भागते हुए स्टंप पर स्टीक निशाना लगाकर मिशेल स्टार्क को रन आउट करके भारत को दिन की चौथी सफलता दिखाई। एलेक्स कैरी (48 रन) ने कुछ आकर्षक शॉट खेलकर ऑस्ट्रेलिया का स्कोर 450 रन के पार पहुंचाया। कैरी ने रविंद्र जडेजा पर छक्का जड़ा लेकिन बाएं हाथ के इस स्पिनर की गेंद को रिवर्स स्वीप करने की कोशिश में पगबाधा हो गए जिसके बाद ऑस्ट्रेलियाई पारी को सिमटने में अधिक समय नहीं लगा। कैरी को मैदानी अंपायर ने आउट नहीं दिया था लेकिन डीआरएस लेने पर फैसला भारत के पक्ष में गया। सिराज ने नाथन लियोन (09) को बोल्ड किया और फिर कमिंस (09) को अजिंक्य रहाणे के हाथों कैच कराके ऑस्ट्रेलिया की पारी का अंत किया। वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया ने पहली पारी में 469 रन का विशाल स्कोर बनाया हैं। ऑस्ट्रेलिया की ओर से शानदार बल्लेबाजी हुई।

नीदरलैंड से हारने के बाद भारत ने अर्जेंटीना को 3.0 से हराया

इंधोवेन। तीसरे क्वार्टर में किये गए दो गोलों के दम पर भारतीय पुरूष हॉकी टीम ने एकतरफा मुकाबले में रियो ओलंपिक चैम्पियन अर्जेंटीना को 3 . 0 से हराकर एफआईएच प्रो लीग में जीत की राह पर वापसी की। पिछले मैच में एक गोल की बढत बनाने के बाद भारत को नीदरलैंड के हाथों 1 . 4 से पराजय झेलनी पड़ी थी लेकिन इस मैच में भारत ने शानदार वापसी की। कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने 33वें मिनट में पेनल्टी कार्नर पर गोल किया। इसके छह मिनट बाद अमित रोहिदास ने एक और पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदला। अभिषेक ने 59वें मिनट में तीसरा गोल दागा जो फील्ड गोल था। इस जीत के बाद भारत 14 मैचों में 27 अंक लेकर शीर्ष पर पहुंच गया है जबकि ब्रिटेन के 12 मैचों में 26 अंक हैं। भारत को अब अगले मैच में शनिवार को फिर नीदरलैंड से खेलना है। इससे पहले बुधवार को भारतीय समयानुसार देर रात हुए मैच में भारत शुरुआती बढ़त का फायदा उठाने में नाकाम रहा और उसे मेजबान नीदरलैंड से 1-4 से हार का सामना करना पड़ा। भारत की तरफ से एकमात्र गोल कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने 11वें मिनट में किया। भारत को मैच में पांच पेनल्टी कॉर्नर और एक पेनल्टी स्ट्रोक मिला। बुधवार की रात को खेले गए इस मैच में नीदरलैंड की तरफ से पेपिजन रेयेंगा (17वें), बोरिस बुर्कहार्ट (40वें) और डुको टेलजेनकैंप (41वें और 58वें) ने गोल किए। ब्रिटेन में लगातार दो मैच जीत कर यहां पहुंची भारतीय टीम ने पहले क्वार्टर में ही बढ़त हासिल कर ली थी। भारत को 11वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर मिला। जब भारतीय टीम ने पेनल्टी कॉर्नर लिया तो नीदरलैंड के रक्षकों ने जानबूझकर फॉउल किया जिससे भारत को पेनल्टी स्ट्रोक मिल गया।

हरमनप्रीत ने इसे गोल में बदलने में कोई गलती नहीं की। घरेलू दर्शकों के अपार समर्थन के बीच नीदरलैंड की टीम ने पेपिजन रेयेंगा के गोल से बराबरी करके शानदार वापसी की। इससे भारतीय टीम बैकफुट पर पहुंच गई जबकि नीदरलैंड ने अधिकतर समय गेंद को अपने नियंत्रण में रखा। नीदरलैंड को दूसरा क्वार्टर समाप्त होने से कुछ सेकंड पहले पेनल्टी कॉर्नर मिला लेकिन अमित रोहिदास के शानदार प्रयास भारत ने इसे बचा दिया। नीदरलैंड ने इसके बाद ही अपना दबदबा बनाए रखा और आक्रामक खेल दिखाया। उसे तीसरे क्वार्टर के शुरू में ही गोल करने का मौका मिला था लेकिन भारतीय गोलकीपर कृष्ण पाठक ने शानदार बचाव किया। भारत ने 35वें मिनट में दाएं छोर से हमला किया लेकिन गुरजंत सिंह गोल करने में नाकाम रहे। नीदरलैंड को 40वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर मिला जिसे बुर्कहार्ट ने गोल में बदलने में कोई गलती नहीं की। इसके कुछ सेकंड बाद टेलजेनकैंप ने मैदानी गोल करके स्कोर 3-1 कर दिया। इसके कुछ देर बाद मनदीप सिंह को ग्रीन कार्ड मिला जिससे भारत को 10 खिलाड़ियों के साथ खेलना पड़ा। भारतीय टीम वापसी करने के लिए बेताब दिखी। उसने चौथे क्वार्टर में दो पेनल्टी कॉर्नर भी हासिल किए लेकिन वह उनका फायदा नहीं उठा पाई। नीदरलैंड को भी अंतिम क्षणों में पेनल्टी कॉर्नर मिला जिसे टेलजेनकैंप ने गोल में बदलकर अपनी टीम की बड़ी जीत सुनिश्चित की।

आज का राशिफल

मेष राशिः आज के दिन आप आपने स्वास्थ्य का ध्यान रखें, कोई बड़ी लम्बी यात्रा पर न जाएं, वाहन चलाने में सावधानी बरतें, वाद-विवाद से दूर रहें, वाणी पर संयम रखें, व्यापार में कोई बड़ा लेन-देन न करें , किसी से काम साझेदारी सोच विचार कर करें।

वृषभ राशिः आज आप काम के सिलसिले में बाहर जा सकते हैं, काम की अधिकता के कारण कुछ तनाव पीड़ा महसूस करेंगे, अपने लोगों से सहयोग मिलेगा, परिवारिक वाद-विवाद से दूर रहें, किसी विशेष कार्य के लिए आप पर सामाजिक परिवारिक दबाव बनाया जा सकता है, पत्नी के स्वास्थ्य से चिंतित रहेंगे।

मिथुन राशिः आज का दिन आपके लिए व्यापार आदि में कोई नया मार्ग खोलेगा ,कार्य क्षेत्र में कोई बड़ी डील होने से लाभ प्राप्त होगा, किसी परिचित के मिलने से रुका हुआ कार्य पूरा होगा, परिवार में मांगलिक कार्यक्रम होंगे, नया वाहन मकान खरीद सकते हैं।

कर्क राशिः आज आप किसी बड़े काम में निवेश कर सकते हैं, परिवार और मित्रों का कार्य क्षेत्र में पूर्ण सहयोग मिलेगा, यदि नवविवाहित है तो फैमिली प्लानिंग कर सकते हैं, पत्नी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें , व्यापार में आपको साझेदारों से संबंध मधुर होंगे।

सिंह राशिः आज का दिन उतार-चढ़ाव वाला रहेगा, अपने स्वास्थ्य के कारण आप परेशान रहेंगे, मानसिक तनाव, क्लेश बना रहेगा, वाहन आदि संभालकर कर चलाएं वरना चोट लग सकती है, पत्नी व परिवार से मतभेद हो सकता हैं, किसी परिचित का दुखद समाचार मिलेगा, व्यवसाय में पार्टनर से धोखा मिल सकता है।

कन्या राशिःआज आप अपने स्वास्थ्य पर ध्यान दें, खान पान पर नियंत्रण रखें, बाहर यात्रा आदि पर जाए, तो वाहन का उपयोग संभालकर करें , व्यापार-व्यवसाय में आज आपको नुकसान हो सकता है, किसी करीबी के कारण आपके हाथ से बडा ऑफर निकल सकता है, पत्नी के स्वास्थ्य में गिरावट आएगी।

तुला राशिः आज का दिन आपका बहुत अच्छा रहने वाला है, बहुत दिनों से चल रहे खराब स्वास्थ्य से आपको निजात मिलेगी, किसी विशेष व्यक्ति से मिलना होगा, मान-सम्मान में बढ़ोत्तरी होगी, न्यायालय पक्ष में विजय होगी, व्यापार में नया क्षेत्र बनेगा, नये लोगों से संबंध स्थापित होंगे, लाभ होगा।

वृश्चिक राशिःआज आपको अपने किसी परिचित से कार्यक्षेत्र में सहयोग मिलेगा, व्यापार व्यवसाय में आप कोई बड़ी जोखिम अभी न उठाएं ,व्यापार व्यवसाय को चेंज करने का मन हो, तो अभी थोडा इंतजार करें, व्यर्थ के वाद-विवाद से खुद को दूर रखें, वाहन आदि के चलाने में सतर्कता बरतें।

धनु राशिः आज के दिन आप व्यापार में नया काम या नई साझेदारी शुरू न करें नहीं तो हानि उठानी पड़ सकती है, कार्यक्षेत्र में विरोधीयों का सामना करना पड़ सकता है, किसी बात को लेकर मन आशंकित बना रहेगा। पत्नी से किसी बात को लेकर वाद-विवाद हो सकता है, वाहन आदि चलाने में सावधानी रखें।

मकर राशिः आज आप बाहर की यात्रा पर जा सकते हैं, वाहन आदि चलाने में आज आप सावधानी बरतें, परिवार में किसी बात को लेकर आपको मतभेद का सामना करना पड़ सकता है, व्यापार में पुराने साथियों से आपको धोखा मिल सकता है। कार्यक्षेत्र में रूकावट आएगी, बनता हुआ कार्य बिगड़ सकता है।

कुंभ राशिःआज आपको स्वास्थ्य लाभ होगा। व्यापार में आपको सफलता मिलेगी, आर्थिक स्थिति मजबूत होगी, कार्यक्षेत्र में नये संबंध स्थापित होंगे, नौकरी वालो को पदोन्नति मिल सकती हैं, परिवार और समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा, न्यायालय पक्ष में विरोधी परास्त होंगे।

मीन राशिः आज आप किसी विशेष गेस्ट के आने से प्रसन्नता से भरे रहेंगे, कार्यक्षेत्र में आपको मान-सम्मान की प्राप्ति होगी, किसी परिचित व्यक्ति से आज आपको नुकसान उठाना पड़ सकता है, ससुराल पक्ष से काम के क्षेत्र में सहयोग मिलेगा, पत्नी के स्वास्थ्य की चिंता बनी रहेगी, कोई नया काम आज आपको मिल सकता है।

सम्पादकीय

लोगों की उलझन दूर करें

दो हजार रुपये के नोटों की वापसी की प्रक्रिया मंगलवार से शुरू हो गई। अगर बैंकों से लंबी कतारें लगने या बेहिसाब भीड़ जमा हो जाने की खबरें नहीं आ रहीं तो इसकी एक वजह तो यही है कि इन नोटों का चलन काफी पहले से कम होता जा रहा था। आरबीआई के आंकड़ों के मुताबिक, 31 मार्च 2023 को सर्कुलेशन में मौजूद दो हजार के नोटों की संख्या कुल नोटों का 10.8 फीसदी ही रह गई थी। दूसरी वजह यह भी हो सकती है कि पिछली बार यानी 2016 में हुई नोटबंदी के विपरीत इस बार इन नोटों को लीगल टेंडर बनाए रखा गया है। इन्हें बदले जाने की समयसीमा भी ठीकठाक लंबी (30 सितंबर तक) रखी गई है। सोमवार को खुद आरबीआई गवर्नर ने स्पष्ट किया कि 30 सितंबर के बाद भी ये नोट मान्य होंगे और यह संकेत भी दिया कि जरूरत होने पर यह समयसीमा बढ़ाई जा सकती है। बावजूद इसके, दो हजार के नोट वापस लिए जाने की घोषणा करंसी मैनेजमेंट के लिहाज से कोई अच्छी मिसाल नहीं कही जाएगी। भले ही आबादी का बड़ा हिस्सा सीधे तौर पर इस फैसले से प्रभावित न हो रहा हो, लेकिन इसमें हर आम ओ खास के लिए सरप्राइज एलीमेंट जरूर है। इसने सबको न केवल एक बार चौंका दिया बल्कि उनके जेहन में दर्ज नोटबंदी के कड़वे अनुभव को फिर ताजा कर दिया। इसके अलावा नोटबंदी के मुकाबले ज्यादा सतर्कता और ज्यादा सहजता से अमल किए जाने के प्रयासों के बावजूद इस बार भी अनिश्चितता और असमंजस की स्थिति टाली नहीं जा सकी। सोमवार को आए आरबीआई गवर्नर के स्पष्टीकरण के बाद भी अभी तक यह साफ नहीं है कि नोट बदलवाने के लिए बैंक जाने वालों को आईडी दिखाने और फॉर्म भरने की जरूरत होगी या नहीं। एसबीआई की घोषणा के मुताबिक इसकी जरूरत नहीं है लेकिन अलग-अलग बैंकों की ओर से बताया जा रहा है कि इसकी जरूरत होगी। यह भी तय नहीं है कि एक बार में अधिकतम 10 नोट बदलवाने की सीमा का क्या मतलब है। क्या यह सीमा एक दिन के लिए है या कतार में काउंटर पर आने वाली अपनी बारी से मतलब है। यानी क्या उसी समय दोबारा कतार में लगकर कोई चाहे तो दूसरी और फिर तीसरी बार भी 10-10 नोट बदलवा सकता है? इसके अलावा नोट वापसी की इस घोषणा ने यह विचित्र स्थिति पैदा कर दी है कि दो हजार के जो नोट देश की करंसी का हिस्सा हैं और आज भी लीगल टेंडर हैं, बाजार में स्वीकार नहीं किए जा रहे। इस स्थिति को निस्संदेह टाला जा सकता था। हालांकि यह बात रेखांकित किए जाने की जरूरत है कि अपने देश में करंसी की साख काफी अच्छी है। वरना डिजिटल ट्रांजिशन की इतनी तेज और सहज प्रक्रिया संभव नहीं थी। लेकिन हमारे नीति-निर्माताओं को पॉलिसी की स्थिरता से जुड़े सबकों पर शायद फिर से गौर करने की जरूरत है।

करोड़ों का पुल गिर गया पर बिहार सरकार की सेहत पर जरा-सा भी फर्क नहीं पड़ा

बिहार के भागलपुर में गंगा नदी पर करीब 1700 करोड़ रुपए की लागत से बन रहे पुल के ढह जाने की घटना ने एक बार फिर यही साबित किया है कि निर्माण कार्यों में फैले व्यापक भ्रष्टाचार और शासन तंत्र में बैठे लोगों की मिलीभगत के बीच ईमानदारी, नैतिकता, जिम्मेदारी या संवेदनशीलता जैसी बातों की जगह नहीं है। आज हमारी व्यवस्था चाहे राजनीति की हो, सामाजिक हो, पारिवारिक हो, धार्मिक हो, औद्योगिक हो, शैक्षणिक हो, चरमरा गई है, दोषग्रस्त हो गई है। उसमें दुराग्रही इतना तेज चलते हैं कि ईमानदारी बहुत पीछे रह जाती है। जो सद्प्रयास किए जा रहे हैं, वे निष्फल हो रहे हैं। पुल के गिरने से जितने पैसों की बर्बादी हुई, उसकी भरपाई आखिर किससे कराई जाएगी? बिहार में पुल गिरने की ताजा घटना कोई पहली नहीं है। इससे पहले पिछले साल भर में सात पुलों के ढह जाने की खबरें आईं। पुलों के गिरने के लिए उसे बनाने वाली कंपनी की लापरवाही और भ्रष्टाचार जितना जिम्मेदार है, उससे ज्यादा जिम्मेदारी शासक एवं प्रशासक की है। आजादी के अमृत-काल में पहुंचने के बाद भी भ्रष्टाचार, रिश्वतखोरी, बेईमानी हमारी व्यवस्था में तीव्रता से व्याप्त है, अनेक हादसों एवं जानमाल की हानि के बावजूद भ्रष्ट हो चुकी मोटी चमड़ी पर कोई असर नहीं होता। गनीमत यह रही कि ताजा हादसे के समय पुल पर मजदूर काम नहीं कर रहे थे, वरना बड़ी जनहानि हो सकती थी। करीब सात महीने पहले हुए गुजरात के मोरबी पुल हादसे को लोग अब भी नहीं भूले हैं। इस हादसे में 135 लोगों की मौत हो गई थी। सात साल पहले कोलकाता में विवेकानंद पुल के ढहने से 26 लोगों की मौत की घटना भी सबको याद होगी। अचरज इस बात का है कि बिहार में रविवार को जो पुल ढहा वह पिछले साल भी ढह चुका था। इसके बावजूद सरकार ने न तो कोई सबक लिया और न ही किसी के खिलाफ कोई सख्त कार्रवाई की। यह जाहिर करता है कि सरकार, प्रशासन एवं ठेकेदारों के बीच कितनी सुदृढ़ मिलीभगत है। बिहार में गंगा नदी पर बन रहे इस पुल का निर्माण 2014 में शुरू हुआ था और इसे 2019 में ही पूरा हो जाना था। चार साल बाद भी वह पूरा बनकर तैयार क्यों नहीं हुआ, यह भी एक तरह का भ्रष्टाचार है। देश का दुर्भाग्य है कि हादसे में अगर किसी की जान चली जाए तो हाय तौबा मच जाती है, अन्यथा ऐसे हादसों पर चर्चा तक नहीं होती। राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोपों को दरकिनार कर दिया जाए, तो हादसे कमोवेश हर राज्य में और हर दल की सरकार के कार्यकाल में होते रहते हैं। विकसित देशों में भी ऐसे हादसे होते हैं, लेकिन अंतर यह है कि भारत में ऐसे हादसों से सबक नहीं लिया जाता। यह प्रवृत्ति दुर्भाग्यपूर्ण है। विडम्बना देखिये कि ऐसे भ्रष्ट शिखरों को बचाने के लिये सरकार कितने सारे झूठ का सहारा लेती है। हैरानी की बात यह है कि जब पुल के गिरने की घटना उसके वीडियो सहित सुर्खियों में आ गई तब सरकार की

ओर से यह सफाई आई कि चूंकि इस पुल का डिजाइन गलत था और जोखिम से भरा था, इसलिए इसे गिराया जाना तय था। इतना तय है कि एक ही पुल अगर दो बार भरभरा कर गिरा तो यह डिजाइन गलत होने से लेकर उसमें उपयोग होने वाली सामग्री के घटिया होने का भी साफ संकेत है। लेकिन जिस तरह सरकार उस पुल की गुणवत्ता और जोखिम का अध्ययन करा रही थी, क्या उसके निर्माण के दौरान या उससे पहले डिजाइन सहित उसके हर कसौटी पर बेहतर होने के लिए जांच कराना सुनिश्चित नहीं कर सकती थी? दूसरी बार गिर गये इस पुल को लेकर सरकारी दावे सामने आते रहे कि जल्दी ही इस पुल का निर्माण कार्य पूरा कर जनता के लिए खोल दिया जाएगा। जबकि बनने से पहले दो बार गिर चुका पुल कैसे जनता के लिये सुरक्षित हो सकता है? अगर उस पर वाहनों और लोगों की आवाजाही रहती तो अंजाम की त्रासदी का अंदाजा लगाया जा सकता है। बावजूद सच को झूठ साबित करने में जुटी सरकार इसको जानबूझकर गिराये जाने की बात कह कर भ्रष्टाचार को ढंकने की नाकाम कोशिश कर रही है। फिर भी इसे स्पष्ट किए जाने की जरूरत है कि पुल खुद ढह गया या फिर उसे गिराया गया। दोनों ही स्थितियों में यह तय है कि पुल के निर्माण में व्यापक खामियां थीं और वह भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ गया। सवाल है कि जब सरकार किसी कंपनी को पुल निर्माण की जिम्मेदारी सौंप रही थी, उससे पहले क्या गुणवत्ता की कसौटी पर पूरी निर्माण योजना, डिजाइन, प्रक्रिया, सामग्री, समय-सीमा और संपूर्णता को सुनिश्चित किया जाना जरूरी समझा गया था? देश में भ्रष्टाचार सर्वत्र व्याप्त है, विशेषतः राजनीतिक एवं प्रशासनिक भ्रष्टाचार ने देश के विकास को अवरुद्ध कर रखा है। यही कारण है कि पुल या दूसरे निर्माण-कार्यों के लिए रखे गए बजट का बड़ा हिस्सा कमीशन-रिश्वतखोरी की भेंट चढ़ जाता है। इसका सीधा असर निर्माण की गुणवत्ता पर पड़ता है। निर्माण घटिया होगा तो फिर उसके धराशायी होने की आशंका भी बनी रहती है। हादसों का एक बड़ा कारण जांच में दोषी और जिम्मेदार ठहराए गए अधिकारियों एवं ठेकेदारों के खिलाफ सख्त कार्रवाई का न होना भी है। मोरबी हादसे के दोषियों को बचाने के प्रयास भी सबके सामने हुए हैं। हर हादसे के बाद लीपापोती के प्रयास खूब होते हैं। हादसे में मरने वालों के परिजनों को मुआवजा बांटकर ही अपनी जिम्मेदारी पूरी समझने वाली सरकारों को इससे आगे बढ़ना होगा। निर्माण कार्यों की गुणवत्ता पर निगरानी रखने की पारदर्शी नीति नियामक केन्द्र बनाने के साथ उस पर अमल भी जरूरी है। हादसों की जांच से काम नहीं चलने वाला। ऐसे निर्माण कार्यों में कमीशन-रिश्वतखोरी रोकने पर खास ध्यान देने की आवश्यकता है, क्योंकि जब ठेकेदार एक बड़ी राशि कमीशन के तौर पर दे देता है, तो फिर वह निर्माण कार्य भी गुणवत्ता बनाए रखने के प्रति लापरवाह हो जाता है। लापरवाही की परिणति ऐसे हादसों के रूप में सामने आती है। प्रगतिशील कदम उठाने वाले नेतृत्व ने अगर भ्रष्ट व्यवस्था सुधारने में मुक्त मन से सहयोग नहीं दिया तो कहीं हम अपने स्वार्थी उन्माद एवं भ्रष्टता में कोई ऐसा धागा नहीं खींच बैठें, जिससे पूरा कपड़ा ही उधड़ जाए। राजनीति के क्षेत्र में भ्रष्टाचार के मामले में एक-दूसरे के पैरों के नीचे से फट्टा खींचने का अभिनय तो सभी दल एवं नेता करते हैं पर खींचता कोई भी नहीं। रणनीति में सभी अपने को चाणक्य बताने का प्रयास करते हैं पर चन्द्रगुप्त किसी के पास नहीं है। घोटालों और भ्रष्टाचार के लिए हल्ला उनके लिए राजनैतिक मुद्दा होता है, कोई नैतिक आग्रह नहीं। कारण अपने गिरेबां में तो सभी झांकते हैं वहां सभी को अपनी कमीज दागी नजर आती है, फिर भला भ्रष्टाचार से कौन निजात दिरायेगा? ऐसी व्यवस्था कब कायम होगी कि जिसे कोई ''रिश्वत'' छू नहीं सके, जिसको कोई ''सिफारिश'' प्रभावित नहीं कर सके और जिसकी कोई कीमत नहीं लगा सके। ईमानदारी अभिनय करके नहीं बताई जा सकती, उसे जीना पड़ता है कथनी और करनी की समानता के स्तर तक। आवश्यकता है, राजनीति के क्षेत्र में जब हम जन मुखातिब हों तो प्रामाणिकता का बिल्ला हमारे सीने पर हो। उसे घर पर रखकर न आएं। राजनीति के क्षेत्र में हमारा कुर्ता कबीर की चादर हो। तभी इन भ्रष्ट पुलों का भर-भराकर गिरना बन्द होगा।

जो काम आजादी के तुरंत बाद होने चाहिए थे, वह अमृत काल में हो रहे हैं

नवीन भारत अभ्युदय का पथ सदैव कंटकाकीर्ण रहा है। आज जब ब्रिटिश दास मानसिकता से संघर्ष रत राष्ट्र औपनिवेशिक मानस की जकड़न से मुक्त हो भारतीयों द्वारा भारत के लिए स्वतंत्र देश में बनी नवीन संसद का भव्य उद्घाटन देख रहा है तो यह क्षण 15 अगस्त 1947 के पुण्यदायी क्षण से काम महत्वपूर्ण नहीं है।

यह नवीन संसद तमिल सम्राट राज राज चोल के समय प्रयुक्त शिव के नंदी को शिखरस्थ विराजमान किये राज दंड से आलोकित, प्रेरित और स्पंदित है जो स्वतंत्रता के समय चक्रवर्ती राजगोपालाचारी के परामर्श और सहायता से वायसरॉय माउंट बैटन ने सत्ता हस्तांतरण के प्रतीक स्वरूप पंडित नेहरू को प्रदान किया था।

यह एक शुद्ध निर्मल भारतीय वैदिक परंपरा का प्रतीक था, इसलिए कांग्रेस और पंडित नेहरू को भाया नहीं और इसको प्रयाग स्थित सरकारी संग्रहालय में बंद कर दिया गया। यह दैवी कृपा और नरेंद्र मोदी की दूरदर्शिता थी कि इसकी स्मृति जगी और इसे इसके सही उपयुक्त स्थान पर प्रतिष्ठित करने का निर्णय लिया गया। ब्रिटिश असेंबली को हमने बाद में नवीन भारत की संसद के रूप में संगठित किया जिसमें लोकसभा और राज्य सभा का संचालन हुआ। लेकिन सब कुछ वही था जो ब्रिटिश ने बनाया। संसद का भवन हमारा परन्तु उसके भीतर स्मृतियाँ सब ब्रिटिश और दासता कीं। वहां सभी प्रारंभिक सदन अध्यक्षों के चित्रों में ब्रिटिश स्पीकरों के चित्र से सदन अध्यक्षों की परंपरा के प्रारम्भ होने का दृश्य हर दिन हमें सदन में प्रवेश करते ही चुभता था। नरेंद्र मोदी पहले प्रधानमंत्री हैं जिन्होंने ब्रिटिश कालीन दास मानसिकता के चिह्नों को मिटाना प्रारम्भ किया और स्वदेशी चेतना से उत्स्फूर्त नावीन्य का सृजन पर्व प्रारम्भ किया। नवीन संसद वास्तव में उसी नव चैतन्य का वह प्रतीक है जिसे शिव की शक्ति और महान तमिल पराक्रमी स्मृति सेंगोल राजदंड के रूप में शक्ति दे रही है। यह ब्रिटिश दास मानसिकता के अंत का अद्घोष है। नवीन संसद भारतीय नव जागरण के सूर्योदय का, राष्ट्रीयता की आभायुक्त लोकतंत्र का संयुक्त तीर्थ है जो अपराजेय भारत के शौर्य और आध्यात्मिक आत्मा को प्रतिबिंबित करती है। नवीन संसद उस महान तमिल शौर्य और धर्माधिष्ठित सत्ता को भी

प्रतिबिंबित कर रही है जो अब तक सेक्युलर, वामपंथी बौद्धिक तत्वों की घृणा के कारण दबी रही थी। तमिल भाषा संसार की प्राचीनतम भाषाओँ में एक है, उसमें शिलपद्दिकरम, मणिमेखलै जैसे विश्व विख्यात दो हज़ार वर्ष से भी प्राचीन महान ग्रन्थ हैं। थिरूवल्लुवर जैसे वैश्विक संत और दार्शनिक तमिल जनजीवन के हर पक्ष को प्रभावित करते आ रहे हैं। लेकिन नरेंद्र मोदी से पहले इस अपार तमिल गौरव के सम्बन्ध में राष्ट्रीय स्तर पर कभी जानकारियों का प्रसार नहीं किया गया था। ऐसा क्यों होता है कि जब भी भारत अपने मूल स्वरूप और सांस्कृतिक सभ्यतामूलक गौरव की ओर लौटना चाहता है तो ब्रिटिश दास मानसिकता के सेकुलर वाम पंथी और दाम पंथी उसके विरोध में खड़े दिखते हैं? मुहम्मद गौरी के विरुद्ध बहादुरी से लड़े राजा सुहेलदेव हों या असम के पराक्रमी सेनापति लशित बड़फूकन- केवल नरेंद्र मोदी स्मृति के पुनर्जागरण और दास मानसिकता के विरुद्ध वीरता से लड़ते दिखाई देते हैं। यह दुर्भाग्य है कि जिस प्रधानमंत्री को देश के नागरिकों ने सम्मान पूर्वक प्रधानमंत्री पद हेतु अभिषिक्त किया उनके लोकतान्त्रिक पुनर्जागरण एवं राष्ट्रीय गौरव प्रतिष्ठापना कार्यों पर इतना बावेला मचाया जा रहा है मानो भारतीयता का जागरण कोई अपराध हो। राष्ट्रीयता के प्रश्नों पर भारत में मतैक्य क्यों नहीं हो सकता? भारत और भारतीयता के प्रश्नों पर क्यों हमें एक दूसरे के विरुद्ध खड़े होने की आवश्यकता महसूस होती है? क्या भारतीयता किसी एक पार्टी के एकाधिकार में मानी जा सकती है? शत्रु को ऐसी ही मानसिकता के लोगों द्वारा सहायता मिलती है। भारत आज सम्पूर्ण विश्व के देशों के लिए शक्ति और विश्वास का केंद्र बना है। लोकतान्त्रिक पद्धति से, जय विजय और पराजयों के लोकतान्त्रिक आरोह अवरोहों से गुजरते हुये नरेंद्र मोदी ने एक शक्तिशाली भारत और भारतीयता निष्ठ छवि बनाकर सम्पूर्ण विश्व में रहने वाले भारतीय मूल के लोगों का आत्मविश्वास एवं गौरव बढ़ाया है। जहाँ भी वे जाते हैं भारत माता का माथा ऊँचा होता है। शत्रुओं के खेमे में सेंध लगाकर राष्ट्रीय अर्थ व्यवस्था को अनेकानेक विपदाओं के मध्य स्थिर और प्रगतिशील रखने का कीर्तिमान बनाने वाले मोदी ने जब नवीन संसद का उद्घाटन किया तो यह एक नवीन राष्ट्रीय चैतन्य के अभ्युदय का महान क्षण था जो युगों युगों तक हमें अपनी आत्मा की शक्ति और हमारी असंदिग्ध भारत भक्ति का स्मरण कराता रहेगा। अब से पांच दशक पूर्व जब दिनकर जी ने यह पंक्तियाँ लिखी होंगी तब किसी को आभास तक नहीं होगा कि राष्ट्रीयता के भाव में रचे पगे मतदाता एक ऐसे वीतरागी प्रधानमंत्री को पद सौंपेंगे जो वस्तुतः दिनकर जी की कविता को सार्थक सिद्ध करता दिखेगा।

सम्पूर्ण विश्व में राष्ट्रीयता के बोध ने वहां के समाज के नवजागरण को प्रेरित किया है। दक्षिण कोरिया ने जापानियों द्वारा बनाई संसद की इमारत को तोप लगाकर ध्वस्त किया और अपनी नवीन संसद का निर्माण किया। पोलैण्ड ने रूसियों द्वारा निर्मित चर्च को ध्वस्त कर अपने नवीन पोलिश चर्च का निर्माण किया। इजराइल ने रूसी, अंग्रेजी, जर्मन भाषाओँ के मोह को छोड़ कर अपनी दो हजार वर्ष से अप्रयुक्त हिब्रू भाषा को संसद, सरकार और समाज की भाषा के रूप में अंगीकार किया। भारत को जो कार्य आज़ादी के तुरंत बाद करना चाहिए था उसको वह आज आज़ादी के अमृत महोत्सव काल में कर रहा है।

भारत के साथ बेटी-रोटी के संबंध को प्रभावित कर रहा है नेपाल का नागरिकता कानून

नेपाली प्रधानमंत्री पुष्प कमल दहल प्रचंड की भारत यात्रा से भारत-नेपाल के कूटनीतिक संबंधों पर जो पिछले कुछ वर्षों से बर्फ जमी थी, वह अब पिघलने लगी है। यह सर्व विदित है कि भारत और नेपाल के बीच बेटी-रोटी का संबंध है। इस संबंध पर दोनों मुल्कों के कूटनीतिक रिश्तों पर जमी बर्फ से कोई असर नहीं पड़ता रहा है। असल में यह संबंध कूटनीतिक रिश्तों की परवाह किए बगैर सदियों से फलता-फूलता रहा है और आगे भी फलता-फूलता रहेगा। बेटी-रोटी का यह संबंध दिल्ली और काठमांडू से निर्धारित नहीं होता है। सीमा के दोनों ओर रहने वाले करोड़ों लोगों की आबादी इस संबंध को सींचती रही है। अलबत्ता दिल्ली और काठमांडू के रिश्ते इसमें कभी-कभार रोड़ा अटकाने का काम जरूर करते रहे हैं। सीमा के दोनों तरफ रहने वाली करोड़ों लोगों की आबादी में बहुतायत तराई में निवास करने वाले लोगों की है, जिसे नेपाल में मधेसी कहा जाता है। नेपाल में लोकतंत्र की स्थापना हुए एक लंबा अरसा गुजर चुका है इसके बावजूद वहां आज भी मधेसियों को दोयम दर्जे का नागरिक समझा जाता है। नागरिकता संशोधन अधिनियम लागू होने से पहले लोगों को यह उम्मीद थी कि इस कानून से मधेसियों को राहत मिलेगी लेकिन इस कानून के लागू हो जाने से यह साबित हो गया है कि नेपाल में मधेसियों के साथ चल रहा भेदभाव का सिलसिला अभी रुका नहीं है।

ये मधेसी ही हैं जो भारत और नेपाल के रिश्तों के बीच की सबसे अहम कड़ी हैं। इनकी जड़ें भारत से जुड़ी हुई हैं सो नेपाल में जब भी भारत विरोधी हवा चलती है, सबसे पहले निशाने पर ये मधेसी ही होते हैं। ऐसी परिस्थिति में मधेसी भारत की तरफ आशा भरी नजरों से देखते हैं कि भारत उन्हें संकट से उबारे। लेकिन भारत एक संप्रभु देश के अंदरूनी मामले में दखलंदाजी करने से सदा बचता रहा है सो भारत ऐसी परिस्थिति में भी मधेसियों की मदद नहीं करता। पिछले वर्ष जब भारत की ओर से नेपाल की आर्थिक नाकेबंदी की गई थी, तो भी सबसे ज्यादा परेशानी इन्हीं लोगों को हुई। राशन-पानी के साथ-साथ पेट्रोलियम पदार्थ जैसी बुनियादी वस्तुओं के लिए ये लोग काफी दिनों तक तरसते रहे। नेपाल में भारत समर्थक ऐसे लोगों को भारत का दलाल या भारत का एजेंट कहकर संबोधित किया जाता है लेकिन मुझे यह याद नहीं कि नेपाल में चीन की हवा चलाने वाले लोगों को कभी इस हीन भावना से गुजरना पड़ा हो। ऐसे लोग सत्ता के शीर्ष पर हों या न हों लेकिन समाज में हमेशा सम्मानित ही रहते हैं। हालांकि ऐसे लोगों को भी चीन की विस्तारवादी नीति परेशान करती रही है। हालांकि आर्थिक नाकेबंदी के बाद नेपाल के हुक्मरानों को यह बात अच्छे से समझ में आ गई होगी कि चीन के साथ वह चाहकर भी व्यापारिक रिश्तों को मजबूती नहीं प्रदान कर सकता। भारत के साथ जो उसके सहज व्यापारिक रिश्ते हैं, उसे ही मजबूत बनाना होगा। इसके बावजूद भारत और नेपाल के बीच हुई द्विपक्षीय बातचीत से यह मुद्दा गायब ही रहा कि नेपाल में चीन कुछ खास दिलचस्पी लेने लगा है। इन दिनों नेपाल में कई निर्माण कार्य चीन की मदद से चल रहे हैं। यह नेपाल के अस्तित्व के लिए तो खतरनाक है ही, भारत की सुरक्षा व्यवस्था के लिए भी इसे ठीक नहीं माना जाना चाहिए। हाल के दिनों में नेपाल सीमा पर विदेशी नागरिकों की गिरफ्तारी ने इस मामले में भारतीय पक्ष को अधिक चिंतित किया है। नेपाल दान लेने में अन्य देशों की तुलना में अधिक माहिर रहा है। और यही कारण है कि पाकिस्तान, जो खुद आर्थिक बदहाली की स्थिति में है, ने भी नेपाल में पुल-पुलियों के निर्माण में रुचि दिखाई है। भारतीय सीमा क्षेत्र से जनकपुर जाने वाली लगभग दस किमी लंबी सड़क पर पुल-पुलियों का

निर्माण हाल ही में पाकिस्तान सरकार की मदद से हुआ है। इसके लिए वहां से इंजीनियरों की टीम आई थी। पाकिस्तान सरकार द्वारा नेपाल में पुल-पुलियों का निर्माण करना नेपाल में आम बात हो सकती है लेकिन भारत के लिए यह चिंताजनक है। क्योंकि खुली सीमा होने के कारण कोई भी आसानी से भारत में घुस सकता है और हमारी सुरक्षा व्यवस्था को खतरे में डाल सकता है। भारत-नेपाल सीमा पर विदेशी नागरिकों की पहचान जितनी आसान है, उतनी ही मुश्किल है पाकिस्तानी नागरिकों की पहचान करना। क्योंकि पाकिस्तानी यहां आकर अच्छी तरह हिंदी बोलते हैं और नेपाल के तराई क्षेत्र में कुछ दिनों तक रहने के कारण स्थानीय भाषा, मैथिली और भोजपुरी की समझ भी उन्हें आसानी से हो जाती है। ऐसी स्थिति में ऐसे लोगों की घुसपैठ आसानी से हमारे सीमा क्षेत्र में हो सकती है। भारत को नेपाल सरकार के समक्ष इस मुद्दे को गंभीरता से उठाना चाहिए। प्रधानमंत्री प्रचंड की भारत यात्रा के बाद यह तो तय है कि 'काला पानी' सीमा विवाद के बाद दोनों देशों के रिश्तों में जो तल्खी आई थी, वह कुछ कम होगी। नेपाल अपने लिए कुछ अतिरिक्त सहुलियतें जुटाने में कामयाब होगा। प्रचंड, जिन्हें आमतौर पर चीन का समर्थक माना जाता रहा है, उन्हें भी चीनी मदद के बाद श्रीलंका के दिवालिएपन ने जरूर कोई न कोई सबक दिया होगा। शायद यही कारण है कि अबकी बार प्रचंड ने प्रधानमंत्री बनने के बाद पहले चीन जाने की बजाय भारत आना अधिक श्रेयस्कर समझा। इसलिए सीमा के दोनों तरफ रहने वाले करोड़ों लोग इस यात्रा को आशा भरी निगाहों से देख रहे थे। ध्यान देने योग्य बात यह है कि सीमा के दोनों तरफ रहने वाले करोड़ों मधेसी इस बार भी पीएम की यात्रा से उम्मीद बांधे हुए थे। लेकिन उनकी समस्या का समाधान इस यात्रा से भी होता नहीं दिख रहा है। नागरिकता संशोधन विधेयक से जिन मधेसियों को उम्मीद थी, उस पर पानी फिर चुका है। क्योंकि नागरिकता विधेयक में संशोधन के नाम पर सिर्फ खानापूर्ति की गई है। भारत से ब्याहकर नेपाल गई लाखों बेटियां आज भी नागरिकता के लिए नेपाल में दर-दर की ठोकरें खा रही हैं। स्थायी नागरिकता नहीं होने के कारण उन्हें वहां कई तरह की बुनियादी सुविधाओं से वंचित होना पड़ता है। हाल ही में नेपाली सांसद सीता देवी यादव के मामले ने मधेसियों को हैरान-परेशान किया था। वे सांसद तो बन गईं लेकिन स्थायी नागरिकता नहीं होने के कारण उन्हें नेपाल के मंत्रिमंडल में शामिल नहीं किया गया। सीता देवी यादव का मायका मधुबनी जिले का एक सीमावर्ती गांव है। सीता देवी जब 15 वर्ष की थीं तब उनकी शादी अपने घर से महज छह किमी दूर नेपाल में करा दी गई। उनके पति चंद्रकांत यादव नेपाली कांग्रेस के कद्दावर नेता माने जाते थे जिनकी हत्या 2000 साल में कर दी गई थी। वे नेपाली कांग्रेस से सांसद निर्वाचित हुए और वहां के मंत्री भी बने। उनकी हत्या के बाद सीता देवी नेपाली राजनीति में सक्रिय हुईं और नेपाली कांग्रेस से सांसद निर्वाचित हुईं। इसके बावजूद उन्हें मंत्री बनने से इसलिए रोक दिया गया क्योंकि उनके पास नेपाल की स्थायी नागरिकता नहीं थी। नेपाल ब्याह कर लाई गई भारतीय बेटियों के लिए नेपाल सरकार अस्थायी नागरिकता देती है, जिसकी मान्यता महज सात साल की होती है। सात साल के बाद भारतीय बेटियों को वहां जो नागरिकता दी जाती है, उसे अंगीकृत नागरिकता कहते हैं। वंशज नागरिकता की तुलना में अंगीकृत नागरिकता में कई अधिकार कम होते हैं। नए संशोधन के हिसाब से नेपाल ब्याह कर लाई गई विदेशी बेटियों को नेपाल में लगातार सात साल रहना होगा और इसके बाद उन्हें अंगीकृत नागरिकता दी जाएगी। सात साल की इस अवधि को 'कूलिंग पीरियड' कहा गया है। नेपाल का यह कानून भारत-नेपाल के बेटी-रोटी संबंध को भी प्रभावित कर रहा है। दोनों देशों के बीच होने वाले विवाह के आंकड़ों में कमी आने लगी है। भारत के लोग यह नहीं चाहते कि शादी के बाद उनकी बेटियों को नागरिकता को लेकर फजीहत उठानी पड़े। दूसरी तरफ तस्करी और घुसपैठ को रोकने के लिए सीमा पर बरती जा रही चौकसी से भी लोगों का मन खट्टा होने लगा है। क्योंकि सीमा पर बरती ज रही चौकसी ने बारातियों की आवाजाही पर अंकुश लगाने का काम किया है। इसके लिए दोनों तरफ के सुरक्षा बल समान रूप से जिम्मेवार हैं। असल में 'बेटी-रोटी' के इस संबंध को दिल्ली और काठमांडू शिफ्ट करने की कोशिश की जा रही है।

संक्षिप्त समाचार

स्टालिन ने मेत्तूर बांध खोले जाने से पहले गाद निकालने के काम की समीक्षा की

तंजावुर। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन ने कृषि संबंधी कार्यों में सुविधा के लिए 12 जून को स्टेनली जलाशय (सलेम में मेत्तूर बांध) के फाटकों को पारंपरिक तौर पर खोले जाने से पहले यहां अधिकारियों के साथ चर्चा कर तटीय जिलों में गाद निकालने के काम की शुक्रवार को दो दिवसीय समीक्षा शुरू की। मुख्यमंत्री यहां बृहस्पतिवार की रात को चेन्नई से तिरुचिरापल्ली हवाई अड्डा पहुंचे और सड़क मार्ग से तंजावुर के लिए रवाना हुए। यहां पहुंचने के बाद स्टालिन ने तंजावुर जिला अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की और गाद निकालने के काम की स्थिति के बारे में जानकारी ली, जिसे अप्रैल में शुरू किया गया था। नगरपालिका प्रशासन मंत्री के. एन. नेहरू के अनुसार, वह जिले में जारी काम का निरीक्षण करेंगे और बाद में तिरुचिरापल्ली का दौरा करेंगे तथा लालगुडी ब्लॉक में कूझैयारू एवं नांथियार में गाद निकालने के काम का निरीक्षण करेंगे। मुख्यमंत्री के दौरे को देखते हुए तिरुचिरापल्ली जिला प्रशासन ने ड्रोन के इस्तेमाल पर रोक लगा दी है।

लड़कियों का 17 साल की उम्र से पहले बच्चे को जन्म देना आम था : अदालत

अहमदाबाद। गुजरात उच्च न्यायालय के एक न्यायाधीश ने गर्भपात की अनुमति के लिए दायर नाबालिग बलात्कार पीड़िता की याचिका पर सुनवाई करते हुए कहा है कि एक समय युवावस्था में लड़कियों की शादी होना और उनके 17 साल की उम्र से पहले संतान को जन्म देना आम बात थी। न्यायमूर्ति समीर दवे ने संकेत दिया कि अगर लड़की और भ्रूण दोनों स्वस्थ हैं, तो हो सकता है कि इस याचिका को स्वीकृति न प्रदान की जाए। उन्होंने बुधवार को सुनवाई के दौरान मनुस्मृति का भी जिक्र किया। बलात्कार पीड़िता की आयु 16 साल, 11 महीने है और उसके गर्भ में सात महीने का भ्रूण पल रहा है। पीड़िता के पिता ने गर्भपात की अनुमति के लिए उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया था, क्योंकि गर्भावस्था की अवधि 24 सप्ताह से ज्यादा हो गई है।

पीएम मोदी की अमेरिका यात्रा द्विपक्षीय संबंधों के लिए नए मानदंड स्थापित करेगी : पेंटागन

वाशिंगटन। अमेरिकी रक्षा विभाग के मुख्यालय पेंटागन ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की इस महीने होने वाली अमेरिका यात्रा द्विपक्षीय संबंधों के लिए नये मानदंड स्थापित करेगी और इस दौरान, रक्षा औद्योगिक सहयोग पर बड़ी घोषणाएं होने तथा भारत के स्वदेशी सैन्य बेड़े में इजाफा होने की संभावना है। प्रधानमंत्री मोदी राष्ट्रपति जो बाइडन और प्रथम महिला जिल बाइडन के निमंत्रण पर इस महीने अमेरिकी की राजकीय यात्रा करेंगे। उनकी चार दिवसीय यात्रा 21 जून से शुरू होगी। बाइडन दंपति 22 जून को राजकीय भोज पर मोदी की मेजबानी करेंगे। हिंद-प्रशांत सुरक्षा मामलों के सहायक रक्षा सचिव एली रैटनर ने बृहस्पतिवार को 'सेंटर फॉर न्यू अमेरिकन सिक्योरिटी' में एक पैनल चर्चा के दौरान कहा, ''जब प्रधानमंत्री मोदी इस महीने के आखिर में राजकीय यात्रा के लिए वाशिंगटन आएंगे, तो मुझे लगता है कि यह दोनों देशों के संबंधों में नये मानदंड स्थापित करने वाली ऐतिहासिक यात्रा साबित होगी।''

उन्होंने कहा, ''मुझे लगता है कि इसे (यात्रा को) उसी तरह से देखा जाएगा, जैसे इस साल की शुरुआत में जापान के साथ 'टू प्लस टू' वार्ता को रिश्ते में एक महत्वपूर्ण पल के रूप में देखा गया। लोग प्रधानमंत्री मोदी की इस यात्रा को अमेरिका-भारत संबंधों में एक वास्तविक छलांग के रूप में देखेंगे।'' रैटनर ने कहा कि अमेरिकी रक्षा मंत्री लॉयड ऑस्टिन ने कई द्विपक्षीय मुद्दों को आगे बढ़ाने और विशेष समझौतों एवं योजनाओं को अंतिम रूप देने के वास्ते प्रधानमंत्री की वाशिंगटन यात्रा की जमीन तैयार करने के लिए हाल में भारत का दौरा किया था। उन्होंने कहा, ''रक्षा से संबंधित मामलों में अमेरिका और भारत के बीच सह-विकास और सह-उत्पादन के मुद्दे को लेकर स्पष्ट रणनीतिक योजनाएं कायम करना इस यात्रा की प्राथमिकता होगी।

फ्रांस के राजदूत इमैनुएल लेनैन ने की झारखंड के हजारीबाग की यात्रा

हजारीबाग। भारत में फ्रांस के राजदूत इमैनुएल लेनैन झारखंड के हजारीबाग जिले में विकास गतिविधियों का जायजा लेने के लिए बृहस्पतिवार को इस जिले का दौरा किया। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी ने कहा कि लेनैन ने हजारीबाग के विभिन्न स्थानों की यात्रा की और वह प्रसिद्ध ग्रामीण कला 'सोहराई' पेंटिंग को देखकर प्रभावित हुए। हजारीबाग के सांसद जयंत सिन्हा ने डेमोटांड़ स्थित अपने आवास पर आयोजित एक कार्यक्रम में जिले के प्रमुख सोहराई चित्रकारों को आमंत्रित किया था, जहां उन्हें फ्रांस के राजदूत से मिलवाया गया।

अधिकारी ने कहा कि लेनैन ने एक वैश्विक खाद्य प्रसंस्करण संयंत्र, हजारीबाग मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल और एनटीपीसी (राष्ट्रीय तापविद्युत निगम लिमिटेड) की पकरी बरवाडीह कोयला खनन परियोजना का भी दौरा किया। उन्होंने यहां सेंट जेवियर्स स्कूल के छात्रों के एक समूह के साथ बातचीत की। लेनैन ने संवाददाताओं से कहा कि फ्रांस की भारत के साथ पुरानी मित्रता है और उसकी हर क्षेत्र में निवेश में दिलचस्पी है।

केंद्रीय बलों की तैनाती के लिए कांग्रेस, भाजपा ने किया कलकत्ता उच्च न्यायालय का रुख

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के पंचायत चुनावों में केंद्रीय बलों की तैनाती और नामांकन दाखिल करने के लिए अधिक समय देने का अनुरोध करते हुए कांग्रेस और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) शुक्रवार को कलकत्ता उच्च न्यायालय का रुख किया। राज्य निर्वाचन आयोग (एसईसी) ने पंचायत चुनाव की तारीखों की घोषणा कर दी है। मुख्य न्यायाधीश टीएस. शिवगणनम की अध्यक्षता वाली खंडपीठ के समक्ष याचिकाकर्ताओं ने मामले में त्वरित सुनवाई का अनुरोध किया। अदालत ने उन्हें याचिका दायर करने और दोपहर 12 बजे के बाद अदालत के समक्ष उपस्थित होने को कहा।कांग्रेस की पश्चिम बंगाल इकाई के प्रमुख अधीर रंजन चौधरी के वकीलों ने अदालत से अनुरोध किया कि शांतिपूर्ण एवं निष्पक्ष मतदान सुनिश्चित करने के लिए वह पश्चिम बंगाल निर्वाचन आयोग को केंद्रीय बलों की तैनाती का निर्देश दे। इस क्रम में चौधरी के वकीलों की ओर से राज्य में 2018 के पंचायत चुनाव में हुई हिंसा की घटनाओं का हवाला दिया गया। त्रिस्तरीय स्थानीय निकाय चुनाव प्रक्रिया के तहत नामांकन दाखिल करने के लिए केवल छह दिन दिए जाने का दावा करते हुए भाजपा के एक नेता ने भी अदालत में याचिका दायर कर नामांकन दाखिल करने की समयसीमा बढ़ाने का अनुरोध किया है। भाजपा नेता के वकील ने कहा कि लगभग 75,000 सीटों के लिए चुनाव होना है और इसके लिए नामांकन दाखिल करने का समय बहुत कम है। निर्वाचन आयोग के कार्यक्रम के अनुसार, शुक्रवार से नामांकन दाखिल करने की प्रक्रिया शुरू हो रही है और यह 15 जून तक जारी रहेगा।

मणिपुर में तलाशी अभियान, 35 हथियार और हथियारों के गोदाम बरामद

कोलकाता। जातीय हिंसा से प्रभावित मणिपुर में सुरक्षा बलों द्वारा चलाए गए संयुक्त तलाशी अभियान के दौरान कम से कम 35 हथियार और हथियारों के गोदाम बरामद हुए हैं। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि राजधानी इंफाल को असम और देश के अन्य हिस्सों से जोड़ने वाले राष्ट्रीय राजमार्ग-37 पर व्यापक तलाशी अभियान चलाया जा रहा है, ताकि मणिपुर में आवश्यक सामानों की मुक्त एवं सुरक्षित आवाजाही सुनिश्चित की जा सके। अधिकारी के मुताबिक, बृहस्पतिवार को संयुक्त तलाशी अभियान के दूसरे दिन अलग-अलग तरह के 35 हथियार, गोला-बारूद व हथियारों के गोदाम बरामद हुए।

उन्होंने कहा कि पूर्वोत्तर राज्य में एक महीने से अधिक समय से जारी जातीय हिंसा से प्रभावित लोगों की कठिनाइयों को कम करने के लिए सुरक्षा बल विश्वास बहाली के उपाय करने के साथ ही जन केंद्रित दृष्टिकोण अपना रहे हैं। अधिकारी के अनुसार, संयुक्त तलाशी अभियान के पहले दिन बुधवार को

सुरक्षा बलों ने 29 हथियारों (ज्यादातर स्वचालित) के अलावा मोर्टार, हथगोले, गोला-बारूद आदि बरामद किए थे। उन्होंने बताया कि जिन क्षेत्रों में अफस्पा (सशस्त्र बल विशेष शक्तियां अधिनियम) लागू नहीं है, वहां तलाशी अभियान के दौरान मजिस्ट्रेट भी मौजूद थे।

अधिकारी के मुताबिक, तलाशी अभियान के दौरान पर्याप्त उपाय किए जा रहे हैं, जिसका मकसद हथियारों और गोला-बारूद की बरामदगी के साथ-साथ समुदायों के बीच तनाव को कम करना है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि स्थानीय आबादी को असुविधा न हो। मणिपुर में अनुसूचित जनजाति (एसटी) का दर्जा देने की मेइती समुदाय की मांग के विरोध में तीन मई को पर्वतीय जिलों में 'आदिवासी एकजुटता मार्च' के आयोजन के बाद हिंसक झड़पें शुरू हो गई थीं। इन झड़पों में कम से कम 100 लोग मारे जा चुके हैं और 310 अन्य घायल हुए हैं। वहीं, 37,450 लोग फिलहाल 272 राहत शिविरों में रह रहे हैं। मणिपुर में मेइती समुदाय की आबादी 53 प्रतिशत है और यह मुख्य रूप से इंफाल घाटी में रहती है। वहीं, नगा और कुकी जैसे आदिवासी समुदायों की आबादी 40 फीसदी है और यह मुख्यतः पर्वतीय जिलों में बसती है। राज्य में शांति बहाली के लिए सेना और असम राइफल्स के लगभग 10,000 जवान तैनात किए गए हैं।

सड़क दुर्घटना में मध्य प्रदेश के दो श्रमिकों की मौत, दो अन्य घायल

नयी दिल्ली। दक्षिण पश्चिम दिल्ली के द्वारका इलाके में एक स्पोर्ट्स यूटिलिटी व्हीकल (एसयूवी) के मोटरसाइकिल से टकरा जाने से दो श्रमिकों की मौत हो गई और दो अन्य घायल हो गए। पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी देते हुए बताया कि एनएलयू लाल बत्ती के पास दुर्घटना की सूचना बृहस्पतिवार को मिली। पुलिस उपायुक्त (द्वारका) एम हर्षवर्धन ने कहा कि घायलों को इंदिरा गांधी अस्पताल ले जाया गया। दुर्घटनास्थल पर मोटर साइकिल और एसयूवी मिली हैं। उन्होंने कहा कि द्वारका सेक्टर-17 के स्पाइन एन्क्लेव निवासी माते (32) और दीक्षा (10) को प्राथमिक उपचार के बाद सफदरजंग अस्पताल रेफर कर दिया गया, वहीं फूला (30) और लखन (37) को चिकित्सकों ने मृत घोषित किया।

मैं मासूम हूं! अधूरा रह जाएगा ट्रंप का दोबारा राष्ट्रपति बनने का सपना? खुफिया दस्तावेज मामले में आरोपित

वाशिंगटन। डोनाल्ड ट्रंप की पहचान क्या है? एक बड़े बिजनेसमैन, झूठ बोलने, दंगा भड़काने या परमाणु बम की धमकी देने वाले राष्ट्रपति की या फिर एक ऐसे विपक्षी नेता की जो तमाम विरोधाभासों के बावजूद फिर से अमेरिका का राष्ट्रपति बनना चाहता है। लेकिन ट्रंप लगातार किसी न किसी विवाद या कानूनी पचड़े में नजर आ रहे हैं। पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प को 2021 में राष्ट्रपति के रूप में पद छोड़ने के बाद वर्गीकृत आधिकारिक दस्तावेजों को गलत तरीके से संभालने के आरोप में 8 जून की देर रात अभियोग लगाया गया, जिससे वह संघीय सरकार द्वारा लाए गए आपराधिक आरोपों का सामना करने वाले अमेरिकी इतिहास के पहले पूर्व राष्ट्रपति बन गए। ट्रंप पर आरोप है कि व्हाइट हाउस छोड़ने के बाद भी ट्रंप ने सैंकड़ों गोपनीय दस्तावेजों को अपने पास रखा। साथ ही गलत बयानबाजी भी की। राष्ट्रपति चुनाव हारने के बाद जनवरी में ट्रम्प के पद छोड़ने के कुछ महीनों बाद, उन्हें कुछ वर्गीकृत सरकारी दस्तावेजों को

अपने कब्जे से सौंपने के लिए कहा गया था। सरकार की राष्ट्रीय अभिलेखागार और अभिलेख एजेंसी (एनएआरए) ने उन्हें सूचित किया कि वह मूल अभिलेखों के कम से कम दो दर्जन बक्सों को वापस करने में विफल रहे हैं। हालांकि कई महीने बाद करीब 200 गोपनीय दस्तावेज लौटाए गए। एफबीआई ने अगस्त 2022 में ट्रंप के ठिकानों पर तलाशी अभियान चलाया था, जिसमें एफबीआई को 100 से ज्यादा गोपनीय दस्तावेज बरामद हुए थे। अपने ऊपर लगे आरोपों पर अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति ने कहा कि मैंने कभी सोचा नहीं था कि ये संभव है कि अमेरिका के पूर्व प्रेसिडेंट के साथ ऐसा हो सकता है। उन्होंने बाद में एक अन्य पोस्ट में लिखा कि मैं मासूम आदमी हूं। जनवरी 2018 में अमेरिकी अखबार वॉल स्ट्रीट जर्नल में छपे लेख में दावा किया गया कि ट्रंप के तत्कालीन वकील माइकल कोहेन ने राष्ट्रपति चुनाव से पहले अक्टूबर 2016 में पॉर्न स्टार स्टॉर्मी डेनियल्स को 1.30 लाख डॉलर का भुगतान किया था। इसके बदले ट्रंप के साथ अफेयर पर स्टॉर्मी डेनियल्प को चुप्पी साधनी थी।

मणिपुर इंटरनेट प्रतिबंधःहाईकोर्ट मामले की सुनवाई कर रहा

सुप्रीम कोर्ट ने मणिपुर में इंटरनेट बैन के खिलाफ याचिका पर सुनवाई से किया इनकार

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को मणिपुर के दो निवासियों द्वारा राज्य में बार-बार इंटरनेट बंद किए जाने के खिलाफ याचिका पर

तत्काल सुनवाई से इनकार कर दिया। न्यायमूर्ति अनिरुद्ध बोस और न्यायमूर्ति राजेश बिंदल की अवकाश पीठ ने कहा कि हाई कोर्ट पहले से ही इसी तरह के मुद्दे पर विचार कर रहा है। फिर सुप्रीम कोर्ट में इसी मामले को लाने की क्या आवश्यकता है? नियमित पीठ के समक्ष उल्लेख करें।

अधिवक्ता शादन फरासत ने तत्काल सुनवाई की मांग करते हुए पीठ के समक्ष मामले का उल्लेख किया शीर्ष अदालत चोंगथम विक्टर सिंह और मायेंगबाम जेम्स द्वारा दायर याचिका पर सुनवाई कर रही थी। याचिका में कहा गया है कि भाषण और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के संवैधानिक अधिकार और इंटरनेट के संवैधानिक रूप से संरक्षित माध्यम का उपयोग करके किसी भी व्यापार या व्यवसाय को चलाने के अधिकार के साथ हस्तक्षेप करते हुए शटडाउन करना घोर अनुपातहीन था। मणिपुर सरकार ने मंगलवार को इंटरनेट सेवाओं पर प्रतिबंध 10 जून तक बढ़ा दिया।

आयुक्त (गृह) एच ज्ञान प्रकाश द्वारा जारी एक आदेश में कहा गया है कि ब्रॉडबैंड सहित मोबाइल डेटा सेवाओं का निलंबन 10 जून की दोपहर तीन बजे तक बढ़ा दिया गया है। यह प्रतिबंध तीन मई को लगाया गया था। पूर्वोत्तर राज्य में 3 मई को हिंसा भड़क उठी जब मेइती समुदाय और कुकी जनजाति के लोग अनुसूचित जनजाति (एसटी) का दर्जा देने की मेइती की मांग को लेकर आपस में भिड़ गए।

नोएडा में ब्लू लाइन पर मेट्रो स्टेशन में व्यक्ति ने की आत्महत्या

नोएडा। एक अज्ञात व्यक्ति ने शुक्रवार को यहां मेट्रो ट्रेन के आगे कूद कर कथित तौर पर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि यह घटना यहां सेक्टर 52 स्टेशन पर दिल्ली मेट्रो रेल कॉरपोरेशन की ब्लू लाइन मेट्रो सेवा के कॉरीडोर पर हुई।

अधिकारी ने कहा, ''घटना की सूचना सुबह मिली, जिसके बाद स्थानीय सेक्टर 49 थाने के अधिकारी मौके पर पहुंचे।'' अधिकारी ने कहा, ''मृतक की उम्र करीब 35 साल लग रही है। उसकी पहचान का पता लगाने के प्रयास किए जा रहे हैं।' पुलिस ने कहा कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज कर मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी गई है।

हिजाब विवाद अब कश्मीर पहुँचा, स्कूल ने छात्राओं को अबाया पहनने से रोका तो हो गया बड़ा बवाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। कर्नाटक में जिस तरह शिक्षण संस्थान में हिजाब पहने जाने को लेकर विवाद खड़ा हुआ था लगभग वैसा ही एक मामला कश्मीर में सामने आया है। श्रीनगर में विश्व भारती उच्च माध्यमिक स्कूल के प्रबंधन के खिलाफ छात्राओं ने प्रदर्शन करते हुए आरोप लगाया है कि उन्हें 'अबाया' पहनने के कारण स्कूल में प्रवेश करने से रोक दिया गया। हम आपको बता दें कि 'अबाया' पूरी लंबाई वाली ढीली-ढाली पोशाक होती है जिसे मुस्लिम महिलाएं पहनती हैं। प्रदर्शनकारी छात्राओं में से एक ने कहा, ''हमें कहा गया कि अगर हम अबाया पहनना चाहते हैं तो हमें मदरसा जाना चाहिए। हमें स्कूल में प्रवेश नहीं करने दिया गया।'' छात्रों ने आरोप लगाया कि स्कूल प्रबंधन ने उन्हें कहा कि वे 'अबाया' पहनकर ''स्कूल के माहौल को खराब कर रही हैं''। वहीं स्थानीय लोगों ने भी इस पूरे मुद्दे को दुर्भाग्यपूर्ण बताया है। वहीं, स्कूल प्रधानाचार्य मेमरोज शफी ने कहा कि छात्राओं से कहा गया है कि वे घर से स्कूल तक अबाया पहन सकती हैं लेकिन स्कूल परिसर में उन्हें इसे उतारना होगा। उन्होंने कहा, ''हमने उन्हें लंबा सफेद रंग का हिजाब पहनने या बड़ा दुपट्टा

रखने के लिए कहा क्योंकि यह स्कूल की वर्दी का हिस्सा है। वे अलग-अलग डिजाइन वाले रंगीन अबाया पहनकर आ गईं जो स्कूल की वर्दी का हिस्सा नहीं है।'' प्रधानाचार्य ने कहा कि स्कूल का अनुशासन बनाए रखने के लिए विद्यार्थियों को समुचित 'ड्रेस कोड' का पालन करना चाहिए। यह मामला अब राजनीतिक रंग भी ले चुका है। नेशनल कांफ्रेंस (नेकां) के मुख्य प्रवक्ता तनवीर सादिक ने कहा कि मुस्लिम बहुल जम्मू-कश्मीर में इस तरह की घटनाएं होना दुर्भाग्यपूर्ण है। सादिक ने ट्वीट किया, ''हिजाब पहनना निजी चयन हो सकता है और धार्मिक परिधान के मामले में दखल नहीं देना चाहिए। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि मुस्लिम बहुल जम्मू-कश्मीर में इस तरह की घटनाएं हो रही हैं।'' नेकां के मुख्य प्रवक्ता ने कहा कि पार्टी स्कूल के निर्देश का विरोध करती है और प्रशासन से तत्काल उचित कार्रवाई करने का अनुरोध करती है। उन्होंने कहा, ''हम इसका सख्त विरोध करते हैं और तत्काल उचित कार्रवाई का अनुरोध करते हैं।'' वहीं पीडीपी अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने भी स्कूल के निर्देश का विरोध करते हुए कहा है कि भाजपा के निर्देश पर यह सब हो रहा है और हर किसी को इसका विरोध करना चाहिए। महबूबा ने कहा कि भाजपा नफरत की विचारधारा को कश्मीर में थोप रही है जिसे बर्दाश्त नहीं किया जायेगा। उन्होंने कहा है कि भाजपा भारत को गोडसे का देश बनाना चाहती है और जम्मू-कश्मीर उनकी प्रयोगशाला बन गया है। उन्होंने कहा कि पहले हमने कर्नाटक में ऐसी घटनाएं देखीं और अब कश्मीर में भी यह सब देख रहे हैं। दूसरी ओर, इस पूरे विवाद के बाद प्रधानाचार्य मेमरोज शफी को आतंकी धमकियां मिलने लगीं तो उन्होंने कहा है कि यह सब गलतफहमी की वजह से हुआ है। प्रधानाचार्य ने कहा कि हिजाब पर किसी तरह का प्रतिबंध नहीं है। उन्होंने कहा कि यदि उनकी बात से किसी की भावना को ठेस पहुँची है तो मैं बिना शर्त माफी मांगती हूँ।

प्रियंका गांधी का कांग्रेस में बढ़ेगा कद, हिमाचल-कर्नाटक में जीत के बाद बड़ी भूमिका देने की तैयारी में पार्टी

नई दिल्ली। हिमाचल प्रदेश और कर्नाटक में प्रचंड जीत के बाद, कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी को 2024 में अगले आम चुनाव से पहले पार्टी में एक बड़ी भूमिका मिल सकती है। वर्तमान में प्रियंका उत्तर प्रदेश की प्रभारी महासचिव हैं। सबसे महत्वपूर्ण राज्य में पार्टी के भाग्य को पुनर्जीवित करने के उद्देश्य से उन्हें 2019 के लोकसभा चुनावों से पहले राज्य का प्रभार दिया गया था। खबर के मुताबिक प्रियंका गांधी वाड्रा इस साल के अंत में होने वाले चुनावों में पार्टी के अभियानों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए तैयार हैं, खासकर तेलंगाना और मध्य प्रदेश में।

सूत्रों ने बताया कि प्रियंका गांधी पहले ही तेलंगाना में एक रैली कर चुकी हैं और उनके

12 जून को मध्य प्रदेश में एक रैली को संबोधित करने की उम्मीद है, जहां वह महिलाओं को 1,500 रुपये की आय गारंटी के पार्टी के वादे को आगे बढ़ा सकती हैं। सूत्रों ने बताया कि उनके छत्तीसगढ़ में बड़े पैमाने पर प्रचार करने की भी संभावना है। महिला संवाद (महिला मंच), एक विचार जिसे उन्होंने पिछले साल उत्तर प्रदेश के चुनाव में महिलाओं के आसपास केंद्रित कर लागू किया था, वह हाल के कर्नाटक चुनावों में कांग्रेस के अभियान का भी हिस्सा था।

पार्टी के थिंक टैंक का मानना है कि 2024 के लोकसभा चुनाव में उनकी मौजूदगी को सिर्फ एक राज्य तक सीमित रखना ठीक नहीं है। मध्य प्रदेश में होने वाले विधानसभा चुनाव में भी उन्हें अहम भूमिका दी जा सकती है। कांग्रेस सूत्रों ने कहा कि सभी ने देखा है कि कैसे प्रियंका वाड्रा ने अपने भाई के साथ हिमाचल प्रदेश और कर्नाटक में रैलियां कीं और वहां कांग्रेस के लिए प्रचार किया, जिससे जीत मिली। हालांकि, इस संबंध में अंतिम फैसला राहुल गांधी के अमेरिका दौरे से भारत लौटने के बाद ही लिया जाएगा।

सूत्रों ने कहा कि अगर प्रियंका वाड्रा को उत्तर प्रदेश के प्रभारी के रूप में उनकी भूमिका से मुक्त किया जाता है तो उत्तराखंड के पूर्व सीएम हरीश रावत, अनुभवी तारिक अनवर, पूर्व केंद्रीय मंत्री भंवर जितेंद्र सिंह और दीपेंद्र हुड्डा के नामों पर विचार किया जा सकता है। उन्हें 2019 के लोकसभा चुनावों से पहले राज्य का प्रभार दिया गया था। हालाँकि, प्रियंका वहाँ कांग्रेस को पुनर्जीवित नहीं कर सकीं और केवल एक सीट, रायबरेली जीतीं। 2022 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस सिर्फ दो सीटें ही जीत सकी थी। कांग्रेस नेताओं का दावा है कि कर्नाटक चुनाव के बाद पूरे देश में प्रियंका गांधी का प्रभाव बढ़ा है, और उनकी लोकप्रियता उत्तर प्रदेश के साथ-साथ सभी राज्यों में बढ़ी है। वह गरीबों की जरूरतें सुनती हैं।

बीजेपी ने पृथक बजट की प्रथा रोककर रेलवे को बर्बाद किया : ममता बनर्जी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बृहस्पतिवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा)नीत केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए दावा किया कि जिस दिन अलग से रेल बजट पेश करने का चलन बंद हुआ, उसी दिन से भारतीय रेल तबाह हो गई। नरेन्द्र मोदी सरकार ने लगभग 100 वर्षों की प्रथा को समाप्त करते हुए 2017 में रेल बजट का विलय केंद्रीय बजट में कर दिया था। बनर्जी ने संवाददाताओं से कहा, ''जब मैं रेल मंत्री थी तो हमारे पास विभिन्न रेलवे विभागों, जैसे वित्त, कर्मचारी कल्याण, सिग्नलिंग, इंजीनियरिंग और इलेक्ट्रिकल, केलिए कैबिनेट रैंक के छह सचिव रखने का विकल्प था।

उन्होंने विभिन्न विभागों के बीच समन्वय में मदद की। आज यह

समन्वय समाप्त हो गया है। उन्होंने कहा, ''जिस दिन हमने अलग से बजट पेश करना बंद किया, उसी दिन से भारतीय रेल तबाह हो गई। ऐसा लगता है कि आजकल किसी को भी इन चीजों की परवाह नहीं है।'' तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) की प्रमुख का यह बयान दो जून को ओडिशा में हुए ट्रेन हादसे के बाद आया है, जिसमें पश्चिम बंगाल के निवासियों सहित 288 लोग मारे गए हैं।

बनर्जी ने केंद्र की भाजपा सरकार पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि वह ट्रेन हादसे के पीछे की सच्चाई को दबाने में लगी है। मणिपुर में अशांति का उल्लेख करते हुए बनर्जी ने दावा किया कि केंद्र पत्रकारों सहित किसी को भी इस पूर्वोत्तर राज्य का दौरा करने की अनुमति नहीं दे रहा है, ताकि वह सच्चाई को दबा सके। उन्होंने कहा कि मणिपुर और उत्तर प्रदेश में हो रहे अत्याचारों पर चुप रहने के लिए उन्हें (भाजपा को) खुद पर शर्म आनी चाहिए।

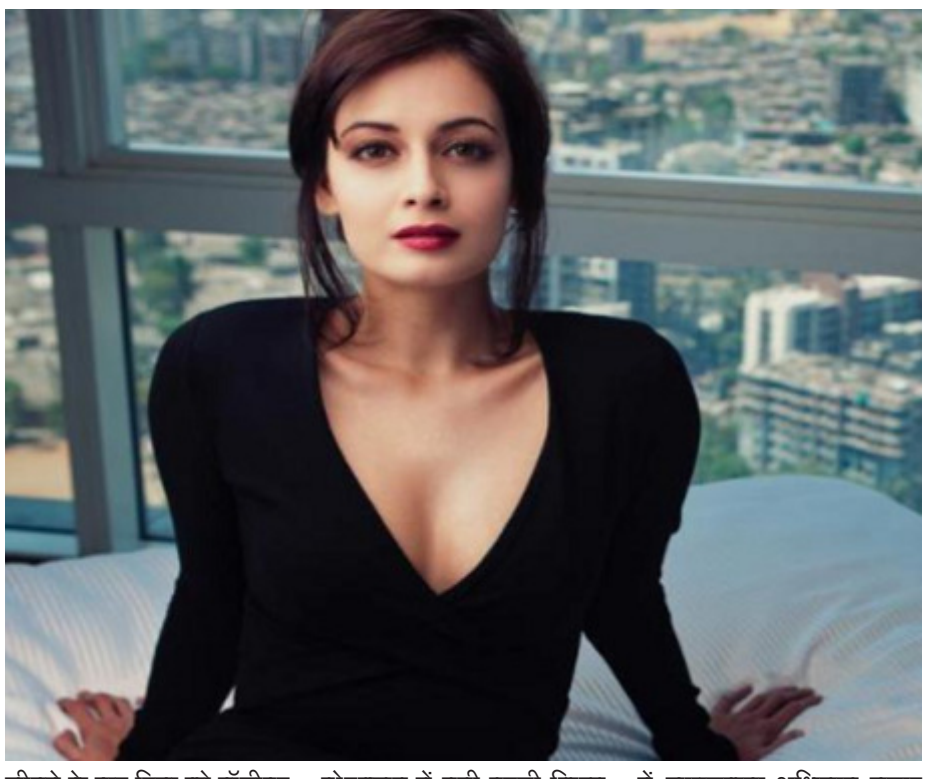

बहुत ही छुपी रुस्तम हैं दीया मिर्जा, इंटरनेशनल लेवल पर कर चुकी हैं ये बड़े काम

नई दिल्ली। दीया मिर्जा को बॉलीवुड में ये शौहरत किसी से विरासत में नहीं मिली है बल्कि उन्होंने अपने दम पर अपना नाम बनाया है। आइये आज हम आपको बताते हैं दीया मिर्जा की बॉलीवुड की जर्नी के बारे में- दीया मिर्जा ने बॉलीवुड में अपने करियर की शुरूआत 2000 में मिस इंडिया एशिया पैसिफिक प्रतियोगिता को जीतने के बाद की। इस प्रतियोगिता में दीया मिर्जा को मिस इंडिया के साथ-साथ मिस ब्यूटीफुल स्माइल, द सोनी व्यूरेज चोइस अवार्ड से भी नवाजा गया था।

दीया मिर्जा का जन्म 9 दिसंबर 1981 में हैदराबाद में हुआ था। दीया मिर्जा के पिता फ्रैंक हैंडरिक जर्मनी के तीसरा सबसे बड़ा नगर म्यूनिख में कलाकार और इंटीरियर डिजाइनर थे। दीया मिर्जा मां दीपा बंगाल से थी और वह भी इंटीरियर डिजाइनर, लैंडस्केपर है। फिलहाल दीया मिर्जा की मां शराबियों और नशीली दवाओं की लत में मदद करने के लिए स्वयंसेवक के रूप में सामाजिक कार्य करती है। जब दीया साढ़े चार साल की थी, तब उनके माता-पिता का तलाक हो गया। बाद में, उनकी मां ने हैदराबाद के एक दखिनी मुस्लिम व्यक्ति अहमद मिर्जा से शादी की थी।

मिस इंडिया का खिताब जीतने के बाद दिया को बॉलीवुड से फिल्म 'रहना है तेरे दिल में' के मेकर्स ने अप्रोज किया था। इस फिल्म से दिया मिर्जा ने बॉलीवुड में डेब्यू बतौर एक्ट्रेस किया था। बाद में उन्होंने दस (2005), लगे रहो मुननभाई (2006) और संजू (2018) सहित कई फिल्मों में अभिनय किया। वह अपने पति साहिल संघा के साथ एक प्रोडक्शन हाउस, बॉर्न फ्री एंटरटेनमेंट की सह-मालिक भी हैं इसके प्रोडक्शन में बनी पहली फिल्म लव ब्रेकअप्स जिंदगी 7 अक्टूबर 2011 को रिलीज़ हुई थी। दीया मिर्जा ने केलव एक्टिंग में ही नहीं बल्कि सामाजिक कार्यों में भी हिस्सा लिया। उन्होंने अपने सामाजिक कार्य के लिए प्रशंसा पाई है। पर्यावरण के प्रति उनके योगदान के लिए उन्हें घ्र्ई 2012 ग्रीन अवार्ड मिला। उन्होंने कन्या भ्रूण हत्या, एचआईवी की रोकथाम, कैंसर रोगियों की सहायता संस्था, पेटा, के बारे में जागरूकता अभियान चलाए हैं। उन्होंने सार्वजनिक रूप से नर्मदा बचाओ आंदोलन का समर्थन किया। दीया मिर्जा को भारत के लिए संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण सद्भावना राजदूत के रूप में नियुक्त किया गया था। उन्हें पर्यावरण संरक्षण में उनके योगदान के लिए संयुक्त राष्ट्र द्वारा मान्यता प्राप्त है, जो केट ब्लैंचेट, ऐनी हैथवे, एंजेलीना जोली, कैटी पेरी और एम्मा वाटसन जैसी वैश्विक हस्तियों में शामिल हैं।

करोड़ो खर्च करने के बाद भी फिल्मों के फ्लॉप होने से डरे करण जौहर

मुम्बई। करण जौहर की एक फिल्म ''ड्राइव'' काफी लंबे समय से रिलीज का इंतजार कर रही है। करण अब अघर में अटके हैं कि फिल्म को रिलीज करें भी या नहीं। लगातार फ्लॉप से करण घबरा गये है। करण जौहर की फिल्मों की अगर बात की जाए तो करण जौहर भव्य फिल्में बनाने में माहिर है लेकिन कुछ समय से वो समय की मांग और परिवर्तन की लहर को समझ नहीं पा रहे, शायद इसी लिए उनकी फिल्में लगातार फ्लॉप होती जा रही हैं। धर्मा प्रोडक्शन फिल्मों और बड़े कलाकारों पर खूब पैसा तो लगा रहा है लेकिन कहानी कमजोर होने के कारण फिल्म बॉक्स ऑफिस पर टिक नहीं सकी। करण जौहर ने फिल्म कलंक में वरुण धवन, माधुरी दीक्षित, आलिया भट्ट, सोनाक्षी सिन्हा, संजय दत्त जैसे बड़े स्टार को फिल्म में लिया, फिल्म के सेट पर खूब खर्चा किया लेकिन इतने सारे सितारे मिल कर भी फिल्म को चला नहीं पाए। वही हाल हुआ फिल्म 'स्टूडेंट ऑफ द इयर' के दूसरे पार्ट का। पहले तो हमे समझ नहीं आया की आखिर करण जौहर ने ये फिल्म बनायी ही क्यो?

करण जौहर की एक फिल्म 'ड्राइव' काफी लंबे समय से रिलीज का इंतजार कर रही है। करण अब अघर में अटके हैं कि फिल्म को रिलीज करें भी या नहीं। लगातार फ्लॉप से करण घबरा गये है। खबरों के अनुसार फिल्म को करण जौहर अब रिलीज नहीं करेंगे। कहा जा रहा हैं कि फिल्म से करण जौहर को खासा कोई उम्मीद नहीं है, फिल्म शूट हो चुकी है और उसे सुधारने की करण ने पूरी कोशिश की, लेकिन बात नहीं बन पाई है।

48 की उम्र में भी फिट और ग्लैमरस हैं शिल्पा शेट्टी फिल्म 'बाजीगर' से जीती अभिनय की बाजी

मुम्बई। शिल्पा शेट्टी बॉलीवुड की सबसे फिट एक्ट्रेस मानी जाती हैं। आज यानी की 8 जून को वह अपना 48वां बर्थडे सेलिब्रेट कर रही हैं। बता दें कि एक्ट्रेस ने फिल्म बाजीगर करने से पहले 1991 में 16 साल की उम्र में 'लिम्का' के एड के लिए मॉडलिंग कर चुकी हैं। फिल्म इंडस्ट्री में एक्ट्रेस ने सफलता के झंडे गाड़े हैं। न सिर्फ प्रोफेशनल लाइफ बल्कि वह अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर भी चर्चाओं में रहती हैं। आइए जानते हैं एक्ट्रेस के जन्मदिन के मौके पर शिल्पा शेट्टी के जीवन से जुड़ी कुछ रोचक बातों के बारे में...

जन्म और शिक्षा: कर्नाटक के मैंगलोर में 8 जून 1975 को शिल्पा शेट्टी का जन्म हुआ था। एक्ट्रेस के माता-पिता दवाई का व्यापार करते थे। उन्होंने अपनी शुरूआती शिक्षा मुंबई के सेंट एंथोनी गर्ल्स हाई स्कूल से पूरी की। इसके बाद आगे की पढ़ाई एक्ट्रेस ने मुंबई के पोदार कॉलेज से पूरी की थी।

शिल्पा शेट्टी ने भरतनाट्यम की पूरी शिक्षा भी ली हैं। इसके अलावा वह वॉलीबॉल टीम की कप्तान भी रही। 10वीं के बाद एक्ट्रेस ने मॉडलिंग करना शुरू कर दिया था। महज 16 साल की उम्र में एक्ट्रेस ने लिम्का प्रोडक्ट के लिए शूट किया था। बाद में धीरे-धीरे एक्ट्रेस के पास कई विज्ञापनों के ऑफर आने लगे थे। महज 18 साल की उम्र में उन्होंने पढ़ाई को छोड़ दिया था और पूरी तरह से फिल्मी दुनिया में सक्रिय हो गईं।

फिल्मी कॅरियर: शिल्पा शेट्टी ने साल 1992 में 'गाता है मेरा दिल' से अभिनय दुनिया में कदम रखा था। लेकिन यह फिल्म किसी कारण से रिलीज नहीं हो सकी। जिसके बाद एक्ट्रेस को फिल्म 'बाजीगर' ऑफर हुई।

साल 1993 में आई इस फिल्म में शिल्पा शेट्टी के अलावा शाहरुख खान और काजोल थी। यह फिल्म सुपरहिट साबित हुई थी। इसके बाद साल 1994 में एक्ट्रेस फिल्म 'आग' में नजर आई थीं। फिर साल 1996 में तमिल फिल्मों में भी अपना परचम लहराया था। इसके बाद एक्ट्रेस ने धड़कन, इंडियन, अपने, रिश्ते, मिस्टर रोमियो, जानवर, मैं खिलाड़ी तू अनाड़ी, गर्व: प्राइड एंड ऑनर, लाइफ इन ए मेट्रो, परदेसी बाबू, छोटे सरकार आदि फिल्मों में काम किया है।

शादी: शिल्पा शेट्टी ने 22 नवंबर 2009 में ब्रिटिश व्यवसायी राज कुंद्रा को अपना जीवनसाथी चुन लिया। दोनों की शादी को 10 साल से अधिक समय पूरा हो गया है। दोनों के एक बेटा और एक बेटी है। शिल्पा और राज एक-दूसरे से बेहद प्यार करते हैं।

अफेयर: शिल्पा शेट्टी का नाम बॉलीवुड के खिलाड़ी कुमार यानी की अक्षय कुमार के साथ जुड़ा। दोनों एक फिल्म में साथ काम कर रहे थे। इसी दौरान दोनों के बीच नजदीकियां बढ़ गई थीं। लेकिन जब एक्ट्रेस को पता चला कि अक्षय कुमार के नजदीक जाकर वह अपनी अजीज दोस्त ट्विंकल को धोखा दे रही हैं। तो उन्होंने अक्षय कुमार से दूरी बना ली। इसके बाद एक्ट्रेस का नाम फिल्म निर्देशक अनुभव सिन्हा के साथ भी जोड़ा गया। फिलहाल अब शिल्पा शेट्टी अपनी शादीशुदा जीवन में काफी खुश हैं।

16 की उम्र में बॉलीवुड डेब्यू, फिर 15 साल बड़े राजेश खन्ना से रचा ली शादी

मुम्बई। बॉलीवुड की दिग्गज अभिनेत्री डिंपल कपाड़िया आज यानी की 8 जून को अपना 65वां जन्मदिन मना रही हैं। बता दें कि एक्ट्रेस ने महज 16 साल की उम्र से ही अपना बॉलीवुड डेब्यू किया था। उन्होंने कई बड़ी हिट फिल्मों में काम किया है। बड़े पर्दे पर एक्ट्रेस ने कई रोमांटिक रोल भी निभाए हैं। आज ही के दिन यानी की 8 जून को डिंपल कपाड़िया का जन्म हुआ था। आइए जानते हैं एक्ट्रेस के जन्मदिन के मौके पर डिंपल कपाड़िया के जीवन से जुड़ी कुछ रोचक बातों के बारे में... **जन्म और शिक्षा:** भारत की एक मशहूर अभिनेत्री रह चुकीं डिंपल कपाड़िया का जन्म 8 जून 1957 को हुआ था। इनके पिता चुन्नी लाल कपाड़िया एक बहुत बड़े व्यापारी थे। डिंपल कपाडिया ने अपनी शुरुआती शिक्षा ए. व्दोज्न्टे ण्दहनहू पुण् एम्प्ददत से पूरा किया है। उन्होंने महज 16 साल

की उम्र में फिल्म निर्माता राज कपूर की 'बॉबी' से बॉलीवुड में डेब्यू किया था। यह फिल्म दर्शकों को बहुत पसंद आई थी। जिसके चलते उनकी पहली मूवी सुपरहिट साबित हुई थी। इस फिल्म के लिए डिंपल को फिल्मफेयर पुरस्कार भी मिला था। **शादी:** इस फिल्म के बाद डिंपल रातों रात सुपरस्टार बन गई थीं। पहली फिल्म के हिट होने के बाद एक्ट्रेस के पास फिल्मों की कतार लग गई थी। लेकिन एक्ट्रेस ने सभी प्रस्तावों को दरकिनार कर अभिनेता रहे राजेश खन्ना की पत्नी बनना उचित समझा। पहली फिल्म 'बॉबी' की शूटिंग के दौरान ही एक्ट्रेस का उस दौरान के सुपरस्टार रहे राजेश खन्ना से अफेयर हो गया। जिसके बाद उन्होंने खुद से 15 साल बड़े राजेश खन्ना से शादी कर ली। शादी के बाद डिंपल ने बॉलीवुड से पूरी तरह दूरी बना ली थी। बता दें कि फिल्मों में आने से पहले ही राजेश और डिंपल की पहली मुलाकात हुई थी। जिसके बाद अहमदाबाद के नवरंगपुरा स्पोर्ट्स क्लब में दोनों मिले थे। यहीं से इन दोनों की लव स्टोरी की शुरूआत हुई थी। जिसके बाद साल 1973 में दोनों ने शादी रचा ली थी। वहीं डिंपल ने शादी के करीब 11 सालों तक फिल्मी दुनिया से दूरी बनाए रखा। इस दौरान ट्विंकल खन्ना और रिंकी खन्ना का जन्म हुआ। दोनों बच्चों के जन्म के बाद डिंपल एक बार फिर बड़े पर्दे पर आना चाहती थी। **ऐसे टूटी शादी:** जहां डिंपल के एक बार फिर फिल्मों में काम करना चाहती थीं। तो वहीं राजेश खन्ना इसके खिलाफ थे। यहीं से राजेश और डिंपल के रिश्तों में दरार आनी शुरू हो गई थी। शादी के करीब 9 साल बाद दोनों एक-दूसरे से अलग हो गए। जिसके बाद उन्होंने राजेश खन्ना का घर छोड़ दिया था। वह अपने दोनों बच्चों के साथ पिता के घर पर रहने लगी थीं। दोनों करीब 27 साल तक अलग रहे। लेकिन उन्होंने तलाक नहीं लिया था। हालांकि राजेश खन्ना के आखिरी समय में डिंपल उनके साथ ही रही थीं। राजेश खन्ना आखिरी समय में कैंसर से पीड़ित थे। जिसके बाद 18 जुलाई 2012 को राजेश खन्ना की मौत हो गई थी। **डिंपल कपाड़िया के अफेयर्स:** राजेश खन्ना का घर छोड़ने के करीब 2 साल बाद एक्ट्रेस ने एक बार फिर फिल्मी दुनिया का रुख किया। इस दौरान उन्होंने फिल्म 'सागर' से वापसी की। इस फिल्म के बाद डिंपल का नाम अभिनेता सनी देओल के साथ जुड़ने लगा था। साल 1999 में सनी देओल और डिंपल कपाड़िया की कुछ तस्वीरें वायरल हुई थीं। जिसके बाद फिल्मी दुनिया में सनसनी मच गई थी। कहा तो यह भी जाता है कि डिंपल और सनी का रिश्ता करीब 11 सालों तक चला था। डिंपल चाहती थीं कि सनी देओल उनसे शादी कर लें। लेकिन सनी देओल पहले से शादीशुदा थे। जिसके चलते ये रिश्ता खत्म हो गया। **अवॉर्ड्स:** डिंपल कपाड़िया को कई अवॉर्ड्स से सम्मानित किया जा चुका है। इनमें फिल्म बॉबी, सागर, रुदाली और क्रान्तिवीर के लिए उन्हें फिल्मफेयर सर्वश्रेष्ठ पुरस्कार से नवाजा गया था। वहीं साल 1993 में एक्ट्रेस को राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का अवॉर्ड मिला था।

हर सिनेमा हॉल में भगवान 'हनुमान जी' के लिए रिजर्व रहेगी 1 सीट, आदिपुरुष टीम का ऐलान

मुम्बई। आदिपुरुष साल 2023 की मोस्ट अवेटिड फिल्मों में से एक हैं। फिल्म को लेकर काफी ज्यादा उम्मीदें हैं। फिल्म जनवरी 2023 में रिलीज होने वाली थे लेकिन विवाद के कारण इसकी रिलीज डेट को टाल दिया गया और कई बदलाव करने के बाद फिल्म को रिलीज किया जाना है। फिल्म रिलीज होने से मुश्किल से दो सप्ताह दूर है, इसलिए निर्माताओं ने प्रचार के अंतिम चरण की शुरुआत कर दी है। हाल ही में आदिपुरुष टीम ने रिलीज़ के संबंध में एक घोषणा की। बयान के अनुसार आदिपुरुष स्क्रीनिंग के दौरान हर थिएटर में एक सीट बिना बिके रहेगी। यह बिना बिके सीट लोगों की आस्था का जश्न मनाने के लिए भगवान हनुमान को समर्पित की जाएगी।

आदिपुरुष ओम राउत द्वारा निर्देशित, 16 जून को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। यह फिल्म पांच भाषाओं, अर्थात् तेलुगु, हिंदी, तमिल, मलयालम और कन्नड़ में स्क्रीन की शोभा बढ़ाएगी। फिल्म की रिलीज से पहले, निर्माताओं ने घोषणा की है कि हर थिएटर में एक सीट भगवान हनुमान को समर्पित की जाएगी। हर स्क्रीनिंग में सीट अनसोल्ड रहेगी।

आदिपुरुष की टीम की तरह से जारी बयान में कहा गया कि 'जहां भी रामायण का पाठ किया जाता है, वहां भगवान हनुमान दिखाई देते हैं। यह हमारा विश्वास है। इस विश्वास का सम्मान करते हुए, प्रभास के राम-अभिनीत आदिपुरुष की स्क्रीनिंग करने वाला हर थियेटर भगवान हनुमान के लिए इसे बेचे बिना एक सीट आरक्षित करेगा। सम्मान देने का इतिहास सुनें राम के सबसे बड़े भक्त। हमने इस महान कार्य को अज्ञात तरीके से शुरू किया। हम सभी को भगवान हनुमान की उपस्थिति में आदिपुरुष को बड़ी भव्यता और भव्यता के साथ देखना चाहिए। आदिपुरुष भारतीय महाकाव्य रामायण पर आधारित एक पौराणिक फिल्म है। फिल्म का लेखन और निर्देशन ओम राउत ने किया है। जबकि प्रभास, कृति सनोन और सैफ अली खान मुख्य भूमिकाएँ निभाते हैं, सनी सिंह और देवदत्त नाग सहायक भूमिकाओं में नज़र आएंगे। 500 करोड़ रुपये के बड़े बजट में बनी यह फिल्म शुरुआत से ही कई बाधाओं का सामना करती रही है। सैफ अली खान के 'रावण इज ह्यूमन' कमेंट से लेकर खराब वीएफएक्स के लिए बैकलैश तक, आदिपुरुष ने यह सब देखा है। यह फिल्म अब दुनिया भर में कई भाषाओं में भव्य रिलीज के लिए तैयार है।

राजकुमार राव ने फिल्म उद्योग को अपने फर्जी प्रतिनिधियों से सावधान रहने को कहा

मुम्बई। अभिनेता राजकुमार राव ने मंगलवार को फिल्म उद्योग को अपने फर्जी प्रतिनिधियों से सावधान रहने को कहा। राजकुमार (34) ने ट्विटर पर बयान जारी कर निर्देशकों और निर्माताओं को धोखेबाजों से बचकर रहने की बात कही। अभिनेता ने ट्वीट किया, हाल ही में मेरे संज्ञान में आया है कि कोई मेरा प्रतिनिधि होने का दावा कर रहा है। यह जालसाजों का समूह लगता है जो न सिर्फ मेरा प्रतिनिधि होने का दावा कर रहा है बल्कि मेरे नाम पर निर्माताओं और निर्देशकों से ठगी भी कर रहा है।

तिरुपति में बेहद शानदार और भव्य तरीके से हुआ 'आदिपुरुष' का फाइनल ट्रेलर लॉन्च

मुम्बई। आदिपुरुष की टीम द्वारा प्रसारित: आध्यात्मिक श्रद्धा से जुड़े सिनेमाई प्रतिभा के एक खास उत्सव के दौरान तिरुपति में भव्य फिल्म आदिपुरुष का अत्यंत प्रत्याशित फाइनल ट्रेलर लॉन्च किया गया। इस खास मौके पर निर्देशक ओम राउत, निर्माता भूषण कुमार और अभिनेता - प्रभास, कृति सेनन, सनी सिंह और देवदत्ता नागे के साथ डायलॉग राइटर मनोज मुंतशिर और संगीत निर्देशक अजय-अतुल मौजूद नजर आएं। फिल्म का ये ट्रेलर बुराई पर अच्छाई की वीरता, ताकत और विजय की एक झलक पेश करता है, जो फिल्म का प्रतीक है। इसमें राघव और वानर सेना जानकी को वापस लाने के लिए एक असाधारण यात्रा शुरू करते हैं। इस ट्रेलर ने 16 जून को रिलीज़ होनेवाली इस फिल्म की प्रत्याशा को और बढ़ा दिया है।

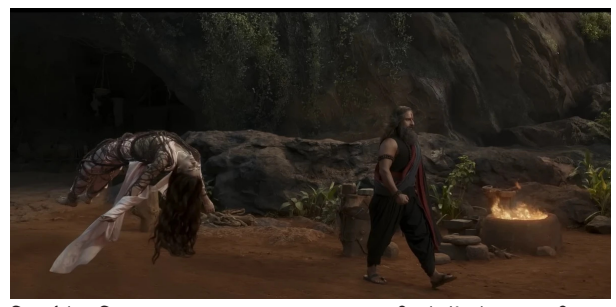

तिरुपति में इस फिल्म के फाइनल ट्रेलर पर से बेहद शानदार तरीके से पर्दा उठाया गया। इस भव्य फिल्म के पीछे टीम का समर्पण और जुनून एकदम साफ नज़र आ रहा एमएम था, जब उन्होंने महाकाव्य पर एक दमदार प्रदर्शन किया, जिसके बाद 'जय श्री राम' का एक प्रसिद्ध प्रदर्शन हुआ। इन शब्दों की गूंज ने वहां के माहौल को अपने रंग में रंग दिया। इस दौरान आतिशबाजी के साथ उत्सव की भावना भी अपने चरम पर थी। यहां टीम ने इस बारे में बात की

कि कैसे इतिहास का यह सुनहरा अध्याय आज के समय में बेहद अहम है, और दर्शकों का मनोरंजन करने के साथ-साथ उन्हें सीख भी देता है, खासकर युवाओं को। हालांकि इस इवेंट का असल आकर्षण खुद प्रभास थे। जिन्होंने अपने अपार प्रशंसकों के साथ यहां आए बाकी लोगों को अपना दीवाना बना लिया। यहां मौजूद लोग बस प्रभास की एक झलक भर पाने को बेताब हो उठे, जो कि फिल्म में शक्तिशाली राघव का किरदार निभा रहें है। इस महाकाव्य को लेकर प्रत्याशा बहुत तेजी से बढ़ रही है। प्रशंसक और फिल्म प्रेमी भी पूरे जोश और उत्साह के साथ फिल्म की रिलीज का इंतजार हैं। फिल्म की पूरी टीम की यही कोशिश है कि वो दर्शकों को एक जबरदस्त सिनेमाई अनुभव प्रदान कर सकें, जो उनके दिलों और दिमाग पर एक अमिट छाप छोड़े। ऐसे में हर गुजरते दिन के साथ उत्साह बढ़ता जा रहा है, क्योंकि आदिपुरुष की रिलीज का समय करीब आ रहा है, जो अपने प्रेम, निष्ठा और समर्पण की असाधारण कथा के साथ दर्शकों को लुभाएगा।

ये फिल्म ओम राउत द्वारा निर्देशित और टी-सीरीज़ के भूषण कुमार और कृष्ण कुमार, ओम राउत, प्रसाद सुतार, और यूवी क्रिएशंस के रेट्रोफाइल्स, प्रमोद और वामसी के राजेश नायर द्वारा निर्मित है। ये फिल्म 16 जून, 2023 को दुनिया भर में रिलीज़ होने के लिए एकदम तैयार है।

बॉलीवुड के स्टारकिड्स के खास दोस्त कहे जाने वाले ऑरी ने की राहुल गांधी से मुलाकात, साथ में किया लंच

मुम्बई।ओरहान अवतरमनी उर्फ ओरी हर सेलेब्रिटी के बॉलीवुड के सबसे अच्छे दोस्त हैं। अकसर उन्हें बड़े-बड़े सितारों के साथ देखा जाता रहा है। कपूर खानदार से दो उनका गहरा रिश्ता जान पड़ता है क्योंकि वह कभी खुशी कपूर तो कभी जाहन्वी कपूर के साथ दिखते हैं। वह जानते है कि दुनिया भर के सोशलाइट्स के साथ अपनी सोशल मीडिया उपस्थिति, डिनर डेट, पार्टियों और ब्रंच के साथ सुर्खियों में कैसे रहना है। ओरहान हाल ही में लंदन में अजय देवगन और काजोल की बेटी न्यासा के साथ बियॉन्से के संगीत कार्यक्रम में भाग लेने के लिए गए थे। बाद में उन्होंने शहर में कांग्रेस नेता राहुल गांधी से मुलाकात की। ओरी ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरीज पर राजनेता के साथ एक तस्वीर पोस्ट की।

लंदन में ँइ न्यासा देवगन के साथ पार्टी करने के बाद, ओरहान अवतरमानी ने राहुल गांधी से लंदन के एक रेस्तरां में लंच के लिए मुलाकात की। उन्होंने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक तस्वीर साझा की जिसमें वह और राहुल गांधी कैमरे के लिए मुस्कुराते हुए नजर आ रहे हैं। कांग्रेस नेता नीले रंग की टी-शर्ट और डेनिम पहने नजर आ रहे हैं। इस बीच ऑरी ने काली टी-शर्ट और जैतूनी हरे रंग की पैंट पहन रखी थी। दोनों ने लंदन के ओल्ड पार्क लेन रेस्त्रां में नोबू के अंदर पोज दिया। पहली फोटो शेयर करते हुए ओरहान ने लिखा, 'आर्ज ्त्लहम्प।' उन्होंने राहुल को भी टैग किया। ओरहान अवतरमणि कई बॉलीवुड सेलेब्स के साथ-साथ स्टार किड्स के भी करीब हैं। इंस्टाग्राम पर 354० से

अधिक फॉलोअर्स के साथ, ओरहान सेलिब्रिटी ँइ है जो आप चाहते हैं कि आपके पास हो। उन्हें करिश्मा और करीना कपूर, भूमि पेडनेकर, अनन्या पांडे, अहान शेट्टी और कई अन्य लोगों के साथ घूमते हुए देखा गया है। उनका इंस्टाग्राम अकाउंट कई बॉलीवुड सेलेब्स के साथ उनके कई पोस्ट से भरा पड़ा है। इन सेलेब्स और स्टार किड्स के साथ ओरहान की दोस्ती हमें सेलेब्स के ँइ गोल देती है।

ऑरी के न केवल बॉलीवुड कनेक्शन हैं, बल्कि हॉलीवुड में उनके दोस्त भी हैं। इससे पहले उन्हें किम कार्दशियन के साथ हैंगआउट करते देखा गया था। उनका काइली के साथ भी अच्छा बॉन्ड है। एक संगीत कार्यक्रम में उनकी मुलाकात ट्रैविस स्कॉट से भी हुई थी।

ओरहान का फैशन सेंस उन्हें किसी स्टार से कम नहीं लगता। वह अमीरी, टॉम फोर्ड, विजन ऑफ सुपर और प्रादा जैसे कुछ सबसे बड़े ब्रांडों से जुड़े रहे हैं। जाहिर है, उनका स्टाइल स्टेटमेंट उनकी जीवनशैली का प्रतिबिंब है। ओरहान मुंबई के एक सामाजिक कार्यकर्ता हैं और एक प्रशिक्षित एनिमेटर हैं। सारा अली खान उनकी क्लासमेट थीं। दोनों की साथ में ग्रेजुएशन की तस्वीर भी है। ओरहान अजय देवगन और काजोल की बेटी न्यासा देवगन के करीबी दोस्त भी हैं। लंदन में पार्टी करने से लेकर अपने हेलिकॉप्टर में निजी यात्रा करने तक, ऑरी एक राजा-आकार का जीवन जी रहा है। आप अक्सर उन्हें किसी फैशन शो में सबसे आगे की पंक्ति में देखेंगे।

बॉलीवुड में छाया पुराने गीतों का जादू

मुम्बई। संगीत निर्देशकों ने पुराने सदाबहार गीतों को इस साल नए कलेवर में पेश करने की सफल कोशिश की और तुम्हें अपना बनाने की कसम खाई है, ऐ मेरे हमसफर और जब छाए मेरा जादू जैसे पुराने गीतों ने फिर से जोरदार वापसी की। धीरे धीरे , बाजीराव मस्तानी में अलबेला सजन, और एक पहेली लीला फिल्म में सोनू निगम के मैं हूं दीवाना जैसे गीतों को नए अंदाज में पेश किया गया जो प्रशंसकों के बीच खासे लोकप्रिय हुए हैं। दो दशक से भी अधिक समय पहले संजय दत्त और पूजा भट्ट अभिनीत फिल्म सड़क में कुमार सानू और अनुराधा पौडवाल ने तुम्हें अपना बनाने की कसम खाई है गीत गाया था जिसे अरमान मलिक और नीति मोहन ने हेट स्टोरी 3 में अलग अंदाज में गाया है। मिथुन और तुलसी कुमार ने अभिषेक बच्चन और आसिन अभिनीत ऑल इज वेल में ऐ मेरे हमसफर कयामत से कयामत तक। का जादू फिर से बिखेरा। यह मौलिक गीत के मुकाबले अधिक धीमा और उदासी भरा नगमा है। गायिका कनिका कपूर ने रणदीप हुड्डा की फिल्म मैं और चार्ल्स में जब छाए तेरा जादू गीत को अपने अंदाज में गाया है। संजय लीला भंसाली ने अपनी सुपरहिट फिल्म हम दिल दे चुके सनम के शास्त्रीय गीत अलबेला सजन का एक और संस्करण बाजीराव मस्तानी में पेश किया गया है। इस वर्ष अभिनेताओं के निजी संगीत एलबमों में काम करने का ट्रेंड फिर से देखने को मिला। रितिक रोशन, शिल्पा शेट्टी, सोनम कपूर, इमरान हाशमी और टाइगर श्रॉफ जैसे बॉलीवुड सितारों ने निजी एलबमों में काम किया। रितिक और सोनम के धीरे धीरे से ने आशिकी के हिट रोमांटिक गीत का जादू फिर से बिखेरा और 90 के दशक के इस गीत का यह संस्करण गीत चाटरें में शीर्ष पर पहुंच गया।

विज्ञापन प्रतिनिधि
श्री सुजीत कुमार
मो. 7007632314

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक दीपक अरोरा द्वारा रामा प्रिन्टर्स 53/25/1 ए बेली रोड न्यू कटरा प्रयागराज (उ.प्र.) 211002 से मुद्रित एवं सी-41 यूपी एसआईडीसी औद्योगिक क्षेत्र नैनी प्रयागराज। (उ.प्र.) 211010 से प्रकाशित।
सम्पादक/प्रकाशक
डा0 पुनीत अरोरा
मो0न0 09415608710
RNI No. UPHIN/2015/63398
website:www.adhuniksamachar.com

नोट:- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगे।